@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

सोमवार, 26 जनवरी 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 83 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

युवा सकारात्मक राजनीति में आगे बढ़कर काम करें: नितिन नवीन

● वर्ष 2027 का चुनाव जीतने के लिए अपने बूथ को मजबूत करें कार्यकर्ता : नितिन नवीन

एजेंसी

मथुरा/लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन एक दिवसीय दौरे पर रविवार को मथुरा पहुंचे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश सरकार के मंत्री और भाजपा नेताओं ने भाजपा अध्यक्ष का स्वागत किया।

वृन्दावन में आयोजित एक अभिनन्दन कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से वर्ष 2027 के चुनाव के लिए कमर कसने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि 2027 में यूपी विधानसभा का चुनाव जीतने के लिए अपने बूथ का मजबूत करें। चुनाव में इस देश को बांटने और कांटने में विश्वास करने वाली ताकतों से लड़ना होगा। पहले बंदूक की नोंक पर उत्तर प्रदेश की सरकार चलती थी आज वोट के बल पर सरकार चल रही है। युवाओं को राजनीति में आगे आने का आहवान करते हुए नवीन ने कहा कि युवा सकारात्मक राजनीति में आगे बढ़कर काम करें। योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश को विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के लिए काम कर रहे हैं। हमें भी कदम से कदम मिलाकर चलना होगा। भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि यूपी में जिस तरह विकास का काम हो रहा है, इसके लिए मैं मुख्यमंत्री योगी को बहुत बहुत बधाई देता हूँ। आज अयोध्या से लेकर काशी, मथुरा तक जिस प्रकार से आप सांस्कृतिक विरासत को आप आगे बढ़ा रहे हैं, निश्चितरूप से भारत का एक-एक सनातनी गर्व करता है। आज उत्तर प्रदेश देश का उत्तम प्रदेश बनकर उभरा है। इसके लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और यूपी के मुख्यमंत्री योगी का बहुत बहुत आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में काफी संघर्ष किया है। पहले बीमारू राज्यों में यूपी और बिहार का नाम लिया जाता था, लेकिन आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश का हर राज्य विकसित राज्य बनकर उभर रहा है और आज उत्तर प्रदेश उसका नेतृत्व कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को बांके बिहारी की चौखट पर हाजिरी लगाई। दोनों नेताओं ने आराध्य के चरणों में शीश झुकाकर विधि-विधान से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की।

युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं नितिन नबीन: मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी

मथुरा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन संग प्रधानमंत्री के 'मन की बात' सुनी। वृंदावन के अक्षयपात्र में आयोजित कार्यक्रम में दोनों नेता सम्मिलित हुए। मुख्यमंत्री ने पहली बार यूपी के दौरे पर पहुंचे भाजपा अध्यक्ष का ब्रज की धरा पर स्वागत-अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने राधे-राधे, वृंदावन बिहारी लाल, राधा रानी, यमुना मैया, हर-हर महादेव, जय श्रीराम, भारत माता की जय, और वंदे मातरम की गूंज के साथ आध्यात्मिक व राष्ट्रवादी चेतना का संचार करते हुए अपने संबोधन की शुरुआत की। सीएम योगी ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन युवा ऊर्जा के प्रतीक हैं। बिहार विधानसभा में पांचवीं बार विधायक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। संगठन के विभिन्न पदों का निर्वहन करने के उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भाजपा ने नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नया दायित्व दिया है। इस दायित्व के पश्चात योगेश्वर श्रीकृष्ण की पावन धरा पर उनका प्रथम आगमन आह्लादकारी क्षण है। सीएम योगी ने कहा कि ब्रज प्राचीन काल से तीर्थ भूमि रही है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, गोकुल, गोवर्धन, नंदगांव, बलदेव तीर्थ हजारों वर्षों से सनातन धर्मावलंबियों के लिए प्रेरणा हैं। यहां के रज-रज, कण-कण में श्रीकृष्ण, राधा रानी और हजारों वर्षों की विरासत का अंश श्रद्धालु आज भी ढूंढते हैं। उसके साथ तारतम्य स्थापित करने का प्रयास करते हैं। अंत्योदय के प्रणेता पं. दीनदयाल उपाध्याय की पावन जन्मभूमि भी मथुरा में पड़ती है। प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से ब्रज भूमि भारत की आध्यात्मिक व सांस्कृतिक विरासत के साथ ही विकास के नित नए प्रतिमान स्थापित करते हुए बढ़ रही है।

सड़क सुरक्षा फोर्स का मॉडल लागू करने के लिए अन्य राज्यों ने पंजाब सरकार से संपर्क किया: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 25 जनवरी। पंजाब में सड़क सुरक्षा फोर्स (एस.एस.एफ.) के गठन के बाद सड़क सुरक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार दर्ज किया गया है। हादसा स्थलों पर एस.एस.एफ. की त्वरित पहुंच, पीड़ितों को प्राथमिक सहायता और समय पर इलाज मिलने के कारण राज्य में सड़क हादसों में मौतों की दर में 48 प्रतिशत की कमी आई है। एक समय सड़क हादसों में होने वाली मौतों के मामले में पंजाब देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल था, लेकिन अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है और पीड़ितों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने तथा समय पर इलाज मिलने से बहुमूल्य मानव जीवन बच रहे हैं। इस व्यापक सुधार का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि सड़क सुरक्षा फोर्स ने 'खूनी सड़क' (किलर रोड) के रूप में पहचानी जाने वाली पटियाला-सरहिंद रोड जैसी दुर्घटना संभावित जगहों को जोखिम की स्थिति से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि पूरे राज्य में 43,000 किलोमीटर सड़कों का निर्माण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों ने इस मॉडल में रुचि दिखाई है और यहां तक कि प्रधानमंत्री ने भी 'मन की बात' में देश के लिए सड़क सुरक्षा का उल्लेख किया है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, पंजाब में सड़क हादसों में मौतों की दर में 48 प्रतिशत की कमी आई है, इसी कारण अन्य राज्यों ने इस मॉडल में रुचि दिखाई है। उन्होंने बताया कि कई राज्यों ने अपने-अपने यहां सार्वजनिक सुरक्षा के इस अनूठे प्रयास को लागू करने के लिए पंजाब सरकार से संपर्क किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में सड़क सुरक्षा पर चर्चा की, लेकिन पंजाब ने सड़क सुरक्षा फोर्स का गठन कर पूरे देश के लिए मार्गदर्शक भूमिका निभाई है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एस.एस.एफ. के विशेष रूप से प्रशिक्षित 1,597 कर्मचारी इस फोर्स की रीढ़ हैं और इन्हें 144 अत्याधुनिक व पूर्ण रूप से सुसज्जित वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। पिछले वर्ष फरवरी में इसकी शुरुआत के बाद से सड़क हादसों में होने वाली मौतों की दर में 48 प्रतिशत की कमी आई है। इसके साथ ही सड़क हादसों में घायल लोगों की कीमती वस्तुओं और धन की सुरक्षित वापसी भी सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि यह फोर्स 4,200 किलोमीटर लंबे हाईवे पर तैनात की गई है, जहां ट्रैफिक हादसों की संभावना अधिक रहती है। अपने निर्धारित क्षेत्रों में गश्त करने के साथ-साथ एस.एस.एफ. ट्रैफिक उल्लंघनों के खिलाफ एक मजबूत रोकथाम के रूप में भी कार्य कर रही है। पूर्व की किसी भी सरकार ने इन गंभीर मुद्दों पर ध्यान नहीं दिया, जिसके कारण पंजाब पहले सड़क हादसों में होने वाली मौतों के मामलों में देश के शीर्ष तीन राज्यों में शामिल था। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अब हादसा पीड़ितों को अस्पतालों में तुरंत प्राथमिक सहायता और उचित इलाज मिल रहा है। 'कातिल सड़क' के रूप में जानी जाने वाली पटियालाङ्कसरहिंद सड़क, जहां औसतन रोज़ाना तीन मौतें होती थीं, अब एक सुरक्षित सड़क में परिवर्तित हो चुकी है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि राज्य सरकार गांवों को प्रमुख राष्ट्रीय मार्गों से जोड़ने के लिए पूरे पंजाब में 43,000 किलोमीटर उच्च गुणवत्ता वाली सड़कों का निर्माण कर रही है।

शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र, तीन कीर्ति चक्र और 13 शौर्य चक्र का भी एलान

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर वीरता पुरस्कार के नामों की भी घोषणा हो चुकी है। अंतरिक्ष यात्री और ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है। इसी के साथ सेना के तीन जवानों को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया जाएगा। ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला, जिन्होंने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (इ्रस्स्) का दौरा करने वाले पहले भारतीय बनकर इतिहास रचा था, उन्हें भारत के सर्वोच्च शांतिकाल का वीरता पुरस्कार अशोक चक्र से सम्मानित किया गया है।

शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र

जून 2025 में शुभांशु एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन गए थे। शुभांशु अंतरिक्ष यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय और आईएसएस पर कदम रखने वाले पहले भारतीय बने। उनकी 18 दिन की अंतरिक्ष यात्रा, 41 साल बाद किसी भारतीय की अंतरिक्ष उड़ान थी। इससे पहले 1984 में राकेश शर्मा ने रूसी सोयुज यान से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु भारतीय वायुसेना के अनुभवी फाइटर पायलट हैं। उनके पास 2,000 घंटे से अधिक का उड़ान अनुभव है। उन्होंने एसयू-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एएन-32 जैसे कई विमानों को उड़ाया है। दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ को 77वें गणतंत्र दिवस पर उत्तम युद्ध सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा। वहीं इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ के चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 77वें गणतंत्र दिवस पर परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 70 सशस्त्र बलों के जवानों को वीरता पुरस्कारों को मंजूरी दी, जिनमें से छह को यह सम्मान मरणोपरांत मिलेगा। इनमें एक अशोक चक्र, तीन कीर्ति चक्र, 13 शौर्य चक्र (जिसमें एक मरणोपरांत शामिल है), एक बार टू सेना मेडल (वीरता) और 44 सेना मेडल (वीरता) शामिल हैं। कीर्ति चक्र पुरस्कार विजेताओं में मेजर अर्शदीप सिंह, नायब सूबेदार डोलेश्वर सुब्बा और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर शामिल हैं। प्रथम असम राइफल्स के मेजर अर्शदीप सिंह को 14 मई 2025 को भारत-म्यांमार सीमा पर एक विशेष गश्ती दल का नेतृत्व करने के लिए कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। उस दिन एक ऊंची पहाड़ी से अचानक और बिना किसी उकसावे के गोलीबारी हुई, जहां उन्होंने निडरता से घनी झाड़ियों के बीच से दुश्मन की चौकी पर हमला किया और भारी दुश्मन गोलीबारी के बावजूद, आरपीजी लॉन्चर से लैस एक सहित कई सशस्त्र आतंकवादियों को मार गिराया। असाधारण नेतृत्व, वीरता और दृढ़ संकल्प के दम पर उन्होंने अपने सैनिकों को शून्य हताहत होने दिया। पैराशूट रेजिमेंट (स्पेशल फोर्सेज) की दूसरी बटालियन के नायब सूबेदार डोलेश्वर सुब्बा को 11 अप्रैल 2025 को किश्तवार जिले के जंगलों में चलाए गए आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान किए गए असाधारण शौर्य और साहस के लिए कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया है। इस अभियान में उन्होंने भारी शत्रुतापूर्ण गोलीबारी के बीच भी अपनी जान की परवाह किए बिना आतंकवादियों के करीब पहुंचकर एक कट्टर विदेशी आतंकवादी को बेहद करीब से मार गिराया और दूसरे को भी खत्म कर दिया।

उत्तर भारत में बर्फबारी और बारिश के बाद ठिठुरन बढ़ी: बंद रहे राजमार्ग, कोहरे और कड़ाके की ठंड का अलर्ट

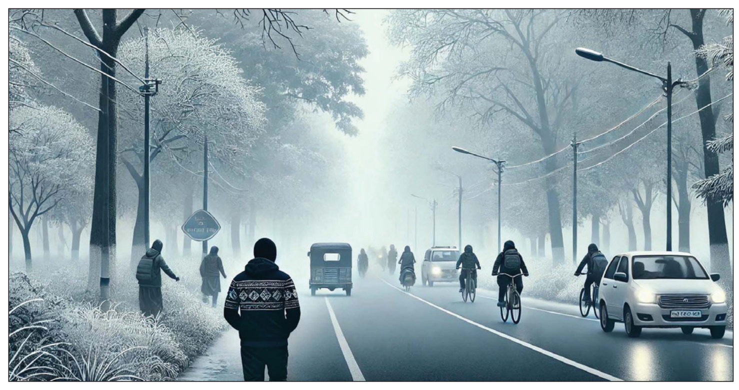

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में भारी बर्फबारी और मैदानी इलाकों में हुई बारिश के बाद पूरे उत्तर-पश्चिम भारत में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में लगातार हो रहे हिमपात के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। बर्फबारी के चलते कई प्रमुख सड़कें और राष्ट्रीय राजमार्ग दूसरे दिन भी बंद रहे, जिससे यातायात और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बाधित हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि 25 और 26 जनवरी को पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में घना कोहरा छाने की संभावना है।

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बारिश के बाद ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। रविवार सुबह दिल्ली में हल्के से मध्यम कोहरे की चादर दिखाई दी है। दिल्ली के मुख्य मौसम केंद्र सफदरजंग में न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले कुछ दिनों की तुलना में बड़ी गिरावट है। शनिवार को दिल्ली का सबसे ठंडा इलाका आयानगर रहा, जहां पारा गिरकर 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। हालांकि, तेज हवाओं और बारिश के कारण दिल्ली की वायु गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी दिल्ली में बादल छाए रहेंगे और अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना है।

कश्मीर घाटी में शनिवार को मौसम में थोड़ा सुधार होने से श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं बहाल कर दी गईं, लेकिन शीतलहर का प्रकोप कम नहीं हुआ है। बारामूला का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल गुलमर्ग जम्मू-कश्मीर में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान शून्य से 12 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। वहीं श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर बर्फबारी और फिसलन के कारण सैकड़ों यात्री फंसे हुए हैं, जिन्हें सेना और स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाकर भोजन और आश्रय उपलब्ध कराया गया है। सोमवार को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से घाटी में फिर से बारिश और बर्फबारी का अनुमान है।

हिमाचल प्रदेश में भी हालात चुनौतीपूर्ण बने हुए हैं। राज्य में दो राष्ट्रीय राजमार्गों सहित 680 से अधिक सड़कों पर वाहनों की आवाजाही ठप है। भारी बर्फबारी के कारण बिजली के 5,775 ट्रांसफॉर्मर प्रभावित हुए हैं, जिससे हजारों घरों में अंधेरा छाया हुआ है। लाहौल-स्पीति के कुकुमसेरी में पारा शून्य से 7.2 डिग्री नीचे चला गया है। मौसम विभाग ने आगामी 25 जनवरी को ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में भारी हिमपात की संभावना जताते हुए कई जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मैदानी राज्यों में राजस्थान के कई हिस्सों में तापमान शून्य के करीब पहुंच गया है। बीकानेर के लूणकरणसर में न्यूनतम तापमान 0.3 डिग्री और माउंट आबू में 0.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंजाब और हरियाणा में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है, जहां बठिंडा 0.8 डिग्री तापमान के साथ सबसे ठंडा स्थान रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक उत्तर दिशा से आने वाली सर्द हवाओं के कारण तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। उत्तर के साथ-साथ दक्षिण भारत में भी मौसम बदल रहा है; रविवार को तमिलनाडु और सोमवार को केरल में गरज के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जारी किया गया है।

महिलाओं को राजनीति में पुरुषों के मुकाबले तीन गुना ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है

-वसुंधरा राजे ने कहा- महिलाएं अपने संघर्ष और संकल्प से लगातार आगे बढ़ रहीं

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के कॉन्सिट्यूशन क्लब में जाट महिला शक्ति संगम कार्यक्रम में पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा कि महिलाओं को राजनीति में पुरुषों के मुकाबले तीन गुना ज्यादा मेहनत करनी पड़ती है, तब जाकर उन्हें पहचान और स्थान मिलता है। उन्होंने कहा कि यह सच्चाई है, लेकिन महिलाएं अपने संघर्ष और संकल्प से लगातार आगे बढ़ रही हैं। इस कार्यक्रम में जाट महासभा के अध्यक्ष राजाराम मील ने कहा कि जाट आरक्षण को बचाने में वसुंधरा राजे की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने बताया कि धौलपुर और भरतपुर के जाटों को आरक्षण दिलाने का काम भी वसुंधरा राजे के नेतृत्व में ही हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वसुंधरा राजे ने आंकड़ों के जरिए बताया कि आजादी के समय देश में महिला साक्षरता दर सिर्फ 9 फीसदी थी, जो आज बढ़कर 65 फीसदी हो चुकी है। आम चुनावों में महिला उम्मीदवारों की संख्या 1957 में 3 फीसदी थी, जो अब 10 फीसदी तक पहुंच गई है। पहली लोकसभा में 22 महिला सांसद थीं, जबकि आज यह संख्या 74 पहुंच गई है। राज्यसभा में भी महिलाओं की संख्या 15 से बढ़कर 42 हो गई है, लेकिन उन्होंने कहा कि यह अभी भी पर्याप्त नहीं है और महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर होनी चाहिए। पूर्व सीएम ने कहा कि प्रतिभा पाटिल और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने यह साबित कर दिया है कि शिक्षा ही सफलता की असली कुंजी है। उन्होंने कहा कि पढ़ी-लिखी महिलाएं हर क्षेत्र में बेहतर नेतृत्व दे सकती हैं। वसुंधरा राजे ने डॉ. कमला बेनीवाल, हेमा मालिनी, सुमित्रा सिंह, डॉ. प्रियंका चौधरी, रीटा चौधरी, डॉ. शिखा मील, सुशीला बराला, पद्मश्री सम्मानित कृष्णा पूनिया, कमला कस्वा और दिव्या मदेरणा का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाओं ने राजनीति में अपनी मजबूत पहचान बनाई है। इस कार्यक्रम में विधायक डॉ. शिखा मील, पूर्व विधायक कृष्णा पूनिया और पूर्व न्यायाधीश डॉ. राजेंद्र चौधरी ने भी अपने विचार रखे और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया।

कुणाल कामरा को दिल्ली कोर्ट का नोटिस

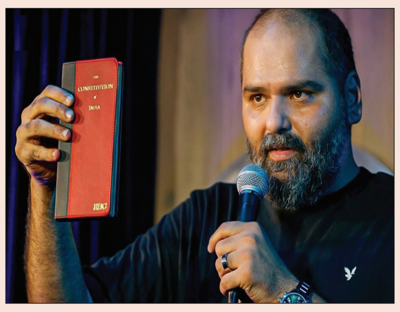

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक कोर्ट ने कॉमेडियन कुणाल कामरा को नोटिस जारी किया है। ये मामला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मजाक उड़ाने वाली कथित टिप्पणियों से जुड़ा है। अगली सुनवाई 20 मार्च को होगी। दिल्ली की रोहिणी कोर्ट ने कॉमेडियन कुणाल कामरा को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस शिवसेना के एक नेता की उस अर्जी पर दिया गया है, जिसमें महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का मज़ाक उड़ाने वाले कमेंट्स के लिए कामरा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई थी। कोर्ट ने यह आदेश शिवसेना के दिल्ली चीफ संदीप चौधरी की क्रिमिनल रिवीजन पिटीशन पर सुनवाई करते हुए दिया। यह पिटीशन मजिस्ट्रेट के उस ऑर्डर के खिलाफ थी जिसमें पुलिस को कामरा के खिलाफ FIR दर्ज करने का ऑर्डर देने से मना कर दिया गया था। रोहिणी कोर्ट की एडिशनल सेशंस जज (एएसजे) वंदना ने 20 जनवरी, 2026 को यह आदेश जारी किया।कोर्ट मामले में अगली सुनवाई 20 मार्च को करेगी।

गोदाम में आग लगने से 5 मजदूरों की मौत

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के हैदराबाद में नामपल्ली स्टेशन रोड पर शनिवार को फर्नीचर गोदाम में लगी आग में फंसे पांच लोगों के शव मिले हैं। तेलंगाना फायर एंड डिजास्टर रिस्पॉन्स के डीएम ने रविवार को बताया कि सभी शवों को उस्मानिया अस्पताल भेज दिया गया है। डीएम ने बताया कि ये सभी पीड़ित मजदूर थे जिन्हें नियमों के खिलाफ गोदाम के बेसमेंट में रहने की जगह दी गई थी। बेसमेंट में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामान भरा होने के कारण आग तेजी से फैली और बचाव में समय लगा। दुकान मालिक के खिलाफ फायर सेफ्टी नियमों के उल्लंघन पर केस दर्ज करने के निर्देश दिए।

ऑस्ट्रेलिया में सांसद बनीं पहली महिला सिख

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी लुधियाना की स्टूडेंट रहीं डॉ. परविंदर कौर ऑस्ट्रेलिया में सांसद बनने के बाद पहली बार भारत पहुंची। वह पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में भी पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने अपने पुराने दिन याद किए। पंजाब एग्रीकल्चरल यूनिवर्सिटी में उन्होंने वाइस चांसलर और प्रोफेसर्स से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो भी शेयर किए। बता दें कि, डा. परविंदर कौर अक्टूबर 2025 में वेस्टर्न ऑस्टेलिया से सांसद चुनी गई थीं। डॉ. परविंदर कौर ऑस्ट्रेलिया में पहली सिख महिला पार्लियामेंट मेंबर चुनी गईं हैं। एमपी बनते समय उन्होंने श्री गुटका साहिब की शपथ ली। इस दौरान सिर पर चुन्नी ओढ़ रखी थी। पश्चिमी ऑस्ट्रेलियाई संसद की लेजिस्लेटिव काउंसिल की सदस्य डॉ. परविंदर कौर ऑस्ट्रेलिया की रूलिंग पार्टी लेबर पार्टी की एमपी हैं। वो हाल में एक ट्रेड डेलिगेशन के साथ भारत आईं थीं। डॉ. परविंदर ऑस्ट्रेलिया में गैर ऑस्ट्रेलियन के साथ हो रहे नस्ल भेद को लेकर खुलकर बोलती हैं।

कोडीन कफ-सिरप मास्टरमाइंड के पिता की 30 करोड़ की संपत्ति जब्त

वाराणसी (एजेंसी)। कोडीन कफ सिरप मामले में मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल के पिता भोला जायसवाल की करीब 30 करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त करने की कार्रवाई रविवार को वाराणसी पुलिस ने किया है। इससे पहले सोनभद्र पुलिस ने राबर्ट्सगंज कोतवाली में दर्ज केस के तहत वाराणसी में उनकी 28.50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की थी। उस समय मकान पर मुनादी भी कराई गई थी। एसीपी रोहनिया संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि थाना रोहनिया में दर्ज मुकदमे में आरोपी भोला प्रसाद जायसवाल (पुत्र राम दयाल जायसवाल) ने कोडीन कफ सिरप की अवैध तस्करी से बड़ी मात्रा में पैसा कमाया था। इस अपराध से कमाई गई संपत्ति की कीमत करीब 30 करोड़ 52 लाख रुपये है। इसे एनडीपीएस एक्ट की धारा 68-एफ के तहत आज फ्रीज किया जा रहा है। इसमें कुल 8 संपतियां आज फ्रीज की जा रही है। रोहनिया पुलिस के साथ आवश्यक बल हमारे साथ मौजूद है। जांच के बाद इन संपत्तियों का खुलासा हुआ था जिन्हें आज फ्रिज किया जा रहा है। इस मुकदमें में शुभम जायसवाल, भोला जायसवाल, सौरभ त्यागी, शिवाकांत, स्वप्निल, दिनेश यादव, आजाद जायसवाल, महेश प्रधान और आशीष यादव आरोपी हैं। इससे पहले बीते शुक्रवार को कफ सिरप मामले में सोनभद्र पुलिस ने वाराणसी में बड़ी कार्रवाई की थी। कफ सिरप के मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल के आरोपी पिता भोला जायसवाल की 28 करोड़ 50 लाख की संपत्ति पर कुर्की की कार्रवाई की। सोनभद्र पुलिस की विशेष टीम ने कोर्ट के आदेश पर यह कार्रवाई की।

रांची-पटना हाईवे-20 पर ट्रक ने मारी कार को टक्कर, रांची के युवक की मौत

कोडरमा (एजेंसी)। रांची-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग-20 पर शनिवार देर रात एक सड़क हादसे में कार चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मृतक रांची के ओरमांझी, सरदार मोहल्ला निवासी धनंजय कुमार था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक धनंजय कुमार अपनी कार से रांची से पटना जा रहे थे। जैसे ही वह जेजे कॉलेज के पास पहुंचे, सामने आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और धनंजय कुमार ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की। इस हादसे ने एक बार फिर एनएच-20 पर स्थित जेजे कॉलेज के पास की दोषपूर्ण सड़क संरचना को उजागर कर दिया है। बता दें बरही की ओर से कोडरमा आने वाली सड़क जेजे कॉलेज तक तो फोरलेन है, लेकिन कॉलेज के ठीक पास यह टू-लेन में तब्दील हो जाता है। सड़क संकरी होने और बीच में डिवाइडर न होने से बॉटलनेक की स्थिति बनी रहती है। तेज रफ्तार से आ रहे वाहन अचानक सड़क के संकरा होने से नियंत्रण खो देते हैं, जिससे आमने-सामने की टक्कर का खतरा बना रहता है।

चार वेद कंठस्थ कर लेने से कोई शंकराचार्य नहीं बन जाता, अविमुक्तेश्वरानंद में अहंकार है

-किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी ने माघ मेले विवाद पर दी प्रतिक्रिया

प्रयागराज (एजेंसी)। माघ मेला इन दिनों विवादों और बयानों को लेकर भी सुर्खियों में है। साधु-संतों के आचरण, परंपराओं और अधिकारों को लेकर उठ रहे सवालों के बीच किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी ने माघ मेले में शामिल न होने को लेकर कहा कि मेरा जीवन अब पूरी तरह साधना और तप में समर्पित है। मैं पिछले 25 साल से तप कर रही हूं। रोजाना गंगा जल से स्नान करती हूं और उसके बाद ही पूजा-पाठ करती हूं। इस समय गुप्त नवरात्र चल रही हैं और नवरात्र के दौरान मैं कहीं भी बाहर नहीं जाती। इसी वजह से मैं माघ मेले में नहीं पहुंची। एक इंटरव्यू में जब उनसे माघ मेले में पालकी रोके जाने के विरोध में ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के धरने पर सवाल किया तो ममता ने तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की वजह से उनके शिष्यों को लात-घूंसे खाने पड़े। अगर स्नान ही करना था, तो पालकी से उतरकर पैदल जाकर स्नान कर सकते थे। गुरु होने का अर्थ जिम्मेदारी से भरा आचरण होता है, न कि ऐसी जिद, जिसकी कीमत शिष्यों को चुकानी पड़े। ममता ने कहा कि कानून सबके लिए समान है, चाहे वह राजा हो या रंक, गुरु हो या शिष्य। केवल चार वेद कंठस्थ कर लेने से कोई शंकराचार्य नहीं बन जाता। उनमें काफी अहंकार है और आत्मज्ञान शून्य है। बता दें 18 जनवरी को मौनी अमावस्या के दिन ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती पालकी से संगम स्नान के लिए निकले थे। उनके साथ करीब 200 शिष्य मौजूद थे। मेला प्रशासन ने भारी भीड़ का हवाला देते हुए संगम स्नान पर रोक लगा दी और पैदल जाकर स्नान करने की बात कही। इसी बात को लेकर प्रशासन और शंकराचार्य के बीच करीब तीन घंटे तक टकराव चला। जब सहमति नहीं बनी, तो पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए शिष्यों को वहां से हटाया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस- शाह, बिरला सहित तमाम दिग्गजों ने मतदाताओं से जागरुक होने की अपील की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में हर साल 25 जनवरी को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय मतदाता दिवस इस वर्ष भी पूरे उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर देश के शीर्ष नेतृत्व और विभिन्न राजनीतिक दिग्गजों ने देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए लोकतंत्र में मतदान के महत्व को रेखांकित किया। नेताओं ने न केवल वोट को एक अधिकार बताया, बल्कि इसे राष्ट्र निर्माण के लिए एक अनिवार्य कर्तव्य और संवैधानिक शक्ति के रूप में भी परिभाषित किया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने देश के मतदाताओं को बधाई देते हुए कहा कि मतदान केवल एक वैधानिक अधिकार नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और संवैधानिक आस्था की एक सशक्त अभिव्यक्ति है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में प्रत्येक मत राष्ट्र की दिशा तय करने की शक्ति रखता है। उन्होंने आह्वान किया कि सभी नागरिक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लें ताकि भारत का लोकतंत्र अधिक समावेशी और जीवंत बना रहे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने संदेश में संविधान द्वारा प्रदत्त समानता की शक्ति का

उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक सही वोट देश को सही दिशा में ले जा सकता है।

गृह मंत्री ने मतदाताओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि हम अपनी चुनावी प्रणाली की शुचिता की रक्षा करें। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे विकसित और शक्तिशाली भारत के निर्माण के लिए अपने मत की शक्ति का पूर्ण उपयोग करने का संकल्प लें।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस अवसर पर भारतीय लोकतंत्र की नींव यानी स्वतंत्र, निष्पक्ष और समावेशी चुनाव प्रक्रिया पर विचार साझा किए। उन्होंने चुनाव आयोग की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए युवाओं से विशेष रूप से अपील की कि वे इस प्रक्रिया का हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि मतदान करना गर्व और जिम्मेदारी का विषय होना चाहिए। इसी क्रम में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के जश्न के रूप में वर्णित किया। उन्होंने कहा कि जागरूकता बढ़ने से ही एक भागीदारी वाली लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। वहीं, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने प्रत्येक वोट को गणतंत्र का स्तंभ और संविधान की ताकत का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि जागरूक नागरिकों की भागीदारी ही भारत की प्रगति को नया आकार दे रही है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी प्रदेश और देश के मतदाताओं को बधाई देते हुए मतदान को जनभागीदारी का सर्वोच्च पर्व बताया। उन्होंने आगामी चुनावों में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जन-जागरण का संकल्प लेने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक वोट न केवल समाज की प्रगति बल्कि लोकतंत्र की स्थिरता का भी आधार है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने भी जनतंत्र की प्रबलता के लिए मत के महत्व को सर्वोपरि बताया और देशवासियों को समृद्ध मार्ग प्रशस्त करने हेतु शुभकामनाएं दीं। कुल मिलाकर, राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर सभी नेताओं का स्वर एक समान रहा—लोकतंत्र की असली शक्ति जनता के हाथों में है और जागरूक मतदान ही एक सशक्त राष्ट्र की पहचान है।

हिंदी के लिए तमिलनाडु में कोई जगह नहीं, थोपा तो करेंगे विरोध: सीएम स्टालिन

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने रविवार को तमिल भाषा शहीद दिवस के अवसर पर हिंदी को लेकर एक बार फिर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि तमिलनाडु में हिंदी के लिए कभी कोई जगह नहीं होगी और राज्य पर हिंदी थोपने की किसी भी कोशिश का हमेशा विरोध किया जाएगा। स्टालिन ने कहा, कि तमिल भाषा के लिए हमारा प्यार और सम्मान कभी खत्म नहीं होगा।

तमिल भाषा शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, कि जब-जब तमिलनाडु पर हिंदी थोपने की कोशिश की गई, तब-तब लोगों ने उतनी ही मजबूती से उसका विरोध किया। उन्होंने कहा, मैं उन सभी शहीदों को कृतज्ञतापूर्वक सम्मान देता हूं, जिन्होंने तमिल भाषा की रक्षा के लिए अपनी कीमती जान कुर्बान कर दी। स्टालिन ने यह भी कहा, कि भाषा के नाम पर अब और किसी की जान नहीं जानी चाहिए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हिंदी विरोधी आंदोलन के इतिहास से जुड़ा एक छोटा वीडियो भी साझा किया। वीडियो में वर्ष

1965 के दौरान हुए हिंदी विरोधी संघर्ष की दुर्लभ तस्वीरें शामिल हैं। स्टालिन ने डीएमके के संस्थापक नेताओं सीएन अन्नादुरई और पूर्व मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के योगदान को याद करते हुए कहा, कि उनके नेतृत्व में तमिलनाडु ने हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व किया और इससे पूरे उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई समुदायों के अधिकारों और पहचान की रक्षा हुई। भाषा शहीद दिवस उन लोगों की याद में मनाया जाता है, जिन्होंने 1964-65 के दौरान तमिलनाडु में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन में अपनी जान गंवाई थी। इस दौरान कई लोगों ने आत्मदाह जैसे कठोर कदम उठाए थे, जिससे यह आंदोलन देशभर में चर्चा का विषय बना था।

डीएमके लगातार केंद्र सरकार पर नई शिक्षा नीति (नेप) 2020 के जरिए हिंदी थोपने का आरोप लगाती रही है। मुख्यमंत्री स्टालिन तीन-भाषा फॉर्मूले का भी खुलकर विरोध करते आए हैं। उनका कहना है कि तमिलनाडु की दो-भाषा नीति– तमिल और अंग्रेजी ने राज्य में शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को मजबूत किया है।

हिंदी भाषा को लेकर तमिलनाडु सरकार और केंद्र के बीच लंबे समय से विवाद चला आ रहा है। पिछले वर्ष मार्च में राज्य सरकार ने बजट 2025-26 के प्रतीक चिन्ह से रुपए का चिन्ह हटाकर उसकी जगह तमिल अक्षर को शामिल किया था। इसके अलावा, सरकार राज्य में हिंदी के बढ़ते इस्तेमाल को लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंदी के होर्डिंग्स, बोर्ड, फिल्मों और गानों पर प्रतिबंध को लेकर भी मंथन किया गया है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने दोहराया कि तमिलनाडु अपनी भाषा, संस्कृति और पहचान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करता रहेगा।

उद्धव के साथ फिर हो गया खेला? शिवसेना यूबीटी के 4 पार्षद लापता, शिकायत दर्ज

मुंबइ (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में ठाणे और पालघर के बाद अब कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका (केडीएमसी) सत्ता संघर्ष का नया केंद्र बन गई है। शिवसेना (यूबीटी) के चार पार्षदों के अचानक लापता होने की खबर ने नगर निगम की राजनीति में भूचाल ला दिया है। उद्धव ठाकरे गुट ने अपने इन पार्षदों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिससे राज्य के दो प्रमुख राजनीतिक परिवारों और गुटों के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया है। आरोप है कि ये पार्षद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।

केडीएमसी के कुल 122 सदस्यों के सदन में बहुमत का आंकड़ा 62 है। वर्तमान समीकरणों को देखें तो शिंदे गुट के पास महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के 5 पार्षदों के समर्थन के साथ अब 53 नगरसेवक हो गए हैं। वहीं, उनकी सहयोगी भाजपा के पास

50 सदस्य हैं। यदि लापता बताए जा रहे शिवसेना (यूबीटी) के 4 पार्षद भी शिंदे गुट के साथ चले जाते हैं, तो यह गुट आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार कर लेगा। शिवसेना (यूबीटी) के लिए स्थिति तब और गंभीर हो गई जब यह पता चला कि उनके 11 निर्वाचित पार्षदों में से केवल 7 ने ही कोंकण प्रादेशिक आयुक्त के पास अपना पंजीकरण कराया है।सूत्रों का कहना है कि संपर्क से बाहर चल रहे पार्षदों में मधुर म्हात्रे, कीर्ति ढोणे, राहुल कोट और स्वप्निल केने शामिल हैं। इनमें से कुछ पार्षद मूल रूप से मनसे से आए थे और स्थानीय समीकरणों के कारण अब उनके वापस लौटने या शिंदे गुट में जाने की संभावनाएं प्रबल हैं। इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सांसद संजय राउत ने कहा कि जो लोग पार्टी के चुनाव चिह्न पर जीतकर 24 घंटे के भीतर रास्ता बदल लेते हैं, वे गद्दार हैं। उन्होंने ऐलान किया कि पार्टी इन पार्षदों के लापता होने के पोस्टर पूरे शहर में लगाएगी। दूसरी ओर, कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज होने के बावजूद पुलिस प्रशासन ने इसे गुमशुदगी का मामला मानने से इनकार कर दिया है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ये पार्षद अपनी मर्जी से कहीं गए हैं। इस बीच, मनसे के शिंदे गुट को समर्थन देने से ठाकरे भाइयों के बीच भी कड़वाहट बढ़ गई है। मनसे नेताओं का तर्क है कि यदि वे शिंदे गुट का साथ नहीं देते, तो उनके अपने पार्षद भी टूट सकते थे। फिलहाल, कल्याण-डोंबिवली की यह कैंची राजनीति किस करवट बैठेगी, इस पर पूरे महाराष्ट्र की नजरें टिकी हैं।

लालू, केजरीवाल, सोरेन के बाद अगला नंबर किसका? रडार पर ममता क्यों

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जांच एजेंसियों सीबीआई और ईडी से टकराव भारतीय राजनीति में नया नहीं है। बीते वर्षों में लालू प्रसाद यादव, अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन जैसे मुख्यमंत्री इस टकराव के चलते गिरफ्तारी और जेल तक जा चुके है। अब इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का नाम चर्चा में है। सवाल उठ रहा है कि क्या ममता भी उसी राह पर बढ़ रही हैं?

दरअसल ममता बनर्जी ने 2011 में वामपंथियों के 35 साल पुराने शासन को खत्म कर सत्ता हासिल की और 2021 में लगातार तीसरी बार बंगाल में जीत दर्ज की। भाजपा तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें सत्ता से हटा नहीं सकी। 2026 के विधानसभा चुनाव नजदीक हैं और भाजपा बंगाल में सत्ता पाने के लिए पूरी ताकत झोंक चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के शीर्ष नेताओं के बंगाल दौरे इसी रणनीति का हिस्सा हैं। इसतरह के माहौल में ममता का केंद्रीय एजेंसियों से खुला टकराव उन्हें राजनीतिक और कानूनी संकट में डालता दिख रहा है।

इतिहास बताता है कि सीबीआई-ईडी से पंगा लेने का अंजाम क्या हो सकता है। बिहार के मुख्यमंत्री रहते लालू प्रसाद यादव पर पशुपालन घोटाले का आरोप लगा था। लेकिन समर्थकों के विरोध और राजनीतिक दबाव के बावजूद सीबीआई ने 1997 में लालू प्रसाद यादव को गिरफ्तार किया। लेकिन गिरफ्तारी से पहले उन्होंने इस्तीफा देकर अपनी पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया, लेकिन सजा से नहीं बच सके। यह आजादी के बाद पहली बार था जब किसी पूर्व मुख्यमंत्री को सीबीआई ने गिरफ्तार किया।

वहीं हाल के सालों में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शराब नीति मामले में ईडी के नोटिसों को नजरअंदाज किया। नौ नोटिसों की अवहेलना के बाद मार्च 2024 में उन्हें गिरफ्तार किया गया। वे मुख्यमंत्री रहते गिरफ्तार होने वाले भारत के इतिहास में पहले नेता बने। बाद में सीबीआई ने भी उन्हें तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया। करीब छह महीने तक उन्होंने जेल से सरकार चलाई, फिर मजबूर होकर उन्होंने आतिशी को मुख्यमंत्री बनाना पड़ा। ईडी से टकराव केजरीवाल पर भी भारी पड़ा।

केजरीवाल के बाद झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग का आरोप लगा। कई नोटिसों के बावजूद उन्होंने ईडी के सामने पेश होने से बचने की कोशिश की। अंततः जनवरी 2024 में उन्हें गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी से ठीक पहले उन्होंने इस्तीफा देकर चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री बनाया। जमानत के बाद हेमंत फिर सत्ता में लौट आए, लेकिन वे भी ईडी से बच नहीं सके।

अब ममता बनर्जी का मामला सामने है। हाल के महीनों में ईडी ने कोयला घोटाले से जुड़े मामले में आई-पैक से संबंधित ठिकानों पर छापेमारी की। आरोप है कि ममता खुद वहां पहुंचीं, ईडी की कार्रवाई में बाधा डालकर दस्तावेज व मोबाइल अपने साथ ले गईं। जांच एजेंसी ईडी ने गंभीर मामला बताकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। अदालत की शुरुआती टिप्पणियों से संकेत मिलता है कि वह इस व्यवहार से नाराज है।

पहले फरवरी 2019 में सीबीआई कोलकाता के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के आवास पर सीबीआई के अधिकारी पूछताछ के लिए गए तो उन्हें न सिर्फ रोकने की कोशिश हुई थी, बल्कि राज्य पुलिस ने सीबीआई टीम को गिरफ्तार भी

कर लिया था। ममता तब भी वहां पहुंची थीं। रात भर सीबीआई की इस गतिविधि के खिलाफ वहां उन्होंने धरना दिया। वहीं पर कैबिनेट बैठक भी की थी। ममता ने वर्ष 2018 में सीबीआई को दी गई सामान्य सहमति वापस ले ली थी।

इन घटनाओं ने यह आशंका बढ़ा दी है कि क्या ममता बनर्जी भी लालू, केजरीवाल और हेमंत सोरेन की तरह केंद्रीय एजेंसियों से टकराव के चलते कानूनी संकट में फंस सकती हैं। अंतिम फैसला अदालतों का होगा, लेकिन इतिहास गवाह है कि सीबीआई-ईडी से सीधी टक्कर अक्सर नेताओं को भारी पड़ती है।

पंजाबियों को अधिक अधिकार, 'रंगले पंजाब' की ओर बढ़ते कदम

भगवंत सिंह मान
मुख्यमंत्री, पंजाब

भारत आज दुनिया का सबसे लोकतांत्रिक गणराज्य होने पर गर्व महसूस करता है। स्वतंत्रता के लिए ल? गए लंबे और ऐतिहासिक संघर्ष तथा उसके बाद 26 जनवरी, 1950 को एक अद्वितीय संविधान को अपनाने के साथ देश सही अर्थों में गणराज्य बना। आज का यह दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारा संविधान 26 जनवरी, 1950 को महान राष्ट्रीय नेताओं और प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों के निरंतर प्रयासों के बाद लागू हुआ था। हमारा संविधान समानता आधारित समाज में समृद्ध जीवन के महत्व को दर्शाता है और न्याय, स्वतंत्रता, समानता तथा भाईचारे के प्रमुख सिद्धांतों को स्थापित करता है। हमारे पवित्र संविधान को लागू करने वालों ने हमें संसदीय लोकतंत्र दिया, जिसका उद्देश्य सामाजिक प्रगति के साथ-साथ सभी के लिए बेहतर जीवन और समान आजीविका के अवसर प्रदान करना है। संविधान सभा ने इस तथ्य को ध्यान में रखा कि भारत सांस्कृतिक, धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय विविधताओं से समृद्ध विरासत वाला देश है। ऐसे विविधतापूर्ण देश को ऐसे संविधान की आवश्यकता थी जो वास्तव में इस विविधता के प्रति गहरे सम्मान और आदर को दर्शाए। वयस्क मताधिकार का मूल सिद्धांत, जो संविधान की आधारशिला है, इसी सोच का परिणाम है। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण था क्योंकि हमें अपने मत का उपयोग करने की शक्ति मिली। 'लोगों की सरकार, लोगों के लिए और लोगों द्वारा' की अवधारणा ने हमारे पूर्वजों की भावनाओं और आकांक्षाओं को साकार किया। लगभग 75 वर्षों के दौरान, हर गुजरते दिन के साथ देश में लोकतांत्रिक गणराज्य की विशेषताएँ और सुदृ? हुई हैं, क्योंकि देशवासियों ने लोकतांत्रिक मूल्यों में अटूट विश्वास प्रकट किया और बिना किसी भय के मतदान के अधिकार के पक्ष में स्पष्ट निर्णय दिया। भारत के स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व कुछ महान व्यक्तियों ने किया, जो धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र के सच्चे समर्थक थे। महात्मा गांधी जी, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बी. आर. अंबेडकर, शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद करतार सिंह सराभा सहित अनेक अन्य महान व्यक्तित्वों का इसमें अमूल्य योगदान है। यह हम सभी के लिए गर्व और संतोष की बात है कि पंजाबियों को हमारे महान सिख गुरुओं से आत्म-बलिदान और देशभक्ति की अद्वितीय भावना विरासत में मिली है, जिन्होंने हमें अत्याचार और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करना सिखाया। स्वतंत्र और संप्रभु भारतीय गणराज्य का वह स्वप्न, जिसे हमारे महान पूर्वजों ने देखा था, देशवासियों और विशेष रूप से पंजाबियों द्वारा शक्तिशाली ब्रिटिश साम्राज्य के विरुद्ध संघर्ष के दौरान दी गई अपार कुर्बानियों के कारण साकार हुआ। राष्ट्रीय स्वतंत्रता संग्राम में पंजाबियों द्वारा दी गई अनुपम कुर्बानियों को कोई कभी नहीं भूल सकता। आज देश हजारों गुमनाम नायकों को, विशेषकर पंजाब के वीर सपूतों को, गर्व के साथ स्मरण करता है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई, बल्कि उनके साहसिक कार्यों ने लाखों अन्य लोगों को भी 'स्वतंत्रता की जंग' में कूदने के लिए प्रेरित किया। देश की कुल आबादी का केवल दो प्रतिशत होने के बावजूद, स्वतंत्रता संग्राम के दौरान फांसी पर च ?ाए गए या निर्वासित किए गए शहीदों में से 80 प्रतिशत पंजाबी थे। कूका आंदोलन, ?दर आंदोलन, किसान आंदोलन और अन्य भारतीय स्वतंत्रता आंदोलनों के साथ-साथ पंजाब ने लाला लाजपत राय और दीवान सिंह कालेपानी जैसे वीर सपूत पैदा किए, जिन्होंने देश को ब्रिटिश साम्राज्यवाद के चंगुल से मुक्त कराने के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। शहीद भगत सिंह, शहीद राजगुरु, शहीद सुखदेव, शहीद उधम सिंह और करतार सिंह सराभा के वीरतापूर्ण कार्यों ने देशवासियों को अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध झंडा उठाने के लिए प्रेरित किया और स्वतंत्रता आंदोलन में नया जोश भर दिया। इसी प्रकार, जलियांवाला बाग हत्याकांड में निर्दोष लोगों की निर्मम हत्या ब्रिटिश शासन के ताबूत में आखिरी कील साबित हुई। इसी तरह भारतवासियों ने, विशेषकर पंजाबियों ने, देश की संप्रभुता को खतरे में डालने की हर साजिश को नाकाम किया है। वर्ष 1947, 1962, 1965, 1971 और कारगिल युद्ध में देश की रक्षा करने के अलावा, हमारे वीर देशभक्तों ने देश की आन-बान और संप्रभुता की रक्षा के लिए महान बलिदान दिए हैं। हाल ही में हमारी बहादुर सेनाओं ने सीमा पर ब ?ते तनाव का मुंहतो? जवाब दिया, जो स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय संप्रभुता पर हमला था। हमारे वीर सैनिकों ने सीमा पार से देश विरोधी तत्वों के नापाक इरादों को विफल कर दिया। इसी प्रकार, शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा देश को आंतरिक खतरों से सुरक्षित रखने के लिए की गई अनेक कार्रवाइयों में भी पंजाबी हमेशा अग्रणी रहे हैं। इसके अतिरिक्त, देश की समृद्धि और समग्र विकास सुनिश्चित करने के साथ-साथ देश की सीमाओं को बाहरी आक्रमणों से सुरक्षित रखने में भी पंजाबी सदैव अग्रिम पंक्ति में रहे हैं। संकट के समय में भी हम बहादुर पंजाबियों ने कभी अपने हौसले को टूटने नहीं दिया। इसके विपरीत, उन्होंने देश के संविधान में पूर्ण विश्वास रखते हुए लोकतंत्र के सिद्धांतों को मजबूत किया है। हमारे सीमित प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद, राज्य के किसानों ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए अपना पसीना बहाया और क ?ी मेहनत की। इसके लिए उन्होंने राज्य के अमूल्य प्राकृतिक संसाधनों, पानी और मिट्टी की उपजाऊ शक्ति, को भी कुर्बान कर दिया। हालाँकि एक गणराज्य के रूप में हमने विभिन्न चुनौतियों के बावजूद सफलतापूर्वक कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं, फिर भी अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। संविधान निर्माताओं के सपने अभी भी पूरी तरह साकार नहीं हो पाए हैं, क्योंकि हमारे देश के अधिकांश नागरिक आज भी गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और भूख जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। सात दशकों से अधिक के योजनाबद्ध विकास के बावजूद, हम अपने लोगों को बुनियादी सेवाएँ सुनिश्चित करने में सफल नहीं हो सके हैं, क्योंकि राज्यों और लोगों के बीच असमानताएँ लगातार ब ?ती जा रही हैं। हमारी ग्रामीण आबादी का एक ब ?ा हिस्सा और यहाँ तक कि शहरी बस्तियों में रहने वाले लोग भी अब तक विकास की यात्रा का हिस्सा नहीं बन पाए हैं। पिछले चार वर्षों से हमारी सरकार संविधान निर्माताओं की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, ताकि गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी और अन्य सामाजिक बुराइयों से मुक्त समाज के सपनों का पंजाब बनाया जा सके। हम अपने महान गुरुओं, संतों और पैगंबरों के पदचिह्नों पर चलते हुए हर कीमत पर राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द, शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं और पंजाब को सर्वांगीण विकास के मार्ग पर अग्रसर कर रहे हैं। राज्य में अभूतपूर्व विकास के युग की शुरुआत करने और पंजाब को तेज विकास पथ पर लाने के लिए हमारी सरकार ने इसे देश के मानचित्र पर अग्रणी राज्य बनाने हेतु साहसिक पहलें की हैं, जो निम्नलिखित हैं:

मुख्यमंत्री सेहत योजना

लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए, पंजाब सरकार ने 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' शुरू की है, जो देश में अपनी तरह की पहली योजना है। यह योजना पंजाब के प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस चिकित्सा उपचार प्रदान करती है। यह गर्व और संतोष की बात है कि ऐसी स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाला पंजाब भारत का पहला राज्य है, जिससे लोगों पर वित्तीय बोझ काफी हद तक कम होगा। इस ऐतिहासिक कदम का उद्देश्य राज्य के सभी परिवारों को व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करना है। सभी सरकारी कर्मचारी, पेंशनभोगी और अन्य नागरिक स्वास्थ्य कार्ड के लिए पात्र होंगे, जिसे सुविधा केंद्रों और कॉमन सर्विस सेंटरों से प्राप्त किया जा सकता है, या आधार कार्ड अथवा वोटर कार्ड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण कर प्राप्त किया जा सकता है।

युद्ध नशेयां विरुद्ध

पंजाब सरकार ने नशों की आपूर्ति श्रृंखला को तो?ा, नशा तस्करों के सरगनाओं को जेल भेजा, नशा तस्करों के घरों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त किया तथा पी?ितों के उपचार और पुनर्वास के माध्यम से पंजाब को नशा-मुक्त राज्य बनाने के लिए निर्णायक ल?ाई के रूप में 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' शुरू किया। 1 मार्च 2025 से 17 जनवरी 2026 तक एनडीपीएस अधिनियम के तहत 31,441 मामले दर्ज किए गए, 45,137 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया, 15.47 करो? रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ बरामद किए गए, 386 ब? तस्करों को पक ?ा गया और 299 करो? रुपये की संपत्ति जब्त की गई। 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' का दूसरा चरण भी शुरू किया गया है और युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए पंजाब में 3,083 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं।

गैंगस्टरां ते वार

नशों के विरुद्ध चल रही मुहिम 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' की ब?ी सफलता के बाद, पंजाब सरकार ने अब 'गैंगस्टरां ते वार' अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य पंजाब को गैंगस्टर-मुक्त राज्य बनाना है। यह गैंगस्टरों के विरुद्ध एक निर्णायक युद्ध है। इस व्यापक कार्रवाई के तहत 2,000 पुलिस टीमों का गठन किया गया, जिनमें 12,000 से अधिक पुलिस कर्मी शामिल थे। इन टीमों ने पंजाब भर में विदेश-आधारित 60 गैंगस्टरों के सहयोगियों से जु? चिन्हित और मैप किए गए स्थानों पर छापेमारी की। इस रणनीतिक अभियान का स्पष्ट उद्देश्य गैंगस्टरवाद के पूरे तंत्र, उनकी वित्तीय व्यवस्था, लॉजिस्टिक्स, सुरक्षित ठिकाने, हथियार आपूर्ति श्रृंखला और संचार नेटवर्क, को पूरी तरह समाप्त करना है। नागरिकों को अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गोपनीय रूप से जानकारी साझा करने तथा अपराध संबंधी सुझाव देने के लिए एक एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 भी शुरू किया गया है।

राजस्व सुधार

लोगों के लिए पारदर्शी, प्रभावी और भ्रष्टाचार-मुक्त राजस्व सेवाएँ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने 'ई ?ी रजिस्ट्री' और 'ई ?ी जमाबंदी' पोर्टल शुरू किए हैं। ये क्रांतिकारी पहलें राज्य सरकार की ईमानदार, पारदर्शी और जन-हितैषी मंशा को दर्शाती हैं। देश के किसी अन्य राज्य में इतने मजबूत राजस्व सुधार नहीं हैं और ये जन-सुविधाओं के एक नए युग की शुरुआत करेंगे।

आम आदमी क्लीनिक

लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने पूरे पंजाब में 881 आम आदमी क्लीनिक स्थापित किए हैं, जिन्होंने राज्य के स्वास्थ्य क्षेत्र में क्रांति ला दी है। प्रतिदिन लगभग 70,000 मरीज इन क्लीनिकों से लाभ उठा रहे हैं और इनमें आने वाले 95 प्रतिशत से अधिक मरीज अपनी बीमारियों से ठीक हो जाते हैं। अब राज्य सरकार ने इन 881 आम आदमी क्लीनिकों के लिए व्हाट्सएप चैटबॉट भी शुरू किया है, जिसके माध्यम से मरीज व्हाट्सएप पर स्वास्थ्य से जु?ी पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं और डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाओं की पर्चियाँ भी चैटबॉट के जरिए उपलब्ध होंगी। पंजाब सरकार ने वर्ष 2022 में लोगों को मु?त बिजली देने की गारंटी शुरू की थी। तब से राज्य के 90 प्रतिशत घरों को मु?त बिजली मिल रही है और उन्हें शून्य बिजली बिल प्राप्त हो रहे हैं। इससे आम आदमी की जेब पर ब?ा बोझ कम हुआ है और गरीब परिवारों को सालाना कम से कम 35,000 रुपये की बचत हो रही है। यह गर्व और संतोष की बात है कि घरेलू उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसानों को भी राज्य में मु?त और निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।

शिक्षा क्रांति

पंजाब सरकार ने सभी सरकारी स्कूलों के बुनियादी ढाँचे को बेहतर बनाने के लिए 'पंजाब शिक्षा क्रांति' की शुरुआत की है। इसके अंतर्गत राज्य सरकार 118 सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों को उत्कृष्ट दर्जे के स्कूलों में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है, जहाँ स्मार्ट क्लासरूम, आधुनिक प्रयोगशालाएँ और खेल मैदान उपलब्ध होंगे। शिक्षकों की क्षमता ब?ाने के लिए विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसके तहत शिक्षकों और प्राचार्यों को प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजा जा रहा है ताकि वे आधुनिक शैक्षिक पद्धतियों से परिचित हो सकें और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार कर सकें। यह गर्व की बात है कि भारत सरकार द्वारा कराए गए 'नेशनल अचीवमेंट सर्वे' में पंजाब ने केरल जैसे राज्य को पीछे छो?ते हुए पहला स्थान प्राप्त किया है।

नहरी पानी

जब मैंने पद संभाला था, तब राज्य में सिंचाई के लिए केवल 21 प्रतिशत नहरी पानी का उपयोग हो रहा था। आज यह ब?कर 63 प्रतिशत हो गया है। पद संभालने के बाद 'आप' सरकार ने राज्य में 6900 किलोमीटर लंबे 18,349 रजवाहों को पुनर्जीवित किया है, जिससे दूर-दरा? के गाँवों तक भी पानी टेलों तक पहुँच रहा है।

रोशन पंजाब

राज्य सरकार ने पंजाब को देश का पहला बिजली कट-मुक्त राज्य बनाने के लिए 5000 करो? रुपये से अधिक की लागत से 'रोशन पंजाब' अभियान शुरू किया है। केंद्र या किसी भी राज्य सरकार ने पहले कभी इस महत्वपूर्ण परियोजना के बारे में नहीं सोचा था, लेकिन पंजाब सरकार ने ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क में व्यापक सुधार कर बिजली कटों से मुक्ति के लिए यह ऐतिहासिक पहल की है। इस अभियान के तहत नए बुनियादी ढाँचे का निर्माण, मौजूदा प्रणालियों का उन्नयन और बिजली क्षेत्र में रख-रखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे वोल्टेज उतार-च ?ाव की समस्या समाप्त होगी, विशेषकर ग्रामीण और दूर-दरा? क्षेत्रों में, और बिजली आपूर्ति में उल्लेखनीय सुधार होगा।

शाहपुर कंडी डैम

पंजाब सरकार ने शाहपुर कंडी परियोजना का औपचारिक उद्घाटन कर राज्य के लोगों को 3394.49 करो? रुपये की ऐतिहासिक परियोजना समर्पित की है। इस परियोजना से राज्य की बिजली उत्पादन क्षमता और सिंचाई सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। यह डैम परियोजना किसानों, उद्योगपतियों, व्यापारियों और आम नागरिकों के लिए वरदान साबित होगी। पंजाब एक कृषि-प्रधान राज्य होने के कारण इस परियोजना से अत्यधिक लाभान्वित होगा, क्योंकि यह न केवल बिजली उत्पादन ब ?ाएगी बल्कि सिंचाई के लिए व्यापक सुविधाएं भी उपलब्ध कराएगी।

ग्रामीण लिंक सड़कें

पंजाब सरकार ने राज्य के इतिहास में सबसे ब? स ?क निर्माण अभियान की शुरुआत की है, जिसके अंतर्गत कुल 16,209 करो? रुपये की लागत से 44,920 किलोमीटर स ?कों के निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। ये सभी स ?कें पाँच वर्षों की रखरखाव शर्त के साथ बनाई जाएंगी, जो विश्व-स्तरीय स ?क सुरक्षा विशेषताओं और उच्च गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करेंगी। इस कदम का उद्देश्य पंजाब में बेहतर आवागमन उपलब्ध कराना और ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूती देना है। इनमें से राज्य सरकार पहले ही 4,092 करो? रुपये की कुल लागत से 19,373 किलोमीटर ग्रामीण लिंक स ?कों का निर्माण कर चुकी है।

औद्योगिक विकास

राज्य सरकार पंजाब में निवेश और औद्योगिक बुनियादी ढांचे को ब ?ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। अपनी निरंतर कोशिशों से मेरी सरकार ने 1.50 लाख करो? रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए हैं, जिससे युवाओं के लिए 5.20 लाख रोजगार के अवसर सृजित होंगे। टाटा स्टील, सनातन टेक्सटाइल और अन्य प्रमुख कंपनियां पंजाब में निवेश के लिए आगे आ रही हैं। और अधिक निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार 13-15 मार्च को मोहाली में 'प्रगतिशील पंजाब निवेश सम्मेलन' के छठे संस्करण का आयोजन कर रही है। औद्योगिक परियोजनाओं के लिए नियामक स्वीकृतियों को तेज और सुचारु बनाने हेतु बिक्री विलेखों के पंजीकरण में ग्रीन स्टांप पेपर लागू किया गया है।

शेष पृष्ठ 7 पर

NAME CHANGE

I Mohd Khalid Hameed S/o Abdul Samad R/o 761-762, 3rd loor, Sheesh Mahal, Bahadur Garh Road, Sadar Bazar, Delhi - 110006 have changed my minor Daughter's name from Khatija aged 14 years to Khatija Tul Kubra for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as Krishna S/o Tejveer Singh, R/o Mewla Gopalgarh, PO: Jewar, Dist: Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203135, have changed my name and shall hereafter be known as Prem, for all future purposes.

NAME CHANGE

I hitherto known as ZAKIR HUSSAIN S/o GULAM MUSLIM, R/o Nagla Padam, Aligarh, Uttar Pradesh-202132, have changed my name and shall hereafter be known as JAKIR HUSEN, for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

Public Notice: Loss of ID Card 2543606

This is to bring to the notice of the general public that one ID Card of Mr. Juber issued by ICICI Bank Ltd., having ID Card no. 2543606 has been found missing and/or lost on 21-01-2026. Anyone, who finds the said ID Card, is requested to return the said ID Card the Manager Debt Services & Management Group, ICICI Bank Ltd., SD Tower, Rohini Sec-8 Delhi. Therefore, all the customers of ICICI Bank Ltd are hereby notified not to make any payment to any unauthorised person holding the said ID card no. 2543606. Please take further notice that anybody making payment to any person holding the said ID Card shall do so at his/her own costs, risk and peril and ICICI Bank shall not be bound and/or responsible for any payment.

Sd/-
For ICICI Bank Limited

NAME CHANGE

I, Shantnu Singh S/o Ramjee Singh R/o House No.45, Street No.4, Shakti Vihar, Meethapur, Badarpur, Delhi-110044 have changed my name to Shantnu Kumar Singh.

NAME CHANGE

I SONIYA W/O KETAN R/O RZ-26 B BLOCK DHANSA ROAD GOPAL NAGAR NAJAFGARH DELHI-110043, I have changed my name to SONIA Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I KETAN KAUSHIK S/O BHARAT BHUSHAN R/O RZ- 26 B- BLOCK GOPAL NAGAR NANDA ENCLAVE NAJAFGARH DELHI-110043, I have changed my name to KETAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, ATMARAM GANPAT KONGHE is legally father of No. 2811669A Rank-HAV Name KOGHE SURESH ATMARAM presently residing at VILL-ADOLI, POST-ADOLI TEH-WASHIM, DIST - WASHIM (MAHARASHTRA)-444505,have changed my name from ATMARAM GANPAT KONGHE TO ATMARAM GANAPAT KONGHE and date of birth from 06/06/1970 to 01/01/1967 for all future purposes. Vide affidavit dated 23.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, YAMUNA is legally Mother of No. 2811669A Rank-HAV Name KOGHE SURESH ATMARAM presently residing at VILL-ADOLI, POST-ADOLI TEH-WASHIM, DIST -WASHIM (MAHARASHTRA)-444505, have changed my name from YAMUNA to YAMUNA ATMARAM KONGHE and date of birth from 05/03/1970 to 01/01/1973 for all future purposes. Vide affidavit dated 23.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I. RAJARAM is legally father of No. 2808051W Rank-HAV Name BANDAGALE VIJAYKUMAR RAJARAM presently residing at VILL-LINE BAZAR, POST-KASABA BAWADA, TEH-KARVEER, DIST-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416006 have changed my name from RAJARAM TO RAJARAM SHIVRAM BANDAGALE and date of birth from 03/01/1960 to 01/06/1961 for all future purposes. vide affidavit dated 23.01.2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री ब्रज पाल पुत्र श्री परमाल सिंह, निवासी ग्राम महावड, दादरी, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 203207, एक आवासीय प्लाट संख्या 38, क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, खसरा संख्या 873, स्थित ग्राम महावड, परगना व तहसील दादरी, जिला गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, के मालिक व काबिज खतौनी फसली वर्ष 1427-1432 द्वारा मालिक व काबिज है। कथित संपत्ति भार मुक्त है, न किसी प्राधिकरण द्वारा अधिगृहित है न ही कोई मामला किसी न्यायालय मे लंबित है। वर्तमान में, मेरे मुव्किकल कथित सम्पत्ति को श्रीमती नीलम पत्नी श्री जितेंद्र भारद्वाज को बेच रहे है जो आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0, शाखा आर डी सी, राज नगर, गाजियाबाद, उत्तरप्रदेश, के द्वारा फाइनेन्स किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त कथित सम्पत्ति के सबंध में कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरी या आधार हाउसिंग फाइनेन्स लि0 के समक्ष इस प्रकाशन के 7 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति उचित कागजात के साथ रखे / संपर्क करे, अन्यथा कथित सम्पत्ति के संबंध में दावा अवैध व व्यर्थ माना जायेगा।

रूपेश कुमार रौशन अधिवक्ता
डी-803, नन्दग्राम,
गाजियाबाद, उ0 प्र0 201003
roushan.rupesh@gmail.com

NAME CHANGE

I hitherto known as Kumari Manisha D/O: Hari Om, R/O 108-a, garhi kankhali, SBI, Pilkhuwa, PO: Pilkhauwa, DIST: Hapur, Uttar Pradesh - 245304, have change my name and shall hereafter be known as MANISHA RAJORIA.

NAME CHANGE

I, Saksham Goswami S/O Vivek Goswami, R/O H.No.122, Meethapur Village, Jaitpur, Distt. South Delhi, Delhi-110044, I have changed my name from Saksham to Saksham Goswami for all future purposes. In Future I WILL BE CALLED AND KNOWN BY THE NAME OF Saksham Goswami, for all purposes.

NAME CHANGE

I VIKAS KUMAR CHAURASIA S/O JANG BAHADUR CHAURASIA R/O H NO-B-303, STREET-36, KHAJOOR COLONY, SECTOR-44, SADARPUR, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH-201301 have changed my name to VIKAS CHAURASIA for all future purpose.

NAME CHANGE

I, JC-292217L, Rank-SUB, Name-BIKRAMJIT SINGH residing at S/o SURJIT SINGH residing at VILL-BHALAIPUR, PURBAN, TEHSIL-BABA BAKALA, DIST-AMRITSAR, PUNJAB-143202, that her correct date birth is 01/01/1958 have changed my mother's name from SIMARJIT SINGH KAUR to SIMARJIT KAUR for all future purposes vide Affidavit dated 24/01/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, Ganesh Parshad Gupta S/O Suraj Pershad Gupta R/O Vikasheel Apartment flat no-39 Rohini sector-13 Bhagwati hospital north west delhi-110085 changed my name to Ganesh Prasad

NAME CHANGE

I hitherto known as Shaid S/O Mohammad Shoaib, R/O Plot no-g/a-4 khasra no-15/2, meer vihar, madanpur dabas, Rani Khera, North West Delhi, Delhi - 110081, have change my name and shall hereafter be known as WAHID.

NAME CHANGE

I hitherto known as Aske Navi S/O Mohd Dulare, R/O A-475, KRISHNA BASTI, NABI KARIM PAHARGANJ, Swami Ram Tirth Nagar S.O, Central Delhi, Delhi, 110055, have change my name and shall hereafter be known as Aksey Nabi

NAME CHANGE

I, KALE NAWANATH DADA, is legally father of Army No. 2812705M, Rank – Sep, Name – KALE VINOD NAWANATH, At – Dhotane Kh, Post – Hiswal Kh, Teh – Nandgaon, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423106, have changed my name from KALE NAWANATH DADA to NAWANATH DADA KALE for all future purposes. Vide affidavit dated 24/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, KALE NIRMALA NAWANATH, is legally mother of Army No. 2812705M, Rank – Sep, Name – KALE VINOD NAWANATH, At – Dhotane Kh, Post – Hiswal Kh, Teh – Nandgaon, Dist – Nashik, State – Maharashtra, Pin – 423106, have changed my name from KALE NIRMALA NAWANATH to NIRMALA NAWANATH KALE and date of birth from 01/05/1970 to 01/07/1972 for all future purposes. Vide affidavit dated 24/01/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, Parveen Dagar, S/o Sh. Shamsher Singh Dagar, resident of H.No. 374, Sector-15 Part-1, Gurugram-122001, Haryana, state that my minor son Dhruv has been recorded as "Dhruv Chaudhary" in some records. It is clarified that "Dhruv Chaudhary" and "Dhruv Dagar" refer to one and the same person. Henceforth, he shall be known as Dhruv Dagar for all purpose.

NAME CHANGE

I, Parveen Dagar, S/o Sh. Shamsher Singh Dagar, resident of H.No. 374, Sector-15 Part-1, Gurugram-122001, Haryana, state that my minor son Surya has been recorded as "Surya Chaudhary" in some records. It is clarified that "Surya Chaudhary" and "Surya Dagar" refer to one and the same person. Henceforth, he shall be known as Surya Dagar for all purposes.

NAME CHANGE

I, ROHIT is legally son of No. JC-462864A Rank-NB SUB NAME-KADUS RAOSAHEB MACHHINDRA Presently resident at VILL-SAROLA KASAR, POST-SAROLA KASAR TEH-AHILYANAGAR, DIST-AHILYANAGAR, (MAHARASHTRA)-414005, have changed my name from ROHIT to KADUS ROHIT RAOSAHEB for all future purposes. Vide affidavit dated 23.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Devender S/o Jasodi R/o Rauni, Astauly, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203202 have changed my name and shall hereafter be known as Devendra Singh.

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री मनोज कुमार मित्तल पुत्र स्वर्गीय श्री नत्थू राम मित्तल निवासी S-74, सुंदर ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली व इनकी पत्नी श्रीमती स्वाती मित्तल एवं पुत्र यश मित्तल अपनी पुत्री / बहन, मेघा गोयल और उसका पति निखिल गोयल को कहना न मानने, समाज में प्रतिष्ठा धूमिल करने व मेरे मुवक्किल को तंग करने तथा परेशान / प्रताड़ित करने के कारण अपनी समस्त चल और अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुए अपने सभी पारिवारिक सम्बन्ध समाप्त करते है। भविष्य मैं अपने कार्यों के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे।

DEEPAK JAIN Advocate
410, Gali No. 2. Ganesh Nagar-II
Shakarpur, Delhi-92
Mob. No. 9911001193, 09968510799

NAME CHANGE

I Kanu Priya Jain Alias Kanupriya Jain D/o Dalip Chand and W/o Yogendra Kumar Jain R/o A-2002, Angel Mercury Apartment Mall Road, Ahinsa Khand-2, Indirapuram, Shipra Sun City, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201014, have changed my name to Kanta Jain.

NAME CHANGE

I Prinsh Singh S/o Lavkesh Singh R/o Chand Purwa, Sadikapur, Sitapur, Uttar Pradesh - 261141, have changed my name to Amarendra Pratap Singh.

NAME CHANGE

I Laxmi Kant Agarwal S/o Bal Kishan Dass R/o HNo.-41, Moh Khatiyan, Dhampur, PO- Dhampur, Dist- Bijnor, Uttar Pradesh - 246761, have changed my name to Laxmi Kant.

NAME CHANGE

I Satya Narayan Agarwal S/o Bal Kishan Dass R/o Khatiyan, Dhampur, Bijnor, Uttar Pradesh - 246761, have changed my name to Satya Narayan

NAME CHANGE

I, RAJSHREE is legally mother of No. 2808051W Rank- HAV Name BANDAGALE VIJAYKUMAR RAJARAM presently residing at VILL-LINE BAZAR, POST-KASABA BAWADA, TEH-KARVEER, DIST-KOLHAPUR (MAHARASHTRA)-416006, have changed my name from RAJSHREE TO RAJASHRI RAJARAM BANDAGALE and date of birth from 09/08/1965 to 01/1/1963 for all future purposes. Vide affidavit dated 23.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, SHITAL is legally Wife of No. 2811890Y Rank- NK NAME SHETE DILIP SURYABHAN Presently resident of A/P WADZIRE, TEL- PARNER, DIST-AHMEDNAGAR, (MAHARASHTTRA)-414307, have changed my name from SHITAL to SHITAL DILIP SHETE for all future purposes. Vide affidavit dated 24.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, RAMDAS is legally father of No. 2810217L Rank- HAV Name-AVHAD SURESH RAMDAS Presently resident of VILL- CHAPADGON POST-DAPUR THE-SINNAR DIST-NASHIK (MAHARASHTRA)-422606, have changed my name from RAMADAS to RAMADAS MOHAN AVHAD and date of birth from 01/06/1963 to 01/08/1964 for all future purposes. Vide affidavit dated 23.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I hitherto known as Abdul Qayyum alias Qayyum Ali S/O: Abdul Hakim, R/O C-112, Block - C, raju Park, VTC: Khanpur, PO: Pushpa Bhawan, Sub District: Hauz Khas, District: South Delhi, Delhi,110062, have change my name and shall hereafter be known as ABDUL QAYYUM.

NAME CHANGE

I, Gaurav Jain S/o Ashok Kumar Jain R/o C 4/88, Yamuna Vihar, Delhi-110053 have changed my name to Gourav Jain.

Public Notice

It is for general information that I Mahender Singh S/O Samay Singh, R/O H.No-19, Baprola Village, NAJAFGARH, Baprola, West Delhi, Delhi, 110043, declare that name of mine and my father has been wrongly written as Mohinder Singh and Samey Singh in my PPO no B/025422/87.The actual name of mine and my father are MAHENDER SINGH and SAMAY SINGH,respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I,NAJAR MOHD KHAN S/O KALE KHAN R/o E-289,GALI NO 1,CHAND BAGH, KARAWAL NAGAR, NORTH EAST DELHI,DELHI-110094 have changed my name to NAZAR MOHAMMAD permanently.

NAME CHANGE

I KM VINEETA W/O RAJESH KUMAR R/O H.NO 43-A GALI NO 5, NEAR JAIL GROUND BANK COLONY DELHI-110093, I have changed my name to VINITA KASHYAP Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I SADIYA ABBAS D/O SOHAIL ABBAS R/O F-65 FIRST FLOOR SHAHEEN BAGH OKHLA NEW DELHI -110025, I have changed my name to SADIA ABBAS Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE

This is to inform general public at large that our client, **Mr. Vishal Sahani** who have approached **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD.,** for Home Loan of FREEHOLD RESIDENTIAL PORTION OF PLOT NO.101 LAND AREA MEASURING 40 SQ. YDS. OUT OF TOTAL AREA MEASURING 100SQ.YDS. OUTOFKHASRANO.25/19 SITUATED INTHE REVENUE ESTATE OF VILLAGE RAZAPUR KHURD, DELHI STATE DELHI COLONY KNOWN AS BLOCK-P, MOHAN GARDEN, UTTAM NAGAR, NEW DELHI.

It is to mention that in chain of original documents from 2008 is coming i.e. **Notarized GPA, ATS and WILL** dated 12.03.2008 executed by **Mr. Om Prakash Soni** S/o Mr. Narayan Soni in favour of **Mrs. Jaspreet Kaur** W/o Mr. Kuljit Singh in respect of above mentioned property, So, the Regd. Mortgage deed has been waived by **VASTU HOUSING FINANCE CORPORATION LTD**. Which had to be executed by the borrower.

And the said property is going to be mortgaged in **2nd Floor, C 18, Commercial Market, Sanjay Vihar, Meerut Road Hapur Near Prachin Shiv Mandir, Hapur, Uttar Pradesh PIN 245101.** All persons, if any, including bank, financial institutions, or any party/ies having any claim (Objection to Khasra Number), demand, right, interest in respect of or against the said property or any part thereof by way of inheritance, assignment, mortgage, charge, possession, lien or otherwise, are hereby required to make the same known in writing within 7 days with the documentary evidence from the date of publication, falling which the said claim of the person/s, if any will be considered waived and settled.

Ms. Rani Shilpee (Advocate)
Office Add: H. No. T/181, UGF,
Shukar Bazaar, Uttam Nagar, New Delhi-110059

NAME CHANGE

I Mohd Khalid Hameed S/o Abdul Samad R/o 761-762, 3rd loor, Sheesh Mahal, Bahadur Garh Road, Sadar Bazar, Delhi - 110006 have changed my minor Daughter's name from Khatija aged 14 years to Khatija Tul Kubra for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SRISHTI D/O PAWAN SINGH R/O Rz-25B, Kh No-760/268,761/268, Gali No-4, Ashok Park, West Sagar Pur, New Delhi, Sagarpur, Po: Nangal Raya, Dist: South Delhi, Delhi-110014 have changed my name and shall hereafter be known as SRISHTI SINGH.

NAME CHANGE

I, RAHUL son of Shri Babu Singh resident of RZ-14A, ??? Floor, FS Street No. 2, Syndicate Enclave, Palam Village, South West Delhi-110045, have changed my name from RAHUL to RAHUL SINGH in future for all purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as BABITA W/O VISHAL SHARMA R/O H-981, H-BLOCK, PALAM EXTN, PART-1, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045 have changed my name and shall hereafter be known as BABITA SHARMA.

PUBLIC NOTICE

General Public is hereby informed that my Client Shri. Ishwer Singh Malik S/o Jela Ram and Smt Sunita Malik W/o Ishwer Singh Malik R/o-D-702 New Jyoti Apartment Plot No-27 Sec 4 Dwarka NSIT Dwarka South West Delhi Delhi-110078 has disowned and debarred his son and daughter in law namely Shri Mohit Malik S/o Ishwer Singh Malik and Smt Manju C/o Mohit Malik R/o-D-702 New Jyoti Apartment Plot No -27 Sec 4 Dwarka NSIT Dwarka South West Delhi Delhi-110078 from her movable and immovable properties and has also discard all kinds of relationship with them because they have become disobedient and are not under her control. My Client shall not be liable for any criminal and civil loss, damage and consequences, if any suffers while dealing with them and they shall do as their own risk cost and consequences.

YAMINI SHARMA, Advocate
CH-511 LAWYERS CHAMBER
BLOCK SOUTH WEST DWARKA
COURT NEW DELHI-110075

NAME CHANGE

I, MANISHA is legally Wife of No. JC-462864A Rank- NB SUB NAME-KADUS RAOSAHEB MACHHINDRA Presently resident of VILL SAROLA KASAR, POST-SAROLA KASAR TEH-AHILYANAGAR, DIST-AHILYANAGAR, (MAHARASHTRA)-414005, have changed my name from MANISHA to KADUS MANISHA RAOSAHEB for all future purposes. Vide affidavit dated 23.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Praveen S/o Ram Babu Gupta R/o House No. 151, Block - E - 7, Sultan Puri, Delhi - 110086 have changed my name to Praveen Gupta for all future purposes.

NAME CHANGE

"I, Rajiv Kumar, S/o Ram Naresh Saxena, R/o House No-1231P, 1st Floor Above UG, Sector-9, Near Govt.Middle School, Gurgaon (HR)-122001, have changed my name to Rajiv Kumar Saxena.

NAME CHANGE

I, Seema Dahiya, wife of Parveen Dagar, resident of H.No. 374, Sector-15 Part-1, Gurugram-122001, Haryana, state that my name has been recorded as "Seema" in some records. It is clarified that "Seema" and "Seema Dahiya" refer to one and the same person. Henceforth, I shall be known as Seema Dahiya for all purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as PAPPU S/O RAMLAL R/O Ramner, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-203155 have changed my name and shall hereafter be known as POOHAPI SINGH.

NAME CHANGE

I, ASHA is legally mother of No. 2810217L Rank- Hav Name AVHAD SURESH RAMDAS presently residing at VILL- CHAPADGON POST-DAPUR TEH-SINNAR DIST- NASHIK (MAHARASHTRA)-422606, have changed my name from ASHA to ASHABAI RAMDAS AVHAD and date of birth from 06/06/1968 to 01/01/1966 for all future purposes. Vide affidavit dated 24.01.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I BHAGWAN SAHAI S/o SANT RAM R/o H.NO-269 , WARD 11 KRISHANPURA GANAUR , SONIPAT HARYANA 131101. I have Changed my Name From BHAGWAN SAHAI MALHOTRA to BHAGWAN SAHAI for all future purposes.

NAME CHANGE

I VINEET CHALIHA S/o CHITTARANJAN KUMAR CHALIHA R/o PLOT NO-172 , BLOCK G, SECTOR 41, NOIDA, GAUTAM BUDH NAGAR, UTTAR PRADESH, Pin - 201303 have changed my Name From VINEET KUMAR CHALIHA to VINEET CHALIHA for all future purposes.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD AYOUB KHAN S/O MOHD JAMIL KHAN R/O H NO-4485, GALI SITARA, AJMERI GATE, DELHI-110006 have changed my name to MOHD AYUB KHAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, DEEPTI GOSAIN W/O ASHISH SHARMA R/O FLAT NO 19 POCKET 03 DDA FLATS SECTOR 11, DISTRICT COURT COMPLEX DWARKA, DWARKA, DELHI-110075 have changed my name to DEEPTI SHARMA for all future purpose.

NAME CHANGE

I SADIYA ABBAS D/O SOHAIL ABBAS R/O F-65 FIRST FLOOR SHAHEEN BAGH OKHLA NEW DELHI -110025, I have changed my name to SADIA ABBAS Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, RAHUL GOEL S/O VIJAY KUMAR GOEL R/O X-101 STREET NO.-13 BHRAMPURI MAUJPUR SEELAMPUR SHAHDARA NORTH EAST DELHI-110053 have changed my name and father's name to RAHUL KUMAR GOYAL S/O VIJAY KUMAR GOYAL for all future purposes.

NAME CHANGE

I JAWERIYA D/O MOHAMMAD ASLAM RESIDING AT HOUSE NO 3004 1ST FLOOR KUCHA NEEL KANTH DARYA GANJ NEW DELHI 110002 HAVE CHANGED MY NAME FROM JAWERIYA TO JUVERIA ASLAM FOR ALL FUTURE PURPOSE

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

Haryana: हाईकोर्ट ने सब-इंस्पैक्टर भर्ती विवाद को किया खत्म, याचिका खारिज

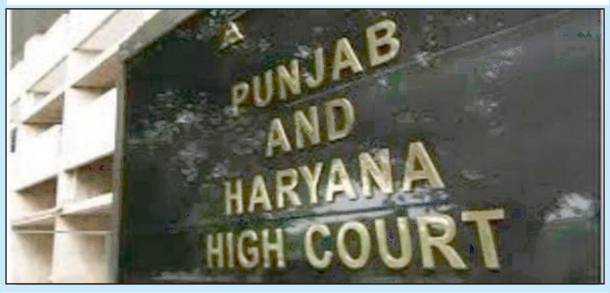

चंडीगढ़ . पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा पुलिस में सब-इंस्पैक्टर भर्ती से जुड़े एक विवाद पर सख्त रुख अपनाते हुए उस याचिका को खारिज कर दिया है जिसमें चयन प्रक्रिया की उत्तर-कुंजी को चुनौती दी गई थी। जस्टिस जगमोहन बंसल की एकलपीठ ने स्पष्ट कहा कि जब चयन आयोग ने विशेषज्ञों की राय के आधार पर उत्तर-कुंजी तय की है और उसमें कोई स्पष्ट त्रुटि सिद्ध नहीं हुई है तो अदालत उसमें हस्तक्षेप नहीं करेगी।

इस मामले में याची अमित ने विज्ञापन संख्या 3/2021 तहत हुई सब-इंस्पैक्टर भर्ती परीक्षा की 3 प्रश्नों की उत्तर-कुंजी पर सवाल उठाए थे। परीक्षा प्रक्रिया में लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षण, शारीरिक माप और दस्तावेजों की जांच शामिल थी और मैरिट लिखित अंकों, अतिरिक्त योग्यता तथा सामाजिक-आर्थिक मानदंडों के आधार पर तैयार की जानी थी। अमित ने 26 सितम्बर 2021 को हुई लिखित परीक्षा में भाग लिया था। बाद में जारी उत्तर कुंजी पर आपत्तियां मांगी गई थीं लेकिन उस समय उसने कोई आपत्ति दर्ज नहीं करवाई। उसे बाद में चयनित भी कर लिया गया था और उसके कुल अंक 67.20 थे जिनमें 5 अंक सामाजिक-आर्थिक श्रेणी के थे। बाद में जब शिकायतों के आधार पर दस्तावेजों की जांच हुई तो सामने आया कि अमित के पिता दिल्ली पुलिस में कार्यरत थे।

हरियाणा को 5700 करोड़ देगा विश्व बैंक, किसानों को मिलेगा इसका लाभ... जानिए क्या है खास

हरियाणा. विश्व बैंक ने हरियाणा के 'जल रक्षित हरियाणा परियोजना' के लिए 5,700 करोड़ स्वीकृत किए हैं, जो जल आत्मनिर्भरता हासिल करने की एक प्रमुख पहल है। यह राशि, जो 2026-2032 तक किश्तों में दी जाएगी, नहरों के जीर्णोद्धार, सूक्ष्म-सिंचाई, भूजल पुनर्भरण और अपशिष्ट जल के पुन- उपयोग पर केंद्रित होगी। इस महत्वपूर्ण निवेश का उद्देश्य राज्य में गंभीर जल संकट का मुकाबला करना और कृषि स्थिरता में सुधार करना है।

Haryana, जो कृषि पर अत्यधिक निर्भर है, गंभीर जल संकट और घटते भूजल स्तर से जूझ रहा है, जिसका मुख्य कारण धान और गेहूं जैसी गहन खेती प्रथाएं और अत्यधिक दोहन है। इन निरंतर चुनौतियों का सामना करते हुए, राज्य को महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। विश्व बैंक ने 'जल रक्षित हरियाणा परियोजना' के लिए ₹5,700 करोड़ की तकनीकी और वित्तीय सहायता को मंजूरी दी है। यह आवंटन, जो 2026 और 2032 के बीच किश्तों में वितरित किया जाएगा, जल आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और राज्य के महत्वपूर्ण जल बुनियादी ढांचे को ओवरहाल करने की एक रणनीतिक चाल है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने एक उच्च-स्तरीय समीक्षा बैठक के बाद इस मंजूरी की घोषणा की, इसे राज्य के जल प्रबंधन दृष्टिकोण में एक बड़े बदलाव की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

'जल रक्षित हरियाणा परियोजना' व्यापक पुनर्वास और आधुनिकीकरण पर केंद्रित एक बहु-आयामी रणनीति की रूपरेखा तैयार करती है। एक मुख्य घटक 678 प्रमुख नहरों का जीर्णोद्धार है, जो राज्य भर में 1,570 पहचानी गई नहरों को संबोधित करने के बड़े प्रयास का हिस्सा है, जिनमें से 892 पहले ही जीर्णोद्धार से गुजर चुकी हैं। इस पुनरुद्धार प्रयास में 115 नहरों पर ₹2,325 करोड़ की विश्व बैंक सहायता, ₹2,230 करोड़ के राज्य बजट और अन्य खंडों के लिए ₹2,880 करोड़ NABARD से प्राप्त होंगे। इसी तरह, 1,961 छोटी नहरों को भी लक्षित किया जाएगा, जिसमें 400 नहरों को विश्व बैंक से ₹450 करोड़ का विशिष्ट समर्थन प्राप्त होगा। मुख्य नहर नेटवर्क के अलावा, परियोजना कृषि दक्षता में सुधारों को प्राथमिकता देती है।

लगभग 70,000 एकड़ भूमि में ₹900 करोड़ की विश्व बैंक फंडिंग के साथ सूक्ष्म-सिंचाई प्रणाली लागू की जानी है। लगभग 2 लाख एकड़ को प्रभावित करने वाली जलभराव की समस्याओं का मुकाबला करने के लिए, कृषि विभाग विशेष जल निकासी प्रणालियों का विकास करेगा। इस पहल में दक्षिणी हरियाणा में भूजल पुनर्भरण में सुधार के लिए लगभग 80 नई जल निकायों का निर्माण भी शामिल है। इसके अलावा, जिंद, कैथल और गुरुग्राम के सीवेज उपचार संयंत्रों से उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग लगभग 28,000 एकड़ भूमि की सिंचाई के लिए किया जाएगा, जिसके लिए विश्व बैंक से ₹600 करोड़ का समर्थन मिलेगा।

बड़े पैमाने पर जल बुनियादी ढांचे और संरक्षण में निवेश को भारतीय कृषि की दीर्घकालिक स्थिरता और आर्थिक व्यवहार्यता के लिए महत्वपूर्ण चालक के रूप में पहचाना जाता है। अधिक विश्वसनीय जल पहुंच सुनिश्चित करके, ऐसी परियोजनाएं फसल की पैदावार को काफी बढ़ा सकती हैं, किसानों की आय बढ़ा सकती हैं और कृषि विविधीकरण को बढ़ावा दे सकती हैं। इस बेहतर जल प्रबंधन से ग्रामीण रोजगार के अवसर बढ़ सकते हैं और व्यापक आर्थिक विकास में योगदान हो सकता है। जल सुरक्षा को भारत की कृषि विकास क्षमता पर एक प्राथमिक बाधा के रूप में देखा जा रहा है, जिससे 'जल रक्षित हरियाणा परियोजना' जैसी पहलें रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हो जाती हैं। सूक्ष्म-सिंचाई पर जोर, जो बाढ़ सिंचाई की तुलना में 40-60त्न तक पानी के उपयोग को कम कर सकता है, बढ़ी हुई उत्पादकता और कम खेती लागत का भी वादा करता है।

स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में आयुष विभाग का प्रयास, स्कूल में योग सत्र आयोजित

एजेंसी

फरीदाबाद। आयुष विभाग, फरीदाबाद द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत आज ओम शिक्षा संस्कार सीनियर सेकेंडरी स्कूल, पाली (फरीदाबाद) में सूर्य नमस्कार एवं योग सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योगीराज ओमप्रकाश महाराज ने विद्यार्थियों को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रेरणादायक जीवन, उनके आदर्शों एवं पदचिन्हों पर चलने की आवश्यकता के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर उन्होंने स्वयं सूर्य नमस्कार कर विद्यार्थियों को उसका अभ्यास करवाया और योग के महत्व को व्यवहारिक रूप से समझाया। आयुष विभाग के जिला योग विशेषज्ञ विकास यादव ने

विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सूर्य नमस्कार के महत्व, उसकी सही विधि तथा नियमित अभ्यास से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का अभ्यास किया। विद्यालय प्रबंधन एवं स्टाफ ने आयुष विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत लाभकारी बताया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाना रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन में योग सहायक साहिल का सराहनीय सहयोग रहा।

बाबा खाटू श्याम के साथ नगर परिक्रमा को मंत्री राजेश नागर ने किया रवाना

▸▸गांव भूआपुर स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर में खाटू मंदिर से हेलीकॉप्टर से लाई ज्योति हुई स्थापित

एजेंसी

फरीदाबाद। आज गांव भुआपुर में खाटू श्याम सेवा समिति द्वारा श्री खाटू श्याम दरबार से लाई ज्योति के साथ भगवान श्री खाटू श्याम जी की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की गई। खास बात है कि मंदिर में स्थापित की गई ज्योति श्री खाटू श्याम मंदिर से हेलीकॉप्टर के माध्यम से लाई गई जो सभी के आकर्षण का केंद्र बन गई। इस भव्य कार्यक्रम के आयोजक पूर्व जिला पार्षद प्रत्याशी कृष्ण नागर थे। उससे पहले आसपास के समस्त गांवों में प्रभात फेरी के माध्यम से भक्तों के दर्शनार्थ

यात्रा निकाली गई। यात्रा को झंडी देने के बाद मंत्री राजेश नागर ने कहा कि आज हम सबका सौभाग्य है कि सेठों के सेठ भगवान श्री खाटू श्याम जी यहां मंदिर में विराजे हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी जन बधाई के पात्र हैं। मुझे भी इस अवसर पर उपस्थित होकर बड़ी खुशी हो रही है। मेरी प्रार्थना है कि भगवान श्री खाटू श्याम हमारे क्षेत्र में धन धान्य की भरमार करें। सभी लोग स्वस्थ एवं दीर्घायु रहें। मंत्री राजेश नागर ने बताया कि हरियाणा की सरकार पहले से तीर्थ यात्राओं को लेकर सजग है और हम सभी ने देखा है कि प्रयागराज महाकुंभ के लिए किस प्रकार से विशेष निशुल्क यात्राओं का आयोजन नायब सरकार ने किया था। वहीं अब हिसार और गुरुग्राम से श्री खाटू श्याम और श्री सालासर धाम के लिए हेलीकॉप्टर की योजना भी सरकार का बड़ा प्रोजेक्ट है जिसका लाभ सभी को मिलेगा। इस अवसर पर महंत गिरधर गिरी महाराज के सान्निध्य में खाटू नरेश की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व एक नगर फेरि निकाली गई जो गांव भुआपुर से प्रारंभ होकर गांव फत्तूपुरा, गांव शाहाबाद, गांव ताजूपुर, गांव ढहकोला, गांव भैंसरावली होते हुए वाया तिगांव होते हुए वापस भुआपुर पर संपन्न हुई। इस अवसर पर हजारों की संख्या में स्थानीय लोगों ने भागीदारी की जिनमें सरपंच वेद प्रकाश नागर, सरपंच विक्रम प्रताप नागर, सरपंच वेद अधाना, राजेश्वर भाटी चेयरमैन, बाबू समरवीर नागर, डॉ कर्मवीर नागर, सीए संदीप नागर, हेमंत शर्मा, अमन नागर, कमल नागर, अजब सिंह नागर, चंदर कौशिक, जयवीर खटाना, अजब सिंह चंदिला, धर्म सिंह सरपंच, आर एस गांधी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

'बूथ मजबूत होगा तो संगठन मजबूत होगा, कार्यकर्ता करें बूथ को मज़बूत': पंकज पूजन रामपाल

▸▸पंकज रामपाल ने मंडल अध्यक्षों के एक साल के सफल कार्यकाल पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी

एजेंसी

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी फ़रीदाबाद के जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने कहा कि हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा चलाई जा रही कल्याणकारी व जनहितकारी योजनाएं प्रदेश के जन-जन को आत्मनिर्भर एवं सशक्त बना रही हैं। यही सुशासन का वास्तविक स्वरूप है। इन योजनाओं को बूथ स्तर पर संवाद, सेवा और संपर्क के माध्यम से आम जनता तक पहुँचाना प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है। भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद की एक अत्यंत महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक 'अटल कमल' भाजपा जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मंडल

सुदृढ़ीकरण, बूथ मजबूती तथा आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। ज़िला अध्यक्ष पंकज पूजन रामपाल ने जिला फरीदाबाद के मंडल अध्यक्षों को एक वर्ष का कार्यकाल सफलतापूर्वक पूर्ण होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मंडल अध्यक्षों एवं मंडल कार्यकर्ताओं की मेहनत, निष्ठा और समर्पण के कारण ही फरीदाबाद जिला हरियाणा के अग्रणी जिलों में शामिल है, जिसका श्रेय मंडल अध्यक्ष और मंडल की पूरी टीम को जाता है। ज़िला अध्यक्ष ने मंडल प्रभारियों के साथ मंडल के संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा की और संगठन मंजबूत करने एवं संगठनात्मक कार्यों को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिये। श्री रामपाल ने कहा कि भाजपा का कार्यकर्ता ही पार्टी की असली शक्ति है। अनुशासन, निष्ठा और सक्रियता के साथ संगठन को और अधिक सशक्त बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने मंडल अध्यक्षों से संगठन की कार्यपद्धति, संगठन विस्तार, शक्तिकेंद्र एवं बूथ गठन, मंडल प्रवास तथा अन्य संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में 'मन की बात' कार्यक्रम को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। 'मन की बात' की जिला संयोजक अरुणिमा सिंह ने बताया कि पिछले 6 महीनों से फरीदाबाद जिले के सभी 877 बूथों पर मन की बात कार्यक्रम सुना गया तथा इसकी 100% रिपोर्टिंग 'सरल ऐप' पर सफलतापूर्वक की गई है। इसके लिए उन्होंने सभी मंडल अध्यक्षों एवं मंडल टीमों को बधाई दी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगे भी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के इस राष्ट्रहितकारी संवाद कार्यक्रम को प्रत्येक बूथ पर सामूहिक रूप से सुना जाएगा और नियमित रूप से इसकी फोटो रिपोर्टिंग सरल ऐप पर की जाएगी। बैठक में जिला महामंत्री चौधरी प्रवीण गर्ग, वरिष्ठ भाजपा नेता वज़ीर सिंह डागर, जिला उपाध्यक्ष विक्रम सिंह अरुआ, धर्मबीर भड़ाना, भारती भाकुनी, जिला सचिव गिर्राज त्यागी, मनीष छोंकर, पुनीता झा, तरनजीत भाटिया, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, किसान मोर्चा ज़िला अध्यक्ष जेजू ठाकुर, आईटी प्रमुख शिवम रतन, 'मन की बात' जिला संयोजक अरुणिमा सिंह, मंडल अध्यक्ष हरीश बैसला, राजेश चौधरी, अमित आहूजा, गौरव चौधरी, मुकेश कुमार झा, तृप्ति माला, शुभांकित गुप्ता, महेश कुमार, सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी, भाजपा मण्डल प्रभारी, मण्डल अध्यक्ष, मन की बात के जिला, विधानसभा, मंडल संयोजक व सह संयोजक, आईटी के जिला, विधानसभा एवं मंडल प्रमुख, सह प्रमुख, सभी मोर्चों के आईटी जिला व मंडल प्रमुख, सह प्रमुख उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री आरती राव गणतंत्र दिवस समारोह में फहराएंगी तिरंगा

डीसी आयुष सिन्हा ने गणतंत्र दिवस समारोह स्थल का किया निरीक्षण

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा सरकार में स्वास्थ्य मंत्री आरती राव जिला फरीदाबाद में 26 जनवरी को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगी। उपायुक्त (डीसी) आयुष सिन्हा ने आज वीरवार को सेक्टर-12 हैलीपेड ग्राउंड में समारोह स्थल की तैयारियों का जायजा लिया। डीसी आयुष सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम स्थल पर टेंट, बैकड्रॉप, बैरिकेडिंग, मोबाइल टॉयलेट, पेयजल तथा आमजन की सुविधा से जुड़ी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मार्च पास्ट एवं झांकियों के संचालन की प्रक्रिया भी निर्धारित कर ली गई है। कार्यक्रम की फाइनल रिहर्सल 24 जनवरी को आयोजित की जाएगी। उन्होंने इस दौरान सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपनी-

अपनी तैयारियां पूरी रखें। गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान मुख्य अतिथि का स्वागत करने, राष्ट्रीय ध्वज फहराने की व्यवस्था, वीआईपी स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों और समाज सेवी संस्थाओं के सम्मानित होने वाले प्रतिनिधियों के बैठने की व्यवस्था सहित सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परेड की टुकड़ियों की रिहर्सल तथा मैन स्टेज की व्यवस्था, माईक सर्विस, प्रैस गैलरी, बिजली, पानी, साफ सफाई, रंगोली सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर एडीसी सतबीर मान, डीसीपी सेंट्रल उषा, एसडीएम फरीदाबाद अमित कुमार, सीटीएम अंकित कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

प्रमुख नागरिक गोष्ठी में संघ की 100 वर्ष की यात्रा एवं समाज परिवर्तन के विषयों पर संवाद

• जैसा व्यक्ति होगा वैसा समाज होगा और जैसा समाज वैसा देश होगा

एजेंसी

फरीदाबाद। महानगर पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा एक प्रमुख नागरिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य विषय सीए, टैक्स एवं फाइनेंस कंसल्टेंट्स, बैंकर एवं यंग प्रोफेशनल्स के लिए है। यह कार्यक्रम संघ के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की श्रृंखला में समाज के प्रमुख जनों से संघ की 100 वर्ष की यात्रा एवं समाज परिवर्तन के विषयों पर संवाद का एक महत्वपूर्ण आयोजन है। सेक्टर-16 ए स्थित ग्रांड कोलम्बस स्कूल में संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. राकेश गुप्ता और विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला टैक्स बार फरीदाबाद के

अध्यक्ष एस.के.भारद्वाज उपस्थित रहे। डॉ.गुप्ता ने अपने वक्तव्य में टैक्स और वित्त क्षेत्र में पेशेवरों के लिए नैतिकता और राष्ट्रीय दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री एस के भारद्वाज ने कहा कि संघ को ऐसे विषयों पर कार्यक्रमों का आयोजन करते रहना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हरियाणा प्रांत प्राध्यापक प्रमुख एवं शिक्षाविद प्रोफेसर पवन सिंह ने अपने उद्बोधन में समाज के सामूहिक पुरुषार्थ और राष्ट्रीय चेतना के विकास पर जोर देते हुए कहा कि संघ विगत 100 वर्षों से राष्ट्र साधना एवं सेवाकार्य में रत है और यह यात्रा समाज के सहयोग तथा आशीर्वाद से अत्यन्त गौरवमयी तथा प्रेरणादायी बनी है। उन्होंने बताया कि हिंदू दर्शन की स्वीकार्यता देश-विदेश में सर्वत्र तेजी से बढ़ रही है। शिक्षाविद प्रो.पवन सिंह ने अपने संबोधन में समाज में जागरूकता लाने के तरीकों का उल्लेख करते हुए स्वदेशी, नागरिक कर्तव्य, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता और कुटुम्ब प्रबोधन के अंतर्गत संघ का उद्देश्य परिवारों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के प्रति सजग करना है। उन्होंने बताया कि संघ के पंच परिवर्तन ही समाज परिवर्तन का सशक्त माध्यम बनेगा। कार्यक्रम स्थल पर संघ 100 वर्षों के सेवा कार्यों की चित्र प्रदर्शनी के साथ साथ राष्ट्रीय विचारों के साहित्य और गौ सेवा का स्टॉल विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

26 जनवरी को सिरसा की 2 महिला सरपंचों को राष्ट्रपति करेंगी सम्मानित, किया ये अनोखा काम

सिरसा(सतनाम). एजेंसी

सिरसा की दो महिला सरपंचों को 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर सम्मानित किया जाएगा। इन दोनों गांवों में महिला उत्थान, पर्यावरण संरक्षण पर उल्लेखनीय काम हुआ है। वहीं फतेहपुर नियामत खां की महिला सरपंच सुनीता ढिढारिया ने बताया कि गांव में 1500 पौधे हरियाली के लिए लगाए गए है। हर घर के आगे दो पेड़ लगाए गए है, साथ ही हर्बल पार्क है। पूरे गांव में सीवरेज लाइन है। 500 सोखते गड्ढे बने हुए है। पंचायत को पहले भी मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

गांव भूना की सरपंच शारदा ने गांव में 100 महिलाओं का सेल्फ हेल्फ ग्रुप बनाया हुआ है। जिससे कि वे आजीविका कमा रही है और अपने परिवार का लालन पोषण कर रही है। जिसमें से कई महिलाएं सर्फ बनाकर उसे बेच रही है। इसके अतिरिक्त गांव में चार एकड़ का खेल स्टेडियम भी बनाया गया है। जो कि जिले में सबसे बड़ा स्टेडियम है।

सिरसा जिले की दो महिला सरपंचों को 26 जनवरी को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाएगा। ये सम्मान बड़ा गुढ़ा ब्लॉक के फतेहपुरिया नियामत खां गांव की सरपंच सुनीता ढिढारिया और रानियां ब्लॉक के भुना गांव की सरपंच शारदा देवी को दिल्ली में मिलेगा। दोनों सरपंचों को राष्ट्रपति भवन से निमंत्रण प्राप्त हुआ है। दोनों महिलाओं के लिए यह पहला अवसर है।

फतेहपुरिया नियामत खां की सरपंच सुनीता ढिढारिया ने इस सम्मान पर खुशी व्यक्त की।

उन्होंने बताया कि उन्हें राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित होने का अवसर मिलने पर अत्यंत प्रसन्नता है। सुनीता ने गांव में शिक्षा के स्तर में सुधार पर विशेष जोर दिया है। सरपंच सुनीता के अनुसार, उनके कार्यकाल में गांव की शिक्षा का परिणाम 10त्न से बढ़कर 98त्न हो गया है। इसके अतिरिक्त, गांव की टूटी हुई गलियों को पक्का किया गया है और पूरे गांव में सीवरेज पाइपलाइन बिछाई गई है। गांव में एक हर्बल पार्क भी बनाया गया है, जहाँ ग्रामीण घूमने जाते हैं, और पीने के पानी के लिए भी पाइपलाइनें डाली गई हैं।

रानियां ब्लॉक के भुना गांव की सरपंच शारदा देवी ने भी राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित होने पर अपनी खुशी जाहिर की। शारदा के लिए भी यह पहला अवसर है। शारदा देवी विशेष रूप से महिलाओं के उत्थान के लिए काम कर रही हैं और गांव में 10 स्वयं सहायता समूह चलाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास कर रही हैं। दोनों ही महिलाएं हरियाणा सरकार से भी सम्मानित हो चुकी हैं। महिलाओं के उत्थान के लिए लगातार यों ही प्रयास करते रहेंगे। गांव में लड़कियों के लिए लाइब्रेरी बनवाई गई लड़कों को नशे से दूर रखने के लिए स्टेडियम की हालात सुधारी गई और स्टेडियम के अंदर युवाओं को खेलने के लिए किड्स वगैरह भी लगातार हमारी तरफ से बांटी जा रही हैं। वही ग्रामीणों ने बताया कि सरपंच महिला द्वारा गांव में काफी विकास कार्य करवाए गए है जिसके चलते अब गांव के हालात सुधर गए है।

रेनो डस्टर की वापसी से मिड-साइज एसयूवी बाजार में बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा

- एसयूवी बाजार में तेजी से बढ़ रही लोकप्रियता

नई दिल्ली ।

भारतीय मिड-साइज एसयूवी बाजार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है। हुंडई क्रेटा और किआ सेल्टोस इस खंड के लगभग आधे हिस्सेदार हैं, जबकि मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा, टोयोटा हाइराइडर, स्कोडा कुशाक और फॉक्सवैगन टाइगुन जैसे मॉडल भी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराते हैं। शहरी और छोटे शहरों में एसयूवी जीवनशैली का हिस्सा बन गई हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में खरीदार मजबूत और भरोसेमंद वाहन पसंद करते हैं। रेनो डस्टर को दशक पहले भारतीय एसयूवी बाजार में लाने वाला मॉडल माना जाता है। इसकी खासियत रही है मजबूत सस्पेंशन, खराब सड़कों पर स्थिरता और राजमार्गों पर भरोसेमंद ड्राइविंग। हालांकि समय के साथ प्रतिस्पर्धा में पीछे रहने के कारण इसे बंद करना पड़ा। रेनो इंडिया अब डस्टर को नए फीचर्स और आधुनिक डिजाइन के साथ पुनः पेश करने जा रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी के अनुसार नई डस्टर रोमांच, भरोसे और नवाचार की पहचान रहेगी। इसमें उन्नत

तकनीक, बेहतर प्रदर्शन और संतुलित फीचर पैकेज की उम्मीद है।

विशेषज्ञों के मुताबिक आज के खरीदार कनेक्टिविटी, टचस्क्रीन, सुरक्षा और प्रीमियम फीचर्स पर ध्यान देते हैं। मार्केट में मारुति और टोयोटा अधिक माइलेज और हाइब्रिड तकनीक के साथ आगे हैं, जबकि हुंडई और किआ प्रीमियम लुक और फीचर्स में बढ़त रखते हैं। डस्टर की ताकत ग्रामीण और खराब सड़क वाले इलाकों में भरोसेमंद ड्राइविंग होना है।

एमएमटीसी-पीएएमपी चांदी पुनर्चक्रण करेगी, दिल्ली में शुरू होगा पायलट प्रोजेक्ट

- चांदी की बढ़ती वैश्विक मांग से आपूर्ति पक्ष में गंभीर बाधाओं का बढ़ा खतरा

नई दिल्ली । कीमती धातुओं के शोधन में अग्रणी कंपनी एमएमटीसी-पीएएमपी अगले तीन से चार महीनों में पायलट आधार पर चांदी पुनर्चक्रण शुरू करेगी। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि चांदी की बढ़ती वैश्विक मांग के कारण आपूर्ति पक्ष में गंभीर बाधाओं का खतरा बढ़ गया है। उन्होंने यह भी बताया कि जबकि मांग लगातार बढ़ रही है, वैश्विक खान उत्पादन क्षमता में कोई महत्वपूर्ण वृद्धि दिखाई नहीं दे रही है। अे धिकारी के अनुसार अब चांदी पुनर्चक्रण का अर्थशास्त्र अनुकूल है और यह कमी को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। एमएमटीसी-पीएएमपी पहले से ही सोना पुनर्चक्रण के लिए 20 स्टोर संचालित कर रही है, जिन्हें चांदी संभालने के लिए तैयार किया जा सकता है। कंपनी ने अगले पांच वर्षों में अपने स्टोरों की संख्या दोगुनी करने की योजना बनाई है। कंपनी अपने मौजूदा स्टोरों में कुछ उपकरणों को उन्नत करेगी और कर्मचारियों को चांदी पुनर्चक्रण के लिए प्रशिक्षित करेगी। गुहा ने बताया कि पहले यह प्रायोगिक परियोजना दिल्ली में शुरू होगी और सफलता मिलने पर इसे अन्य स्टोरों में भी लागू किया जाएगा। अे धिकारी ने सरकार से चांदी पुनर्चक्रण को प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारतीय परिवारों के पास अनुमानित 25,000 टन सोना और उससे दस गुना मात्रा में चांदी मौजूद है, जिसे पुनर्चक्रण के जरिए आपूर्ति की कमी को पूरा किया जा सकता है।

इंडिगो ने 717 घरेलू स्लॉट्स छोड़े, डीजीसीए के आदेश के बाद उड़ानों में की कटौती

364 स्लॉट्स दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद में छोड़े गए

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने जनवरी से मार्च 2026 के लिए कुल 717 घरेलू स्लॉट्स खाली किए हैं। जनवरी और मार्च में 361-361 स्लॉट्स छोड़े गए जबकि फरवरी में केवल 43 स्लॉट्स खाली किए गए। स्लॉट्स का मतलब एयरलाइन को टेकऑफ और लैंडिंग के लिए दिया गया तय समय होता है। दिसंबर 2025 में इंडिगो की उड़ानों में भारी अव्यवस्था हुई थी। 3 से 5 दिसंबर के बीच 2507 उड़ानें रद्द और 1852 उड़ानें देरी से चलीं, जिससे तीन लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हुए। इसके बाद डीजीसीए ने इंडिगो के विंटर शेड्यूल में 10 प्रतिशत कटौती का आदेश दिया। खाली किए गए 717 स्लॉट्स में से 364 स्लॉट्स छह प्रमुख मेट्रो एयरपोर्ट्स–दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद से हैं। सबसे ज्यादा स्लॉट्स बेंगलुरु और हैदराबाद एयरपोर्ट्स से छोड़े गए। इंडिगो ने स्लॉट्स की सूची नागरिक उड्डयन मंत्रालय को सौंप दी है। मंत्रालय ने अन्य एयरलाइंस से आवेदन मांगे हैं, ताकि ये स्लॉट्स खाली न रहें। हालांकि, ये स्लॉट्स सिर्फ मार्च 2026 तक उपलब्ध हैं। डीजीसीए ने इंडिगो पर 22.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया और सीईओ व दो वरिष्ठ अधिकारियों को चेतावनी दी।

एयरलाइन को 50 करोड़ रुपये की बैंक गारंटी जमा करनी होगी। अव्यवस्था का कारण फ्लाइट क्रू की कमी, सिस्टम खामियां और ऑपरेशनल कंट्रोल में कमजोरियां बताई गई हैं। विंटर शेड्यूल में इंडिगो को प्रति दिन 2144 उड़ानों की अनुमति थी, 10 प्रतिशत कटौती के बाद यह घटकर लगभग 1930 हो गई। समर शेड्यूल में रोजाना औसतन 2022 उड़ानें संचालित होती थीं।

रूसी तेल खरीद पर भारत को मिल सकती है राहत

25 फीसदी अमेरिकी टैरिफ हटाने पर विचार

नई दिल्ली ।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिए हैं कि भारत पर रूसी तेल की खरीद को लेकर लगाया गया 25 फीसदी टैरिफ हटाने का रास्ता निकल सकता है। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि हाल के महीनों में भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी क्रूड ऑयल की खरीद में उल्लेखनीय कमी की है, जिससे अब इन टैरिफ को हटाने पर विचार किया जा सकता है।

बेसेंट ने इसे ट्रंप प्रशासन की टैरिफ नीति की सफलता बताया। उनके अनुसार कि हमने भारत पर रूसी तेल खरीदने के कारण 25 फीसदी टैरिफ लगाया था और अब भारतीय रिफाइनरियों की रूसी तेल की खरीद लगभग समाप्त हो गई है। यह एक बड़ी कामयाबी है।÷ हालांकि उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल टैरिफ लागू हैं, लेकिन भविष्य में इन्हें हटाने पर विचार संभव है। यूक्रेन युद्ध से पहले भारत के कुल तेल आयात में रूसी क्रूड की हिस्सेदारी केवल 2 से 3 फीसदी थी। युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते रूसी तेल सस्ते दामों पर उपलब्ध हुआ। इसका फायदा उठाते हुए भारत ने रूसी तेल की खरीद बढ़ाई, जो बढ़कर 15 से 19 फीसदी तक पहुंच गई। इससे भारतीय रिफाइनरियों को अच्छा मुनाफा भी हुआ। अमेरिका ने भारत को रूसी तेल से दूर करने के उद्देश्य से 25 फीसदी टैरिफ लगाया। बेसेंट के अनुसार इसके बाद भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी सप्लाई कम कर पश्चिमी एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका से तेल आयात बढ़ाया। बेसेंट ने यूरोपीय देशों की आलोचना करते हुए कहा कि वे एक ओर रूस के खिलाफ बयान देते हैं, जबकि दूसरी ओर भारत से रिफाइंड प्रोडक्ट खरीदते हैं, जो रूसी क्रूड से बने होते हैं। उनके मुताबिक, इससे यूरोप अनजाने में रूस के युद्ध को फंडिंग कर रहा है।

भारत ऊर्जा सप्ताह 27 से, कई बड़े ऊर्जा समझौते होने की संभावना

भारत के ऊर्जा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आपूर्ति विविधीकरण होंगे मजबूत

नई दिल्ली । 27 जनवरी से शुरू हो रहे भारत ऊर्जा सप्ताह (आईईडब्ल्यू) 2026 में कई बड़े ऊर्जा समझौते होने की संभावना है, जो भारत के ऊर्जा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग और आपूर्ति विविधीकरण को मजबूत करेंगे। बीपीसीएल और पेट्रोब्रास के बीच 78 करोड़ डॉलर के अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इसके तहत 1.2 करोड़ बैरल कच्चा तेल खरीदा जाएगा, जो पिछले वर्ष के अनुबंध की दोगुनी मात्रा है। यह कदम भारत के कच्चे तेल की खरीद में विविधता लाने और आपूर्ति पर निर्भरता को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक देश है और यह रणनीति उसे बाजार में स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करेगी। ओएनजीसी और जापानी साझेदार `` मित्सु ओएसके लाइंस दक्षिण कोरिया की सेमसंग हेवी इंडस्ट्रीज के साथ दो बड़े एथेन वाहक जहाजों के निर्माण पर समझौता करेंगे। ये जहाज गुजरात के दहेज में ओएनजीसी की पेट्रोकेमिकल यूनिट ओपीएएल के लिए अमेरिका से एथेन लाने में इस्तेमाल होंगे। इस साझेदारी के तहत जहाजों का संयुक्त निर्माण, स्वामित्व और संचालन किया जाएगा। आईईडब्ल्यू में हस्ताक्षरित होने वाले अन्य समझौतों में नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड (एनआरएल) द्वारा फ्रांस की टोटलएनर्जीज के साथ एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर करना शामिल है।

महिंद्रा एसएमएल में अधिग्रहण के बाद पंजाब में बड़ा निवेश करेगी

चंडीगढ़ । कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा ने बताया कि महिंद्रा एंड महिंद्रा भारत के अग्रणी बहुराष्ट्रीय समूहों में से एक है, जिसने ऑटोमोबाइल, कृषि उपकरण, वित्तीय सेवाओं और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है। समूह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी औद्योगिक प्लेटफ़ॉर्म विकसित करने का अनुभव रखता है और भारत के प्रमुख मोबिलिटी समाधान निर्माताओं में शामिल है। मंत्री ने कहा कि महिंद्रा ने जापान की सुमितोमो कॉर्पोरेशन और इसुजु मोटर्स से शेयर खरीदकर एसएमएल इसुजु लिमिटेड में लगभग 555 करोड़ रुपए में 58.96 फीसदी हिस्सेदारी हासिल की। अगस्त 2025 में लेन-देन पूरा होने के बाद बोर्ड का पुनर्गठन हुआ और कंपनी का नाम बदलकर एसएमएल महिंद्रा लिमिटेड रखा गया। एसएमएल महिंद्रा लाइट और मीडियम कमर्शियल वाहनों के प्रमुख निर्माता हैं। शहीद भगत सिंह नगर (नवांशहर) में कंपनी ने लगभग 500 करोड़ रुपए का निवेश कर पूर्णतः एकीकृत विनिर्माण सुविधा स्थापित की है। इसमें वाहन असेंबली, बॉडी और पेंट शॉप, प्रेस और मशीन शॉप, स्न्त्रक्क और बस बॉडी प्लांट शामिल हैं।

साइबर संकटः 14.9 करोड़ यूजरनेम और पासवर्ड लीक

जीमेल, याहू, फेसबुक, इंस्टाग्राम और नेटफ्लिक्स भी प्रभावित

नई दिल्ली । जीमेल, इंस्टाग्राम, फेसबुक और नेटफ्लिक्स जैसी दिग्गज इंटरनेट कंपनियों के 14.9 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ताओं के लॉगिन क्रेडेंशियल (यूजरनेम और पासवर्ड) कथित तौर पर लीक हो गए हैं। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार सार्वजनिक रूप से उजागर हुए इस डेटा में जीमेल के 4.8 करोड़, याहू के 40 लाख, फेसबुक के 1.7 करोड़, इंस्टाग्राम के 65 लाख और नेटफ्लिक्स के 34 लाख खाते शामिल हैं। इसके अलावा आउटलुक के भी 15 लाख खातों की जानकारी लीक होने की बात कही गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध यह डेटाबेस पासवर्ड से सुरक्षित या एन्क्रिप्टेड नहीं था। इसमें कुल 14.94 करोड़ विशिष्ट लॉगिन और पासवर्ड मौजूद थे, जिनका कुल आकार 96 जीबी है। नमूनों की जांच में हजारों ऐसी फाइलें मिलीं जिनमें ईमेल, यूजरनेम, पासवर्ड और संबंधित अकाउंट्स के लॉगिन यूआरएल लिंक शामिल थे। इस रिपोर्ट में नामित प्रमुख कंपनियों को भेजे गए ईमेल का फिलहाल कोई जवाब नहीं मिला है। साइबर सुरक्षा शोधकर्ता के दावों के अनुसार, समीक्षा किए गए रिकॉर्ड्स के सीमित नमूनों में वित्तीय सेवा खातों, क्रिप्टो वॉलेट या ट्रेडिंग खातों के साथ-साथ बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड लॉगिन की जानकारी भी पाई गई। साइबर शोधकर्ता ने एक गंभीर चिंता यह जताई कि लीक हुए डेटा में दुनिया के कई देशों के 'डॉट जीओवी' डोमेन (सरकारी ईमेल) से जुड़े क्रेडेंशियल भी शामिल हैं।

विझिंजम पोर्ट में 30 हजार करोड़ का निवेश करेगी एपीएसईजेड

तिरुवनंतपुरम। अदाणी पोर्ट एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक करण अदाणी ने घोषणा की कि कंपनी विझिंजम समुद्री बंदरगाह के विकास में कुल 30,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी इस बंदरगाह का प्रबंधन संभालती है। उन्होंने कहा कि परियोजना के दूसरे चरण के तहत 16,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश शामिल है, जिससे कुल निवेश प्रतिबद्धता 30,000 करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। इस विस्तार से बंदरगाह की क्षमता वर्तमान 10 लाख टीईयू से बढ़कर 2029 तक 57 लाख टीईयू हो जाएगी। करण अदाणी ने बताया कि यह केरल राज्य में किसी भी निजी व्यावसायिक घराने द्वारा किया गया सबसे बड़ा निवेश है। विझिंजम भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे बड़े माल स्थानांतरण बंदरगाह के रूप में उभरेगा और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनेगा। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सबसे बड़ा ही नहीं, बल्कि भारत का सबसे तकनीकी रूप से उन्नत बंदरगाह होगा और भविष्य में भारतीय बंदरगाहों के संचालन का पथ-प्रदर्शक मॉडल बनेगा।

टाटा टेक्नोलॉजीज को अगले वित्त वर्ष में दोहरे अंकों की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली । टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने कहा है कि वैश्विक भू-राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद कंपनी अगले वित्त वर्ष में मजबूत वृद्धि की ओर बढ़ रही है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय वाहन निर्माताओं के निवेश निर्णय कंपनी के लिए लाभदायक होंगे। उन्होंने कहा कि जर्मनी स्थित ईएस-टेक समूह का अधिग्रहण टाटा टेक्नोलॉजीज के समग्र विकास पथ में योगदान देगा। उन्होंने बताया कि पिछले 18 से 24 महीनों की अनिश्चितता के कारण ग्राहक निवेश निर्णयों में धीमे थे, लेकिन अब स्थिति स्थिर होती दिख रही है। हैरिस ने उम्मीद जताई कि तीसरी तिमाही से चौथी तिमाही तक दोहरे अंकों की वृद्धि देखने को मिलेगी, और वित्त वर्ष 2025-26 में यह वृद्धि और मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि चाहे वैश्विक माहौल चुनौतीपूर्ण हो, ग्राहक निवेश के फैसले कंपनी के विकास को प्रेरित कर रहे हैं।

शीर्ष नौ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.51 लाख करोड़ घटा

- रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही

मुंबई । घरेलू शेयर बाजार में कमजोर रुख के कारण बीते सप्ताह प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार मूल्यांकन 2.51 लाख करोड़ रुपये घट गया। इसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे अधिक नुकसान हुआ। बाजार के जानकारों ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान बाजारों में भारी बिकवाली देखी गई और मंदड़िए पूरी तरह हावी रहे। कमजोर वैश्विक संकेतों, निरंतर एफआईआई की निकासी, रुपये के गिरते मूल्य और सामान्य कॉरपोरेट नतीजों ने पूरे सप्ताह दबाव बनाए रखा। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारती एयरटेल सहित शीर्ष 10 में नौ सबसे मूल्यवान कंपनियों का कुल बाजार मूल्यांकन 2,51,711.6 करोड़ रुपये घट गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 96,960.17 करोड़ रुपये घटकर 18,75,533.04 करोड़ रुपये रह गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 48,644.99 करोड़ रुपये घटकर 9,60,825.29 करोड़ रुपये था। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,311.86 करोड़ रुपये बढ़कर 5,66,733.16 करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और लार्सन एंड टुब्रो का स्थान रहा।

इस सप्ताह तिमाही नतीजे, फेड निर्णय और बजट से तय होगी बाजार की चाल

निवेशक वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान और कच्चे तेल की चाल पर भी नजर रखेंगे

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह में कंपनियों के तीसरी तिमाही के नतीजे, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर पर फैसले और आगामी आम बजट 2026-27 से शेयर बाजार का रुख तय होगा। गणतंत्र दिवस के कारण सोमवार को शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इसके अलावा विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधि, रुपया-डॉलर का रुख और वैश्विक व्यापार से संबंधित घटनाक्रम भी बाजार में कारोबार को प्रभावित करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी को आम बजट पेश करेंगी। बजट पेश होने के दिन रविवार है, लेकिन इस दिन शेयर बाजार एनएसई और बीएसई खुले रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि यह सप्ताह महत्वपूर्ण घरेलू और वैश्विक कारकों से भरा हुआ है। घरेलू मोर्चे पर बाजार औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों, आम बजट से जुड़े राजकोषीय संकेतकों और साप्ताहिक विदेशी मुद्रा भंडार पर नजर रखेंगे। कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी नजर रहेगी, जिसमें एक्सिस बैंक, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, आईटीसी, एनटीपीसी और बजाज ऑटो जैसी दिग्गज कंपनियों के नतीजे आएंगे। वैश्विक स्तर पर ध्यान अमेरिका के प्रमुख व्यापक आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर निर्णय और वैश्विक व्यापार नीतियों में हो रहे घटनाक्रमों पर रहेगा। बाजार के जानकारों के मुतो बिक एफपीआई ने 23 जनवरी को समाप्त सप्ताह में अपनी बिकवाली न केवल जारी रखी, बल्कि इसकी तीव्रता भी बढ़ा

दी। रुपये के निरंतर अवमूल्यन, भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर अनिश्चितता और अब तक के सामान्य तिमाही नतीजों के कारण बाजार की धारणा बहुत कमजोर रही है। निवेशक वैश्विक शेयर बाजारों के रुझान और कच्चे तेल की चाल पर भी नजर रखेंगे। सोमवार की छुट्टी के बाद मंगलवार से कारोबार शुरू होगा, जिसे 27 जनवरी को होने वाले भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से सकारात्मक बढ़त मिल सकती है। हालांकि, ईरान और ग्रीनलैंड से जुड़ी भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं बड़ी बाधा बनी हुई हैं। निवेशकों को उम्मीद है कि राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद के 4.2-4.3 प्रतिशत के आसपास रहेगा और बुनियादी ढांचे, रक्षा तथा रेलवे पर पूंजीगत व्यय पर जोर जारी रहेगा।

थोक बाजार में चावल और दालों में तेजी, गेहूं और आटे में नरमी

- चना, उड़द, तुअर और मसूर दालों के थोक भाव में सप्ताह के दौरान बढ़त रही

नई दिल्ली।

घरेलू थोक अनाज और खाद्य पदार्थ बाजारों में इस सप्ताह मिली-जुली टिप्पणियां रही, जिसमें कुछ वस्तुओं के भाव बढ़े तो कुछ में नरमी और उतार-चढ़ाव देखने को मिला। चावल की औसत थोक कीमत में साप्ताहिक तेजी रही और यह वृद्धि के साथ लगभग 3,818 रुपए प्रति क्विंटल पर पहुंच गई है, जो पिछले सप्ताह के मुकाबले करीब 23 रुपए की बढ़ोतरी दर्शाता है। वहीं गेहूं में नरमी बनी रही और इसका औसत भाव घटकर 2,839 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गया, जबकि आटे के भाव में भी लगभग 12 रुपए की गिरावट दर्ज की गई है। दालों के बाजार में भी मिश्रित रुझान देखने को मिला है। कुछ प्रमुख दालों जैसे चना, उड़द, तुअर और मसूर दालों के थोक भाव में सप्ताह के दौरान बढ़त रही, जो घरेलू मांग एवं आपूर्ति की स्थितियों का संकेत है। वहीं, कुछ मंडियों से दालों के भाव अस्थिर रहने की रिपोर्ट भी सामने आई है, जिससे कुल मिलाकर दालों के औसत थोक भाव में हल्की बढ़ोतरी का रुख देखा गया। चीनी के बाजार में भी नरमी बनी रही, कुछ हद तक पिछले सप्ताह की तुलना में कीमतें सॉफ्ट रुख पर रही। खाद्य तेलों में विशेष रूप से सरसों, पाम और सूरजमुखी तेल जैसे इनपुट वस्तुओं के भाव में सप्ताह के दौरान उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जिससे बाजार में अस्थिरता का संकेत मिल रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार इन रुझानों के पीछे वैश्विक वस्तु बाजारों की कीमतों के दबाव, मौसमी मांग-आपूर्ति में बदलाव और सरकार की भंडार, नियमन नीतियां प्रमुख कारण हैं। सरकार के पास चावल और गेहूं का भंडार स्थिर रूप से पर्याप्त बताया जा रहा है, जिससे किसी भी बड़े आपूर्ति संकट की संभावना न्यून बनी हुई है।

जनवरी के आखिरी हफ्ते में 26 कंपनियां बाटेंगी डिविडेंड

नई दिल्ली ।

जनवरी का आखिरी हफ्ता शेयर बाजार के उन निवेशकों के लिए बेहद अहम साबित हो सकता है, जो शेयरों में सिर्फ तेजी ही नहीं, बल्कि डिविडेंड से मिलने वाली नियमित आय को भी प्राथमिकता देते हैं। इस दौरान अलग-अलग सेक्टर की कुल 26 कंपनियां अपने शेयरहोल्डर्स को अंतरिम और फाइनल डिविडेंड देने जा रही हैं, जिससे बाजार में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ने की उम्मीद है। डिविडेंड देने वाली कंपनियों की सूची में आईटी, एनर्जी, ऑटो, एफएमसीजी और इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख सेक्टर शामिल हैं। इससे यह साफ संकेत मिलता है कि बाजार के विभिन्न हिस्सों में कंपनियां अपने मुनाफे का हिस्सा निवेशकों के साथ साझा करने को तैयार हैं। कुछ कंपनियों का डिविडेंड भले ही सीमित हो, लेकिन कई स्टॉक्स निवेशकों को अच्छी अतिरिक्त कमाई का मौका दे सकते हैं। इन सभी कंपनियों के शेयर 27 जनवरी से 30 जनवरी 2026 के बीच एक्स-डिविडेंड होंगे। इसका मतलब है कि रिकॉर्ड डेट से पहले जिन निवेशकों के पास इन कंपनियों के शेयर होंगे, वही डिविडेंड पाने के पात्र होंगे। कुल मिलाकर, सही समय पर सही शेयर चुनने वाले निवेशकों के लिए जनवरी का आखिरी हफ्ता फायदेमंद साबित हो सकता है।

भारत का 77वाँ गणतंत्र दिवस : संविधान, उपलब्धियाँ और चुनौतियाँ

सुनील कुमार महला

आज गणतंत्र को सबसे अधिक आवश्यकता संविधान के अक्षरों को ही नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को समझने और जीने की है। सजग नागरिक, स्वतंत्र संस्थाएँ, नैतिक राजनीति और सहिष्णु समाज-इन्हीं के माध्यम से भारतीय गणतंत्र सुरक्षित रहेगा। तभी हम प्रगति और उन्नयन की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने भारत को वास्तव में सपनों का भारत बना सकेंगे।

26 जनवरी 1950 वह दिन है जब भारत का संविधान लागू हुआ था और इसी दिन भारत एक गणतंत्र राष्ट्र बना। इससे पूर्व 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किया गया था। इस बार अर्थात वर्ष 2026 में भारत अपना 77वाँ गणतंत्र दिवस मनाने जा रहा है। दूसरे शब्दों में कहें तो 26 जनवरी 1950 वह ऐतिहासिक दिन था जब भारत एक संप्रभु, समाजवादी, लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष गणराज्य के रूप में विश्व पटल पर स्थापित हुआ। गणतंत्र (रि-पब्लिक) का अर्थ है-एक ऐसी शासन व्यवस्था, जिसमें सत्ता का स्रोत जनता होती है और सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रिया द्वारा चुनी जाती है। गणतंत्र में शासन का सर्वोच्च पद प्राचीनकाल की भांति किसी राजा या महाराजा के पास नहीं होता, बल्कि इसमें संविधान ही सर्वोपरि होता है। वास्तविक अर्थों में, गणतंत्र का मतलब यही है कि संविधान वह मूल कानून है, जो नागरिकों के अधिकारों और कर्तव्यों को निर्धारित करता है। सरल शब्दों में कहा जाए तो गणतंत्र वह व्यवस्था है, जहाँ जनता का शासन कानून और संविधान के माध्यम से चलता है। संविधान का अर्थ है-देश का सर्वोच्च कानून, जिसके ऊपर कोई व्यक्ति, सरकार या संस्था नहीं होती। यही कारण है कि संविधान को देश को चलाने वाली नियम-कानूनों की सर्वोच्च पुस्तक कहा जाता है।

पाठकों को जानकारी होगी कि भारतीय संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान है। यह स्पष्ट करता है कि देश कैसे चलेगा, सरकार कैसे बनेगी और कैसे कार्य करेगी, नागरिकों के मूल अधिकार और कर्तव्य क्या होंगे तथा देश में न्याय, समानता और स्वतंत्रता कैसे सुनिश्चित की जाएगी। यह कहना गलत नहीं होगा कि जिस देश में संविधान सुरक्षित है, वहाँ लोकतंत्र भी सुरक्षित रहता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारतीय संविधान के निर्माणकर्ता और संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अंबेडकर थे तथा भारतीय संविधान का मूल आधार लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, न्याय, समानता और स्वतंत्रता है।

गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम व उपलब्धियां:-

इस वर्ष गणतंत्र दिवस 2026 की मुख्य थीम '150 वर्ष : वंदे मातरम्' रखी गई है। अर्थात् इस बार देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाया जा रहा है। यह थीम बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ को सम्मान देती है, जो हमारे देश की संस्कृति, इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की भावना को अभिव्यक्त करती है। इसके अतिरिक्त वर्ष 2026 के समारोह की दूसरी महत्वपूर्ण थीम ह्यविकसित भारत और आत्मनिर्भर भारत' है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को प्रदर्शित करना है। इस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड की एक विशेष उपलब्धि यह है कि पहली बार यूरोपीय संघ के शीर्ष नेताओं को संयुक्त रूप से मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन इस अवसर पर भारत आएंगे। यह आमंत्रण भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) संबंधों की बढ़ती मजबूती का प्रतीक है। यूरोपीय संघ यूरोप के 27 देशों का एक आर्थिक-राजनीतिक समूह है, जो आपसी सहयोग, व्यापार, अर्थव्यवस्था, शांति, लोकतंत्र, मानवाधिकारों और सीमा-रहित यात्रा जैसे विषयों पर साझा निर्णय लेता है। गणतंत्र दिवस 2026 की एक और खास बात यह है कि भारतीय सेना पहली बार कर्तव्य पथ पर एक नया 'बैटल ऐरे फॉर्मेशन' प्रस्तुत करेगी। इसके साथ ही दर्शक दीघाओं के नाम अब नेताओं के बजाय भारत की प्रमुख नदियों के नाम पर रखे गए हैं, जो वीवीआईपी संस्कृति के अंत और जन-प्रधान लोकतंत्र की भावना को दर्शाता है।

उभरती हुई अर्थव्यवस्था है भारत:-

बहरहाल, आज भारत वैश्विक मंच पर लगातार उभरती हुई एक बड़ी शक्ति बन चुका है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जनवरी 2026 के ताजा आँकड़ों के अनुसार, भारत ने नॉमिनल जीडीपी के मामले में जापान को पीछे छोड़ते हुए यह गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। भारत की अर्थव्यवस्था लगभग 4.18 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुँच चुकी है और यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बनी हुई है। क्रय शक्ति समानता (पीपीपी) के आधार पर भारत पहले से ही विश्व में तीसरे स्थान पर है। अब भारत का अगला लक्ष्य जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनना है, जिसके 2027-28 तक साकार होने की पूरी संभावना है। यह आर्थिक प्रगति मजबूत घरेलू उपभोग, बुनियादी ढाँचे में भारी निवेश और डिजिटल क्रांति के कारण संभव हुई है।

गणतंत्र के समक्ष विद्यमान प्रमुख चुनौतियां:-

हालाँकि, 76 वर्ष पूरे करने के बावजूद आज भारतीय गणतंत्र के समक्ष कई गंभीर चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। वास्तव में कोई भी गणतंत्र तभी जीवित रहता है जब उसके नागरिक जागरूक और सजग हों। यह अत्यंत चिंताजनक है कि वर्तमान समय में हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों का क्षरण होता जा रहा है। संवाद, सहमति और असहमति की स्वस्थ परंपरा कमजोर पड़ रही है। मतभेद को देशद्रोह और आलोचना को विरोध मानने की प्रवृत्ति किसी भी लोकतंत्र के लिए घातक है। यह बहुत दुखद है आज संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगाए जा रहे हैं। न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका और मीडिया जैसी संस्थाओं पर दबाव और पक्षपात के आरोप गणतंत्र की नींव को चुनौती देते हैं। धर्म, जाति, भाषा और विचारधारा के आधार पर बढ़ता सामाजिक ध्रुवीकरण राष्ट्रीय एकता और भाईचारे को कमजोर करता है। नागरिक अधिकारों और स्वतंत्रताओं पर दबाव, राजनीति का अपराधीकरण, धनबल का बढ़ता प्रभाव, मीडिया और सोशल मीडिया की चुनौतियाँ-जैसे फेक न्यूज, ट्रोल संस्कृति और प्रोपेगैंडा भी लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे हैं। इसके साथ ही अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई, सामाजिक न्याय की चुनौतियाँ और नागरिक कर्तव्यों-जैसे मतदान, कर भुगतान, पर्यावरण संरक्षण और संवैधानिक मयार्दा-के प्रति बढ़ती उदासीनता गणतंत्र को कमजोर करती है।आर्थिक दृष्टि से भी चुनौतियाँ बनी हुई हैं। हालिया रिपोर्टों के अनुसार घरेलू बचत में कमी आई है, परिवारों की बचत घट रही है और कर्ज पर निर्भरता बढ़ी है, जो आर्थिक स्थिरता के लिए चिंता का विषय है। आवश्यकता इस बात की है कि आर्थिक असमानता कम की जाए और मध्यम वर्ग के लिए शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाया जाए। राष्ट्रीय सुरक्षा और वैश्विक चुनौतियों की बात करें तो सीमा विवाद-विशेषकर चीन और पाकिस्तान के साथ-साइबर सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण जैसे विषय आज गणतंत्र के सामने बड़े और अहम मुद्दे हैं। निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि आज गणतंत्र को सबसे अधिक आवश्यकता संविधान के अक्षरों को ही नहीं, बल्कि उसकी आत्मा को समझने और जीने की है। सजग नागरिक, स्वतंत्र संस्थाएँ, नैतिक राजनीति और सहिष्णु समाज-इन्हीं के माध्यम से भारतीय गणतंत्र सुरक्षित रहेगा। तभी हम प्रगति और उन्नयन की दिशा में आगे बढ़ते हुए अपने भारत को वास्तव में सपनों का भारत बना सकेंगे।

संपादकीय

संविधान के प्रति राजनीतिक जागरूकता पर्याप्त नहीं

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। ब्रिटिश आधिपत्य से स्वाधीनता के समय भारत के नेतृत्व ने भावी पीढ़ियों के शासन-प्रशासन हेतु एक संविधान का निर्माण किया। दो वर्ष, 11 महीने और 18 दिन तक संविधान सभा की बैठकें हुईं। उसके परिणामस्वरूप हमें विश्व का विशालतम संविधान प्राप्त हुआ। नौ दिसंबर 1946 से प्रारंभ कर 26 नवंबर 1949 तक हमारे संविधान निमार्ताओं ने भारत के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक जीवन के विभिन्न आयामों पर वृहद विचार विमर्श किया। उन्होंने विश्व के अनेक विद्यमान संविधानों का भी गहन अध्ययन किया और भारत के संविधान में संसार भर के संविधानों के श्रेष्ठ और स्वीकार्य तत्व सम्मिलित किए गए। इस प्रकार भारत का संविधान ऐसा अभिलेख बन गया जो विश्व की श्रेष्ठतम लोकतांत्रिक संस्थाओं और परंपराओं का सहज समावेश करता है। भारतीय संविधान की निर्मिति में संलग्न लगभग 300 व्यक्तियों की ओर दृष्टिपात करें तो यह ध्यान में आता है कि तत्कालीन भारत की श्रेष्ठतम मेधा, मनीषा, प्रतिभा संविधान सभा में उपलब्ध थी। वह संविधान सभा अनेक विचारधाराओं, क्षेत्रों, मतावलंबियों, भाषा-भाषियों, आजीविकाओं, समुदायों, संप्रदायों, राज-व्यवस्थाओं और रुचियों का प्रतिनिधित्व करती थी। वहां राजनेता, साहित्यकार, लेखक, उपन्यासकार, दार्शनिक, वकील, चिकित्सक, किसान, आदिवासी सभी प्रकार के व्यक्ति थे। उन सबने लगभग प्रत्येक शब्द, प्रत्येक अनुच्छेद, प्रत्येक संस्था और प्रत्येक नियम-विधि पर गहन और गंभीर वाद विवाद भी किया। इसका ही परिणाम हुआ कि भारतीय संविधान अपनी प्रस्तावना में ही अपने दार्शनिक मूल्यों और व्यावहारिक आधार की स्पष्ट उद्घोषणा करता है। वह एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना का उद्घोष करता है। कालांतर में 1976 में आंतरिक आपातकाल में यहां पंथनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द भी जोड़ दिए गए। यह संविधान भारत के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ विचार अभिव्यक्ति, आस्था, विश्वास तथा उपासना की स्वतंत्रता तथा स्तर और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह संविधान भारत के नागरिकों में आपसी बंधुता बनाए रखने को कटिबद्ध है। यह भारत की राष्ट्रीय एकता और अक्षुण्णता बनाने के लिए संकल्पित है। भारतीय संविधान अपने चरित्र में कठोरता और नमनीयता के सम्मिश्रण से युक्त है। वह समकालीनता की अपेक्षाओं और परिवर्तनशील युगीन आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को रूपांतरित करने में सक्षम है।

चिंतन-मनन

विचार प्रांति की जरूरत

एक समय अवांछनीय व्यक्तियों या तत्वों को हटाने के लिए मुख्यतः शस्त्रबल से ही काम लिया जाता था। तब विचारशक्ति की व्यापकता का क्षेत्र खुला न था। बहुसंख्यक जनता को एक दिशा में सोचने, कुछ करने या संगठित करने के लिए उपयुक्त साधन न थे। इसलिए संसार में जब भी अनाचार, पाप, अनौचित्य फैलता था, तब उस अनौचित्य का निवारण युद्ध द्वारा शस्त्रबल से किया जाता था। प्राचीनकाल में युग परिवर्तन की यही भूमिका रही है। इसी कारण रावण, कंस, हिरण्यकशिपु आदि अनीतिमूलक वातावरण उत्पन्न करने वालों को परास्त करनेवाले महामानवों को अवतार, देवदूत आदि सम्मानों से सम्मानित किया गया। पिछले कई वर्षों में विज्ञान ने अद्भुत प्रगति की है।

संसार की अनेक सभ्यताओं और विचारधाराओं ने एक-दूसरे को प्रभावित करना आरम्भ किया। साथ ही ऐसे शस्त्रों का आविष्कार आरम्भ हुआ, जिससे युद्ध केवल दो देशों के बीच संभव न रहा। सरकारी कानून के तहत व्यक्तिगत लड़ाइयां असंभव हो गई। आज किसी देश का प्रधानमंत्री भी किसी का वध कर डाले, तो उसे जरूरी सजा भुगतनी ही पड़ेगी। पुराने जमाने में योद्धा तलवार से निपट लेते थे, पर अब तो युद्ध के अस्त्र-शस्त्र तथा क्रियाकलाप इतने महंगे हैं कि एक सैनिक को मारने का खर्च प्रायः हजारों रुपये पड़ जाता है। उसके पीछे अंतरराष्ट्रीय गुटबंदी और सहायताएं, सहानुभूतियां भी काम करती हैं। इस वैज्ञानिक युग में पिछले दो युद्ध अनंत संहारक साधनों से लड़े गये, फिर भी उनसे कोई प्रयोजन सिद्ध नहीं हुआ। कहने का तात्पर्य इतना भर है कि प्राचीनकाल में अनीति व अनुपयुक्त परिस्थितियों का मूल कारण बने व्यक्तियों को निरस्त करने से वातावरण बदल जाता था, पर वैज्ञानिक प्रगति ने इस संभावना को समाप्त कर दिया। पहले कुछ शक्तिशाली शासक ही भला-बुरा वातावरण बनाने के निमित्त होते थे पर अब जनता के हर नागरिक को अपनी शक्तियां विकसित करने और उपयोग करने की ऐसी सुविधा मिल गई है कि वह स्वयं स्वतंत्र इकाई के रूप में समाज पर भारी प्रभाव छोड़ता है।

आशा और चुनौती के बीच भारत का बजट तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ते कदमों की कसौटी

कांतिलाल मांडोत

फरवरी की पहली तारीख को पेश होने वाला आम बजट केवल आयझ्रव्यय का लेखा-जोखा नहीं होगा, बल्कि यह उस दिशा का संकेत देगा, जिस ओर भारत अगले दशक में बढ़ना चाहता है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बाद अब भारत की नजर तीसरे स्थान पर है और इसी लक्ष्य की नींव रखने वाला यह बजट माना जा रहा है। वैश्विक अनिश्चितताओं, बदलती भू-राजनीति, संरक्षणवाद के बढ़ते रुझान और अमेरिकी टैरिफ नीति जैसी चुनौतियों के बीच भारत को संतुलन साधते हुए आगे बढ़ना है। ऐसे समय में बजट से उम्मीदें भी बहुत हैं और आशंकाएं भी।

पिछले दस बारह वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने जिस तेजी से आकार बढ़ाया है, उसने दुनिया का ध्यान खींचा है। लगभग 4.18 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ भारत आज चौथे पायदान पर है और 2030 तक जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य तक पहुंचने के लिए आने वाले तीन बजट बेहद अहम माने जा रहे हैं और मौजूदा बजट उसी श्रृंखला की पहली मजबूत कड़ी बन सकता है। सरकार की मंशा स्पष्ट है कि विकास की गति को बनाए रखते हुए आत्मनिर्भर भारत, निर्यात वृद्धि और निवेश को बढ़ावा दिया जाए, लेकिन सबसे बड़ी चुनौती है बढ़ता सार्वजनिक कर्ज।

देश पर कर्ज का बोझ अब एक ऐसे स्तर पर पहुंच चुका है, जहां उसे नजरअंदाज करना संभव नहीं रहा। पिछले एक दशक में कुल कर्ज 53 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर करीब 185 लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है और अनुमान है कि मार्च 2025 तक यह 196 से 200 लाख करोड़ रुपये के बीच पहुंच सकता है। इससे भी ज्यादा चिंताजनक तथ्य यह है कि हर साल लगभग 12 लाख करोड़ रुपये केवल ब्याज चुकाने में खर्च हो रहे हैं। यानी सरकार की कमाई का एक बड़ा हिस्सा विकास कार्यों की बजाय पुराने कर्ज की भरपाई में चला जाता है। यह स्थिति लंबे समय में विकास की रफ्तार पर ब्रेक लगा सकती है। हालांकि, यह भी सच है कि कर्ज अपने आप में बुरा नहीं होता, अगर उसका इस्तेमाल उत्पादक क्षेत्रों में किया जाए। समस्या तब खड़ी होती है, जब कर्ज का बोझ इतना बढ़ जाए कि वह नीतिगत फैसलों की स्वतंत्रता को सीमित करने लगे। भारत आज विश्व बैंक से कर्ज लेने वाले देशों में अग्रणी है और दुनिया के बड़े कर्जदार देशों में सातवें स्थान पर है। भले ही अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और इटली जैसे देश भारत से कहीं अधिक कर्जदार हों, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश के लिए कर्ज का संतुलन बनाए रखना कहीं ज्यादा जरूरी हो जाता है। ऐसे में इस बजट से उम्मीद की जा रही है कि सरकार कर्ज नियंत्रण की स्पष्ट रणनीति सामने रखेगी।

बजट का आकार भी अपने आप में एक बड़ा संकेत है। पिछले बारह साल में केंद्र सरकार का बजट 15 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 50 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुका है। इस साल इसमें करीब 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। यह बढ़ोतरी बताती है कि सरकार विकास के लिए खर्च करने को तैयार है, लेकिन सवाल यह भी है कि क्या यह खर्च टिकाऊ वित्तीय ढांचे के साथ किया जाएगा। इंफ्रास्ट्रक्चर, आईटी, निर्माण, रक्षा उत्पादन और कृषि जैसे क्षेत्रों पर सरकार का फोकस पहले से रहा है और आगे भी इन क्षेत्रों में निवेश बढ़ने की संभावना है। चुनौती यह है कि इन निवेशों से वास्तविक रोजगार और उत्पादन कैसे बढ़ाया जाए।

वैश्विक परिदृश्य भी इस बजट को खास बनाता है। अमेरिका और अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में संरक्षणवादी नीतियों का असर अंतरराष्ट्रीय व्यापार पर पड़ रहा है। टैरिफ को कूटनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की प्रवृत्ति ने निर्यात-आयात के समीकरणों को जटिल बना दिया है। भारत के लिए यह खतरा भी है और अवसर भी। अगर सही नीतियां अपनाई जाएं, तो भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर सकता है। इसके लिए बजट में निर्यात प्रोत्साहन, एमएसएमई को सस्ता कर्ज और तकनीकी उन्नयन जैसे कदम अहम हो सकते हैं।

रक्षा क्षेत्र भी इस बजट का एक महत्वपूर्ण पहलू रहेगा। बदलते वैश्विक हालात और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों को देखते हुए रक्षा बजट में बढ़ोतरी की मांग लंबे समय से हो रही है। आत्मनिर्भर रक्षा उत्पादन न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करता है, बल्कि रोजगार और तकनीकी विकास को भी बढ़ावा देता है। सरकार पहले ही इस दिशा में कई कदम उठा चुकी है, लेकिन बजट के जरिए इस रफ्तार को और तेज किया जा सकता है।

आम आदमी की नजर से देखें तो बजट की सबसे बड़ी कसौटी राहत की उम्मीदों पर टिकी है। आयकर दाताओं को टैक्स स्लैब में बदलाव या छूट की आस है, वहीं महंगाई से जूझ रहे मध्यम और गरीब वर्ग को रोजमर्रा की चीजों में राहत चाहिए। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में तेज उछाल ने ज्वेलरी उद्योग को संकट में डाल दिया है। सट्टेबाजी का बाजार गरम है और इसका असर आम उपभोक्ता पर भी पड़ रहा है। ऐसे में सरकार के सामने चुनौती है कि वह बाजार में स्थिरता लाने के उपाय करे।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी इस बजट का अहम हिस्सा होंगी। देश की बड़ी आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है और ग्रामीण मांग मजबूत हुए बिना समग्र विकास संभव नहीं है। किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई, भंडारण और मार्केटिंग व्यवस्था को सुधारने के लिए बजट में ठोस प्रावधान जरूरी हैं। इसके साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे सामाजिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाना भी दीर्घकालीन विकास के लिए अनिवार्य है।

यह बजट ऐसे समय में आ रहा है, जब भारत आशा और निराशा के एक बड़े मोड़ पर खड़ा है। चौथी अर्थव्यवस्था बनने की दौड़ पूरी हो चुकी है, लेकिन तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता अभी चुनौतीपूर्ण है। कर्ज, वैश्विक अनिश्चितताएं और घरेलू मांग की मजबूती इन सबके बीच संतुलन साधना आसान नहीं होगा। फिर भी, अगर बजट विकास, वित्तीय अनुशासन और सामाजिक न्याय के बीच सही तालमेल बैठा पाता है, तो यह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत आधार बन सकता है।

अंततः, एक अच्छा बजट वही होता है जो केवल आंकड़ों में नहीं, बल्कि आम लोगों के जीवन में बदलाव लेकर आए। यह बजट भारत की आर्थिक यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकता है, जहां उम्मीदें भी हैं और चुनौतियां भी। देश की निगाहें टिकी हैं कि सरकार इस मौके को किस तरह अवसर में बदलती है और क्या वाकई यह बजट भारत को तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर मजबूती से आगे बढ़ा पाता है।

अमेरिका का आर्थिक संकट, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरा

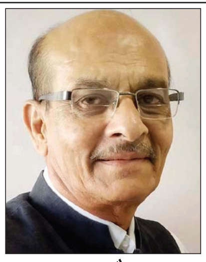

सनत जैन

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था माने जाने वाले अमेरिका की वित्तीय स्थिति गंभीर सवालों के घेरे में है। अमेरिकी ट्रेजरी से जिस तेजी के साथ विदेशी पूंजी की निकासी हो रही है, जिस अनुपात में नया निवेश नहीं आ रहा है उसने अमेरिका के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को अस्थिरता में धकेल दिया है। अमेरिकी प्रतिबंधों के डर और अमेरिका द्वारा कई देशों की संपत्तियों की जब्ती की कार्यवाही को देखते हुए दुनिया के कई देशों और निवेशकों ने अपना पैसा अमेरिका की ट्रेजरी से निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी में बांड के रूप में किए गए निवेश को अधिकांश देश निकाल रहे हैं। वैश्विक स्तर पर यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि अमेरिका में रखा उनका पैसा अब सुरक्षित नहीं है। अमेरिका पर सार्वजनिक कर्ज. 34 ट्रिलियन डॉलर पर पहुँच चुका है। पिछले वर्षों में अमेरिकी ट्रेजरी में विभिन्न देशों की सरकारों और संस्थाओं का जमा लगातार घट रहा है। एक समय अमेरिका को सुरक्षित निवेश का सबसे बड़ा ठिकाना माना जाता था। अमेरिका द्वारा रूस, अफगानिस्तान और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद उन देशों की संपत्ति और जमा राशि को जब्ती की कार्यवाही करके दुनिया के अन्य देशों के भरोसे को बड़ी चोट पहुँचाई है। नतीजतन, यूरोप, चीन, भारत सहित दर्जनों देशों ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड से दूरी बनानी शुरू कर दी है। अमेरिका और ब्रिटेन में जो सोना अन्य देशों ने जमा करके रखा था, उसे भी अब वापस लाया जा रहा है। दुनिया के कई देशों ने अमेरिकी बांड से राशि निकालकर सोने के रूप में निवेश करने का नया विकल्प तलाश लिया है। सभी देश डॉलर मुद्रा में जमा धन सोने के रूप में कन्वर्ट करके अपने देश के सेंट्रल बैंक में सुरक्षित रख रहे हैं। जिसके कारण अमेरिका की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है।

डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति, टैरिफ युद्ध, और बार-बार प्रतिबंधों की धमकी तथा मनमाने निर्णय लेने के कारण दुनिया के देशों में अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। अमेरिका की टैक्स एवं आर्थिक नीति में अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक अमेरिका की ट्रेजरी में नए बॉन्ड खरीदने से हिचक रहे हैं। अमेरिका की ट्रेजरी में बहुत बड़ी राशि के पुराने बॉन्ड की समय-सीमा पूर्ण होने जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी पर बांड में जमा राशि लौटाने का दबाव बन रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी से धन की निकासी बड़े पैमाने पर हो रही है। ट्रेजरी से जिस राशि का भुगतान किया जा रहा है, उस भुगतान की राशि का 25 फीसदी धन भी अमेरिकी ट्रेजरी में जमा नहीं हो रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी में जमा कम और निकासी अधिक होने से अमेरिका की अर्थव्यवस्था खतरनाक संकट की ओर आगे बढ़ रही है। इस संकट का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। जब अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था दबाव में आती है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ना तय है। वैश्विक विकास-दर पहले ही सुस्त पड़ चुकी है। महँगाई, ऊँची ब्याज दरें और निवेश में गिरावट के कारण दुनिया के सभी देशों में आम लोगों की क्रय शक्ति लगातार घट रही है। लोगों के पास जरूरी खर्च करने के लिए भी पर्याप्त राशि नहीं है। नागरिकों की बचत खत्म हो गई है। नागरिकों के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है, जिससे सभी देशों में मांग कमजोर हो रही है। जिसके कारण आर्थिक मंदी की आशंका गहराती जा रही है। आज दुनिया के अधिकांश देश भारी कर्ज. के बोझ में दबे हैं। यदि अमेरिका जैसी केंद्रीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में हाहाकार मचना तय है। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के हालात बने हुए हैं, वैश्विक व्यापार संधि भी टैरिफ के कारण खतरे में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से वैश्विक व्यापार संधि को नजरअंदाज करते हुए टैरिफ का नया युद्ध शुरू किया है, वह अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों के लिए नए संकट के रूप में सामने है। किसी भी देश की ताकत उसकी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति से नहीं तय की जा सकती है। ताकतवर देश के ऊपर भरोसे, स्थिरता और जिम्मेदार नीतियां उस देश को ताकतवर बनाती हैं। अमेरिका के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से विश्वास, अब अविश्वास में बदल गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब गैंगस्टर के रूप में पहचाना जा रहा है। जिसके कारण अमेरिका पर पहले जो विश्वास था, वह तेजी के साथ खत्म हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की वर्तमान नीतियों के कारण सारी दुनिया के लिए एक नई चुनौती खड़ी हो गई है। दुनिया का खोया हुआ विश्वास, अमेरिका कैसे प्राप्त करेगा, इसको लेकर तरह-तरह की आशंका दुनिया के देशों में देखने को मिल रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी सनक के कारण सारी दुनिया के देशों से न केवल दूरियां बढ़ा ली हैं, वरन अमेरिका की वित्तीय व्यवस्था को भी ऐसी स्थिति में लाकर खड़ा कर दिया है, जहां अमेरिका को अपने आप को बचाने के लिए कडा संघर्ष करना पड़ रहा है। अब देखना यह है, अमेरिका इस चुनौती का मुकाबला किस तरह से करता है। दुनिया के देशों में इसका किस हद तक असर पड़ता है।

संक्षिप्त समाचार

रवांडा में एआई तकनीक से क्लिनिक सुधार की शुरुआत

किगाली, एजेंसी। रवांडा सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आधारित तकनीक का परीक्षण शुरू करने का फैसला किया है। यह योजना गेट्स फाउंडेशन और ओपनएआई की साझेदारी से चलाई जा रही है, जिसके तहत देश के 50 से ज्यादा स्वास्थ्य क्लिनिकों में इस नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसका मकसद डॉक्टरों और नर्सों के काम को आसान बनाना और मरीजों को जल्दी व सही इलाज दिलाना है। रवांडा में एक स्वास्थ्य कर्मी पर करीब 1,000 मरीजों का बोझ है, जबकि दुनिया में आदर्श अनुपात 4 स्वास्थ्य कर्मी प्रति 1,000 मरीज माना जाता है। ऐसे में एआई तकनीक से मरीजों की जानकारी संभालने, रिपोर्ट तैयार करने और इलाज से जुड़े फैसलों में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकार का कहना है कि यह तकनीक डॉक्टरों की जगह नहीं लेगी, बल्कि उनके काम को और मजबूत बनाएगी। गेट्स फाउंडेशन और ओपनएआई ने इस परियोजना के लिए दो साल में 50 मिलियन डॉलर देने की घोषणा की है। बिल गेट्स ने कहा कि गरीब देशों में, जहां स्वास्थ्य संसाधन कम हैं, वहां एआई एक बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे इलाज तक लोगों की पहुंच बढ़ेगी और स्वास्थ्य असमानता कम होगी। हालांकि कुछ विशेषज्ञों को चिंता है कि यह तकनीक अंग्रेजी भाषा पर आधारित है, जबकि रवांडा में अधिकतर लोग किन्यारवांडा भाषा बोलते हैं। डिजिटल विशेषज्ञ ऑडासे नियोंकुरु ने कहा कि अगर एआई स्थानीय भाषा में काम नहीं करेगा तो इलाज में दिक्कतें आ सकती हैं। सरकार और तकनीकी कंपनियां अब इसे किन्यारवांडा भाषा में विकसित करने पर काम कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन का बड़ा फैसला, विदेशी सहायता पर सख्ती और बढ़ेगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने विदेशी सहायता से जुड़े नियमों को और सख्त करने का फैसला किया है। अब अमेरिका उन संस्थाओं को भी मदद नहीं देगा जो गर्भपात सेवाओं के साथ-साथ जेंडर आइडेंटिटी या डीईआई (डायवर्सिटी, इक्विटी और इन्क्लूजन) कार्यक्रमों को बढ़ावा देती हैं। पहले यह रोक केवल गर्भपात से जुड़ी सेवाओं तक सीमित थी। इस नीति को मेक्सिको सिटी पॉलिसी कहा जाता है, जिसे सबसे पहले राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने लागू किया था। ट्रंप प्रशासन ने इसके दायरे को और बढ़ा दिया है। नए नियमों से करीब 30 अरब डॉलर की विदेशी सहायता प्रभावित हो सकती है, जो अंतरराष्ट्रीय संगठनों और एजेंसियों को दी जाती है। मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले की कड़ी आलोचना की है। उनका कहना है कि इससे दुनिया के गरीब देशों में महिलाओं और जरूरतमंद लोगों को मिलने वाली जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होंगी। ह्यूमन राइट्स कैंपेन की अध्यक्ष ने कहा कि यह फैसला राजनीति को इंसानी जीवन से ऊपर रखता है। हालांकि ट्रंप प्रशासन का कहना है कि अमेरिकी टैक्सपेयर्स के पैसे का इस्तेमाल उन नीतियों पर नहीं होना चाहिए जो उनकी विचारधारा के खिलाफ हैं।

दक्षिण अफ्रीका में स्कूल बस हादसा, मौत का आंकड़ा 14 पहुंचा

गाउतेंग, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के गाउतेंग प्रांत में हुए दर्दनाक स्कूल बस हादसे में मरने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। गुरुवार को दो किशोर छात्राओं की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। यह हादसा सोमवार सुबह उस समय हुआ था जब एक निजी मिनीबस 16 छात्रों को स्कूल छोड़ने जा रही थी और उसकी एक ट्रक से टक्कर हो गई थी। हादसे में मौके पर ही 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इसके अलावा बस चालक और ट्रक में बैठे एक यात्री सहित कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। कुछ घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन अब भी दो बच्चे अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि मृतक छात्राएं काफी गंभीर हालत में थीं और उन्हें बचाया नहीं जा सका। इस मामले में बस चालक अयांडा दलदला पर पहले लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया गया था।

अमेरिका में भीषण बर्फीले तूफान की चेतावनी, करोड़ों लोग अलर्ट पर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के कई राज्यों में एक बेहद खतरनाक बर्फीला तूफान आने की चेतावनी दी गई है। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक करीब 10 करोड़ लोग किसी न किसी तरह की मौसम चेतावनी के दायरे में हैं। यह तूफान न्यू मैक्सिको से लेकर कैरोलाइना तक और फिर पूर्वी तट के बड़े शहरों तक असर डाल सकता है। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में आधा इंच तक बर्फ जम सकती है, जिससे पेड़ गिरने, बिजली के खंभे टूटने और लंबे समय तक बिजली गुल रहने का खतरा है। वॉशिंगटन डीसी, न्यूयॉर्क और बोस्टन जैसे शहरों में एक फुट तक बर्फ गिरने की आशंका जताई गई है। तूफान के कारण हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हो सकती हैं और सड़कों पर यात्रा बेहद खतरनाक हो जाएगी।

77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया जी का जनता के नाम संदेश

प्यारे पंजाब वासियो,

आज 26 जनवरी के पावन अवसर पर मैं आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई देता हूँ। इसी दिन हमारा संविधान लागू हुआ और भारत एक संप्रभु, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य बना। इस अवसर पर मैं वीरों, गुरुओं और संतों की धरती पंजाब को नमन करता हूँ तथा उन सैनिक परिवारों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करता हूँ, जिनके वीर सपूतों ने मातृभूमि की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान दिए। आज हम उन महान स्वतंत्रता सेनानियों को भी स्मरण करते हैं, जिनके त्याग से हमें आज़ादी मिली। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, सरदार वल्लभभाई पटेल, पंडित जवाहरलाल नेहरू, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद सहित असंख्य देशवासियों ने भारत को स्वतंत्रता दिलाने में अमूल्य योगदान दिया। मैं शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आज़ाद, करतार सिंह सराभा, मदन लाल ढींगरा, लाला लाजपत राय और गदरी बाबों सहित सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ, जिनकी कुर्बानियाँ हमारे इतिहास के स्वर्णिम अध्याय हैं। आज हम संविधान सभा के सदस्यों और विशेष रूप से डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर को भी नमन करते हैं, जिनके नेतृत्व में हमें एक सशक्त संविधान प्राप्त हुआ। साथ ही, लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को स्मरण करते हुए उनके द्वारा 562 रियासतों के एकीकरण के माध्यम से भारत को अखंड स्वरूप देने के महान कार्य को श्रद्धापूर्वक नमन करता हूँ।

प्यारे पंजाब वासियो,

पंजाब देश का एक गौरवशाली और प्रेरणास्रोत राज्य है, जिसने अपनी बहादुरी, परिश्रम और समृद्ध विरासत से भारत को सदैव दिशा दी है। यह भूमि न केवल देश की खाद्य सुरक्षा की रीढ़ रही है, बल्कि कृषि, उद्योग और उद्यमिता में भी अग्रणी रही है। सीमाओं की रक्षा से लेकर राष्ट्रनिर्माण तक पंजाबियों की भूमिका अनुकरणीय रही है। हाल की भीषण बाढ़ के दौरान भी पंजाब के लोगों ने साहस, सहयोग और सेवा-भाव से यह सिद्ध किया कि कठिन परिस्थितियों में भी पंजाब पूरे देश के लिए प्रेरणा बन सकता है। प्रदेश सरकार लोक सेवा और पारदर्शी शासन के मंत्र पर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 'मुख्यमंत्री सेहत योजना' के अंतर्गत जनवरी 2026 से हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। राज्य में 881 आम आदमी क्लीनिक और 356 हाई-टेक एंबुलेंस कार्यरत हैं। जुलाई 2022 से लगभग 90त्न घरों को मुफ्त बिजली मिल रही है तथा ट्यूबवेलों को 8 घंटे से अधिक निर्बाध बिजली दी जा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में 'पंजाब शिक्षा क्रांति' के तहत 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस स्थापित किए गए हैं। शिक्षकों को फिनलैंड और सिंगापुर में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बेटियों के लिए 230 से अधिक वाहनों से परिवहन सुविधा उपलब्ध कराई गई है। पंजाब ने नेशनल अचीवमेंट सर्वे 2024 में पहला स्थान प्राप्त किया। सरकारी स्कूलों के 265 विद्यार्थियों ने छ्वश्वश्व स्ब्रुद्बठ्ठ्ठ्य, 45 ने छ्वश्वश्व ्रस्त्र1ड्डठ्ठष्द्गस्र और 847 ने ह्श्वश्वञ्ज उत्तीर्ण किया है। 'ग्रामीण लाइब्रेरी स्कीम' के तहत 275 आधुनिक पुस्तकालय स्थापित किए गए हैं और 63 हजार से अधिक सरकारी नौकरियाँ प्रदान की गई हैं। कृषि और आधारभूत ढांचा पंजाब की रीढ़ है। नहरी सिंचाई 21त्न से बढ़कर 72त्न हो गई है। 2300 करोड़ रुपये की लागत से 150 किमी लंबी मालवा नहर का निर्माण ऐतिहासिक कदम है। धान की सीधी बिजाई पर ?1500 प्रति एकड़ प्रोत्साहन और पराली मशीनों पर 80त्न तक सब्सिडी दी जा रही है। 2022 से अब तक 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे 5 लाख से अधिक रोजगार सृजित होंगे। पंजाब को ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 'टॉप अचीवर' का दर्जा मिला है। 19 हजार किमी लिंक सड़कों का नवीनीकरण जारी है। 'ईज़ी रजिस्ट्री' से जुलाईङ्क्षदिसंबर 2025 के बीच 3.7 लाख से अधिक रजिस्ट्रियाँ हुईं। सड़क सुरक्षा बल, भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस नीति और शहीद जवानों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये की सहायता जन-सुरक्षा और सम्मान का प्रतीक है। राज्य में बाढ़ के बावजूद 156 लाख मीट्रिक टन धान की खरीद हुई और 37 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। गन्ने का 416 रुपये प्रति क्विंटल मूल्य देश में सर्वाधिक है। राज्य सरकार द्वारा श्री गुरु तेग बहादुर जी का 350वाँ शहीदी दिवस अत्यंत श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री आनंदपुर साहिब में पंजाब विधानसभा का विशेष सत्र आयोजित कर गुरु साहिब के महान जीवन, बलिदान और शिक्षाओं पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, सिख तख्त साहिबानों से जुड़े श्री अमृतसर साहिब, श्री आनंदपुर साहिब और तलवंडी साबो को पवित्र नगर का दर्जा प्रदान किया गया। 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के तहत 17 जनवरी 2026 तक व्यापक कार्रवाई दौरान 31,441 मामले दर्ज हुए और 45,137 तस्कर गिरफ्तार किए गए। 1,962 किलोग्राम हेरोइन, 28 टन भुक्की और 15.47 करोड़ रुपये की ड्रग मनी जब्त की गई। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर 498 ड्रोन गतिविधियाँ पकड़ी गईं, 256 ड्रोन बरामद हुए और 299 करोड़ रुपये की संपत्ति ज़ब्त की गई। ड्रोन तस्करी पर रोक के लिए तीन बाज़ आँख एंटी-ड्रोन सिस्टम स्थापित किए गए हैं।

अदालतों में 6,040 मामलों की सुनवाई हुई, जिनमें 5,317 मामलों में सजा देकर 88 प्रतिशत सजा दर हासिल की गई। साथ ही, राज्यभर में 50,433 नशा विरोधी जागरूकता बैठकें आयोजित की गईं। युवाओं को खेलों से जोड़ने हेतु 3,083 ग्रामीण खेल मैदान विकसित किए जा रहे हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इन प्रयासों से पंजाब शीघ्र ही नशे की समस्या से मुक्त होकर अपने युवाओं को स्वस्थ, सशक्त और उज्ज्वल भविष्य की ओर ले जाएगा और रंगला पंजाब की गौरवशाली पहचान पुनः स्थापित करेगा। देश की बात करें तो आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, एक प्रभावशाली वैश्विक शक्ति और विकासशील राष्ट्रों के लिए प्रेरणा बन चुका है। भारत आज विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम है, जहाँ 1.94 लाख से अधिक स्टार्ट-अप सक्रिय हैं और 76 हजार से अधिक में महिला निदेशक हैं। रक्षा क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भरता की नई ऊँचाइयों पर है। 2024-25 में रक्षा उत्पादन 1.51 लाख करोड़ रुपये और निर्यात 23,622 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा है, तथा लगभग 65 प्रतिशत रक्षा उपकरण देश में ही बन रहे हैं। चंद्रयान-3, आदित्य-एल1, स्पेडेक्स और जैविक प्रयोगों ने भारत को अग्रणी अंतरिक्ष राष्ट्र बनाया है। 'इंडिया एआई मिशन' के तहत 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश हुआ है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में 10 इकाइयाँ प्रस्तावित हैं, जिनमें एक मोहाली में है। खेलों में 2025 ऐतिहासिक रहा—पुरुष क्रिकेट टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी, महिला टीम ने पहला विश्व कप जीता और भारत ने अनेक अंतरराष्ट्रीय पदक प्राप्त किए। 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेज़बानी अहमदाबाद को मिलना भारत की खेल-क्षमता का प्रमाण है। कृषि में 2024-25 में 357 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन का रिकॉर्ड बना। डिजिटल खेती और किसान-केंद्रित योजनाओं से किसान सशक्त हो रहे हैं। महिला सशक्तिकरण हेतु 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', 'लखपति दीदी', 'मुद्रा' और 'मिशन शक्ति' जैसे कार्यक्रम प्रभावी रहे हैं। जीएसटी सुधारों से कर प्रणाली सरल हुई है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 1 लाख से अधिक नई मेडिकल सीटें जुड़ी हैं और 800 से अधिक मेडिकल कॉलेज हो चुके हैं। शिक्षा में भारत तीसरा सबसे बड़ा उच्च शिक्षा तंत्र बन चुका है, जहाँ 1,338 विश्वविद्यालय और 52 हजार से अधिक कॉलेज हैं। सांस्कृतिक क्षेत्र में राम मंदिर शिखर ध्वजारोहण, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व और श्री गुरु ते? बहादुर जी का 350वाँ शहीदी दिवस राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बने। पहलगाम हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन महादेव' ने आतंकवाद के विरुद्ध भारत की निर्णायक नीति स्पष्ट की। समग्र रूप से आज का भारत आत्मनिर्भर, तकनीकी रूप से सशक्त, सांस्कृतिक रूप से जागृत और वैश्विक मंच पर निर्णायक राष्ट्र के रूप में स्थापित हो चुका है।

प्यारे पंजाब वासियो,

आज का पंजाब परंपरा और प्रगति का सशक्त संगम है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि अपने परिश्रमी किसानों, कर्मठ श्रमिकों, प्रतिभाशाली युवाओं और प्रतिबद्ध प्रशासन के सहयोग से पंजाब विकसित भारत के निर्माण में और अधिक प्रभावी भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर मैं विशेष रूप से युवाओं से आह्वान करता हूँ कि वे नशे के विरुद्ध जन-आंदोलन का नेतृत्व करें और अपने जीवन को शिक्षा, कौशल, खेल, उद्यमिता और सेवा की दिशा में आगे बढ़ाएँ। एक सजग, स्वस्थ और आत्मनिर्भर युवा ही पंजाब की सबसे बड़ी शक्ति है। इस गणतंत्र दिवस पर आइए संकल्प लें कि हम भारत को विकसित, सशक्त, आत्मनिर्भर और समावेशी राष्ट्र बनाने में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देंगे। विकसित भारत केवल लक्ष्य नहीं, बल्कि हमारी साझा राष्ट्रीय चेतना है। इन्हीं भावनाओं के साथ एक बार फिर आप सभी को 77वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

जय हिंद!
जय भारत!

पंजाबियों को अधिक अधिकार, 'रंगले पंजाब' की ओर बढ़ते कदम

प्रथम पृष्ठ का शेष

नौकरियाँ और रोजगार

योग्य उम्मीदवारों को योग्यता के आधार पर सरकारी नौकरियाँ प्रदान करने के प्रयासों को जारी रखते हुए मेरी सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता और दक्षता सुनिश्चित की है। अब तक पंजाब के युवाओं को पूर्णतः योग्यता के आधार पर 63,027 नियमित नौकरियाँ प्रदान की जा चुकी हैं। इससे युवा पंजाब के सामाजिक-आर्थिक विकास में सक्रिय भागीदार बने हैं।

भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता नीति

जैसा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने पद संभालते समय वादा किया था, उसी के अनुरूप राज्य में भ्रष्टाचार के उन्मूलन के लिए ते?ी से अभियान जारी रखा गया है। राज्य सरकार ने भ्रष्टाचार विरोधी हेल्पलाइन नंबर 9501200200 शुरू किया है। यदि कोई रिश्वत मांगता है तो कोई भी व्यक्ति इस नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के लिए मेरी सरकार ने भ्रष्टाचार के प्रति बिल्कुल भी सहनशीलता न रखने की नीति अपनाई है। विजिलेंस ब्यूरो, पंजाब ने रिश्वत लेते रंगे हाथों पक? गए राजपत्रित अधिकारियों, गैर-राजपत्रित अधिकारियों और निजी व्यक्तियों के विरुद्ध मामले दर्ज किए हैं।

सड़क सुरक्षा बल

राज्य सरकार ने देश में अपनी तरह की एक अनूठी पहल के तहत समर्पित स?क सुरक्षा बल की शुरुआत की है, जिसका उद्देश्य राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरक्षा सुनिश्चित करना और बहुमूल्य जानें बचाना है। विशेष रूप से प्रशिक्षित 1,597 नए भर्ती कर्मी इस बल की री? हैं, जिन्हें अत्याधुनिक और पूर्ण रूप से सुसज्जित 144 वाहन उपलब्ध कराए गए हैं। पिछले वर्ष फरवरी में शुरुआत के बाद से इस बल ने स?क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को 50.07 प्रतिशत तक कम किया है तथा दुर्घटनाओं में घायल लोगों का कीमती सामान और धन भी वापस किया है। यह बल 4,200 किलोमीटर हाइवे पर तैनात है और दुर्घटना-संवेदनशील चिन्हित क्षेत्रों में गश्त करने के साथ-साथ यातायात उल्लंघनों की रोकथाम में भी सक्रिय भूमिका निभा रहा है।

फरिश्ते योजना

पंजाब सरकार ने स?क हादसों के पी?ितों की जान बचाने और आम लोगों को पी?ितों की मदद के लिए प्रोत्साहित करने हेतु ?रिश्ते योजना शुरू की है। राज्य सरकार ऐसे नेक कार्य करने वाले व्यक्तियों की सराहना के रूप में 2000 रुपये का वित्तीय इनाम देगी। वित्तीय इनाम के अतिरिक्त, ऐसे व्यक्तियों को एक प्रमाण पत्र भी जारी किया जाएगा तथा उन्हें कानूनी जटिलताओं और पुलिस पूछताछ से छूट दी गई है।

कानून व्यवस्था

सीमावर्ती राज्य होने के बावजूद पंजाब देश में शांति और प्रगति के केंद्र के रूप में उभरा है। इस दिशा में पंजाब पुलिस ने ऑपरेशन कासो (सी.ए.एस.ओ.) के रूप में कई पहलें शुरू की हैं। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और पी.जी.डी. पोर्टल की शुरुआत ने भी पंजाब में अपराध रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने राज्य और देश के अन्य हिस्सों में गैंगस्टरों और अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई का नेतृत्व किया है, जिससे कई वांछित गैंगस्टरों और अपराधियों की गिरफ्तारी हुई है। इसके साथ ही हथियारों और गोला-बारूद की ब?ी मात्रा में बरामदगी तथा विभिन्न गैंगस्टर मॉड्यूलों का पर्दाफाश किया गया है।

शहीदों के वारिसों को एक करोड़ रुपये

देश की एकता और अखंडता की रक्षा में सशस्त्र सेनाओं, अर्धसैनिक बलों, पुलिस तथा अग्निवीर जवानों के अतुलनीय योगदान को सम्मान देते हुए, राज्य सरकार ड्यूटी के दौरान शहीद होने की स्थिति में उनके परिवार को एक करो? रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह सहायता देश के लिए दी गई सर्वोच्च बलिदान के सम्मान स्वरूप दी जाती है। राज्य सरकार की यह विनम्र पहल देश की एकता, अखंडता और संप्रभुता की रक्षा के लिए महान शहीदों के अमूल्य योगदान को श्रद्धांजलि है। राज्य सरकार ने किसानों की फसल के मंडियों में पहुंचते ही सुगम, सुव्यवस्थित और निर्बाध खरीद तथा लिफ्टिंग के लिए नया मानदंड स्थापित किया है। किसानों की फसल को अनाज मंडियों से सुचारु, समयबद्ध और बिना किसी परेशानी के उठाया जाता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अन्नदाता को अपनी फसल बेचते समय किसी भी प्रकार की समस्या का सामना न करना प?। एक अन्य पहल के तहत, पहले केवल आठ घंटे की बिजली आपूर्ति के स्थान पर अब किसानों को पूरे दिन नियमित और निर्बाध बिजली आपूर्ति दी जा रही है।

खेल नीति

पंजाब सरकार ने खेलों के क्षेत्र में पंजाब की प्रतिष्ठा को पुनः स्थापित करने के लिए वर्ष 2023 में राज्य की नई खेल नीति अधिसूचित की। इस नई खेल नीति के तहत पहली बार एशियाई और ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित खिला?ियों को ब?ी धनराशि प्रदान की गई है। पहली बार पंजाब के खिला?ियों ने एशियाई खेलों में 20 पदक जीते, जो 1951 में एशियाई खेलों की शुरुआत के बाद से अब तक का सर्वाधिक आंक?ा है। उन्हें बिना किसी देरी के 29.25 करो? रुपये की नकद पुरस्कार राशि दी गई। राज्य के खिला?ियों ने पेरिस ओलंपिक में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, जो इस नई खेल नीति का परिणाम है।

जय हिंद!

डोनाल्ड ट्रंप के दामाद संग रात भर चली पुतिन की मीटिंग, जेलेंस्की बोले- हम तो रूस की दया पर हैं

मॉस्को, एजेंसी। वैश्विक राजनीति में इन दिनों हलचल तेज है। एक तरफ दावोस में डोनाल्ड ट्रंप ने बोर्ड ऑफ पीस के गठन का ऐलान किया तो वहीं रूस की राजधानी मॉस्को में पूरी रात वार्ता चलती रही। लंबे समय बाद अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और डोनाल्ड ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर रातभर रूस के राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन में रहे। यहां पर यूक्रेन के साथ 4 सालों से चली आ रही जंग खत्म करने को लेकर मीटिंग हुई। इस दौरान व्लादिमीर पुतिन भी मौजूद थे और उन्होंने साफ कर दिया कि यह समझौता तभी संभव है, जब उसके कब्जे वाले इलाकों को मान्यता दी जाए और वहां से यूक्रेन अपना किनारा कर ले। हालांकि यूक्रेन के

लिए ऐसा स्वीकार करना आसान नहीं होगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ऐसा कई बार कह चुके हैं कि हम अपने इलाके नहीं छोड़ेंगे। यह मीटिंग ऐसे समय में हुई है, जब गुरुवार को ही वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा था कि रूस के हमले के जवाब में यूरोप या अमेरिका से हमें मदद नहीं मिल रही है। उनका कहना था कि हालात ऐसे हैं कि हमें व्लादिमीर पुतिन की दया पर छोड़ दिया गया है। क्रेमलिन के विदेश मामलों के सलाहकार यूरी उशाकोव ने कहा कि हमने मीटिंग में साफ कर दिया है कि जो इलाके रूस के नियंत्रण में हैं, उन्हें मान्यता दी जाए। वहीं यूक्रेन को इससे सख्त आपत्ति है। जेलेंस्की का कहना है कि पूर्वी यूक्रेन के इलाकों पर रूस का अवैध कब्जा है और हम इसे स्वीकार नहीं करते। पुतिन बोर्ड ऑफ पीस के लिए भी तैयार, मदद भी देंगे जेलेंस्की ने गुरुवार को दावोस में डोनाल्ड ट्रंप से मीटिंग के दौरान भी कहा था कि पूर्वी यूक्रेन के बड़े हिस्से पर रूस ने कब्जा जमा रखा है। इसका मसला अभी हल नहीं हुआ है और शांति प्रस्ताव लगभग तैयार है। इस बीच शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात में एक मीटिंग होनी है। इसमें रूस, यूक्रेन और अमेरिका के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इस मीटिंग में गाजा को लेकर बने बोर्ड ऑफ पीस पर भी बात हुई। व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि हम इसके लिए तैयार हैं और एक अरब डॉलर की रकम भी देंगे। उन्होंने कहा कि यह रकम उन संपत्तियों से ले ली जाए, जो रूस की हैं और उन्हें अमेरिका ने सीज कर रखा है।

अमेरिकी धरती पर रामायण की गूंज : मैरीलैंड के प्रतिनिधियों ने देखी विशेष प्रदर्शनी

एनापोलिस, एजेंसी। एशिया और उससे आगे रामायण के प्रसार पर आधारित एक दिवसीय प्रदर्शनी अमेरिका के मैरीलैंड स्टेट असेंबली बिल्डिंग में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में स्टेट लॉ मेकर, राजनयिक और समाज के कई प्रमुख लोग शामिल हुए। यह आयोजन एनापोलिस परिसर में हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग इसे देखने पहुंचे। कार्यक्रम में मैरीलैंड के कई प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। प्रतिनिधि वू चाओ ने कहा कि यह प्रदर्शनी दिखाती है कि संस्कृति कैसे अलग-अलग देशों और पृष्ठभूमियों के लोगों को जोड़ती है। उनके अनुसार ऐसी सांस्कृतिक पहल लोगों के बीच समझ बढ़ाती है और राजनीति में दिखने वाले मतभेदों को कम करने का काम करती है। चाओ ने कहा, 'यह एक ऐसी संस्कृति है जो लोगों को जोड़ती है और विविधता प्रदान करती है और वास्तव में विभिन्न पृष्ठभूमियों के बीच समझ को बढ़ाती है।' प्रतिनिधि हैरी भंडारी ने रामायण की नैतिक शिक्षाओं पर बात करते हुए कहा कि यह केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं है, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला मार्गदर्शक है। उन्होंने बताया कि रामायण हमें चरित्र, त्याग, पारिवारिक मूल्यों, विनम्रता और अहंकार से बचने की सीख देती है। आज के समय में, जब समाज कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है, ये शिक्षाएं और भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं।

प्रतिनिधि माइक रोजर सेना में रह चुके हैं और एशिया के कई देशों की यात्रा कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रदर्शनी ने उनके अनुभवों की याद दिला दी। उनके अनुसार, 'हमारे बीच मतभेदों की तुलना में अधिक समानताएं हैं। साझा

परंपराओं को समझने से आपसी सम्मान बढ़ता है और दुनिया बेहतर बनती है। नेपाल दूतावास की अरुणा घिसिंग ने कहा कि इस प्रदर्शनी ने उन्हें बचपन की यादें ताजा करा दीं, जब वे रामायण के धारावाहिक देखा करती थीं। उन्होंने बताया कि यह जानकर उन्हें आश्चर्य हुआ कि रामायण का संबंध गुयाना जैसे दूर देशों से भी है। उन्होंने इस आयोजन को सुंदर सांस्कृतिक उत्सव बताया और भविष्य में सहयोग की इच्छा भी जताई। आयोजकों ने कहा कि प्रदर्शनी जानबूझकर राज्य विधायिका के अंदर रखी गई थी, ताकि नीति-निर्माता और कर्मचारी रामायण की व्यापक एशियाई सभ्यतागत पृष्ठभूमि को समझ सकें। हिंदूएक्शन से जुड़े उत्सव चक्रवर्ती ने बताया कि मैरीलैंड में बड़ी संख्या में हिंदू समुदाय के लोग रहते हैं, साथ ही थाई, वियतनामी, कंबोडियाई और फिलिपीन समुदाय भी यहां बड़ी संख्या में हैं। उन्होंने कहा कि कई विधायकों को उन देशों में हिंदू इतिहास के बारे में सीमित जानकारी है जहां अब हिंदू बहुमत में नहीं हैं, जैसे कि मलेशिया, इंडोनेशिया या फिलीपींस।इस प्रदर्शनी को मैरीलैंड लाने में डॉक्टर विद्या सत्यामूर्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने बताया कि इससे पहले यह प्रदर्शनी अमेरिकी कैपिटल और ओहियो स्टेट कैपिटल में लग चुकी थी।

अमेरिका ने डब्ल्यूएचओ से तोड़ा नाता, कोविड विफलताओं का लगाया आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने औपचारिक रूप से विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अपनी सदस्यता खत्म कर दी है। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहले दिन किए गए वादे को पूरा करने के तहत लिया गया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो और स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्री रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर ने एक संयुक्त बयान में बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा हस्ताक्षरित एक कार्यकारी आदेश के जरिए यह वापसी लागू की गई। इस फैसले का उद्देश्य अमेरिका को डब्ल्यूएचओ की 'पाबंदियों' से मुक्त करना और कोविड-19 महामारी के दौरान हुई विफलताओं से हुए नुकसान की भरपाई करना है। बयान में कहा गया, 'आज अमेरिका ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से खुद को अलग कर लिया है, जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले दिन वादा किया था। यह कदम कोविड-19 के दौरान डब्ल्यूएचओ की नाकामियों के जवाब में उठाया गया है, जिनका खामियाजा अमेरिकी जनता को भुगतना पड़ा।'

प्रशासन ने डब्ल्यूएचओ पर अपने मूल उद्देश्य से भटकने और अमेरिकी हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। बयान में कहा गया कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य और सबसे बड़ा वित्तीय योगदानकर्ता रहा है, इसके बावजूद संगठन ने अमेरिका के हितों की अनदेखी की। ट्रंप प्रशासन का दावा है कि डब्ल्यूएचओ ने राजनीतिक

और नौकरशाही एजेंडे को अपनाया, जो उन देशों से प्रभावित था जो अमेरिका के विरोधी हैं। साथ ही, महामारी के दौरान समय पर और सटीक जानकारी साझा करने में संगठन असफल रहा। बयान में यह भी कहा गया कि इन विफलताओं की वजह से अमेरिकी लोगों की जान जा सकती थी और बाद में इन गलतियों को 'जन स्वास्थ्य के हित' के नाम पर छिपाया गया। प्रशासन ने यह भी आरोप लगाया कि अमेरिका के बाहर निकलने के फैसले के बाद डब्ल्यूएचओ का व्यवहार अपमानजनक रहा। कहा गया कि संगठन ने अपने मुख्यालय में लगा अमेरिकी झंडा सौंपने से इनकार कर दिया और यह दावा किया कि उसने अमेरिका की वापसी को मंजूरी नहीं दी है। संयुक्त बयान में कहा गया, 'हमारे संस्थापक सदस्य और सबसे बड़े समर्थक होने के बावजूद, अंतिम दिन तक अमेरिका का अपमान जारी रहा।' अमेरिकी सरकार ने साफ किया कि अब डब्ल्यूएचओ के साथ उसका संपर्क केवल वापसी की प्रक्रिया पूरी करने और अमेरिकी नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा की रक्षा तक सीमित रहेगा। डब्ल्यूएचओ से जुड़ी सभी अमेरिकी फंडिंग और स्टाफिंग तुरंत समाप्त कर दी गई है।

प्रशासन ने कहा कि अमेरिका अब वैश्विक स्वास्थ्य प्रयासों का नेतृत्व सीधे देशों के साथ द्विपक्षीय साझेदारी और भरोसेमंद स्वास्थ्य संस्थानों के जरिए करेगा। बयान में डब्ल्यूएचओ को भारी-भरकम और अक्षम नौकरशाही बताया गया। ट्रंप प्रशासन ने कहा कि यह फैसला उन अमेरिकियों को सम्मान देने के लिए लिया गया है जिन्होंने महामारी में अपनों को खोया, खासकर नर्सिंग होम में मरे बुजुर्गों और उन कारोबारियों को, जिन्हें कोविड प्रतिबंधों से भारी नुकसान हुआ। बता दें कि अमेरिका 1948 में डब्ल्यूएचओ का संस्थापक सदस्य बना था और लंबे समय तक इसका सबसे बड़ा डोनर रहा है।

नजरअंदाज न करें बांहों के सौंदर्य को

आजकल छोटी बांहों वाले या स्लीवलेस ब्लाउज का फैशन जोरों पर है। बदलते फैशन को अपनाना तो हर स्त्री चाहती है पर अपने चेहरे के अलावा वह प्राय: अपनी बांहों और हाथों के सौंदर्य को नजरअंदाज कर देती है। काली खुरदरी कोहनियां, बांहों के ऊपरी भाग पर से लटकती ढीली त्वचा आपकी लापरवाही की कहानी बयान कर ही देती हैं। बदलते फैशन को अपनाने के लिए अपनी बांहों को सुंदर-सुगठित बनाना आवश्यक है। साथ ही कोहनियों की नियमित देखभाल करें ताकि वे साफ-सुथरी व चिकनी नजर आएं। साथ ही अंडरआऐर्म्स की सफाई पर भी बराबर नजर रखें ताकि आप भी फैशन की दुनिया में उचित स्थान पा सकें।

बनें सुंदर चिकने हाथ

यदि आप चाहती है कि आपके हाथ साफ-सुथरे व चिकने दिखें, साथ ही वे सुडौल व सुगठित भी लगें, ताकि आप छोटी बांहों वाली ड्रेस व स्लीवलेस ब्लाउज बिना किसी हिचकिचाहट के पहन सकें, तो नीचे बताए गए उपायों को अपनाएं।

हाथ साफ-सुथरे व चिकने दिखें इसके लिए प्राय: स्त्रियां वैक्सिंग का सहारा लेती हैं, लेकिन वैक्सिंग नियमित रूप से करानी आवश्यक होती है। हममें से अमूमन स्त्रियां अवसर विशेष के लिए तो हाथों के सौंदर्य पर ध्यान दे देती हैं, लेकिन उसके बाद फिर लापरवाह हो जाती हैं। वैक्सिंग पिग्मेंटेशन व टैनिंग जैसी समस्याओं का कारण भी बनती है। इस समस्या से बचने के लिए एक्सप्रेशन ब्यूटी क्लीनिक की ब्यूटी एक्सपर्ट सिम्मी घई कहती हैं कि ऐसे में हाथों को सूरज की अल्ट्रॉवायलेट किरणों से बचाना चाहिए। इसके लिए बाहर निकलते वक्त चेहरे, गर्दन के साथ-साथ हाथों और पैरों पर भी सनस्क्रीन लगानी चाहिए। इसी तरह यदि आप ड्राइविंग कर रही हैं तो बहुत जरूरी है कि आप फुलस्लीव की ड्रेस या ब्लाउज पहनें या फुलआर्म दास्ताने प्रयोग करें। अंडरआर्म में कालापन प्रतीत न हो इसके लिए लेजर हेयर रिमूवल ही अधिक उचित उपाय है। साथ ही बांहों को भी साफ रखें। जिस तरह आप अपना चेहरा साफ करती हैं, उसी तरह उन्हें भी साफ करें। चूंकि बांहों की त्वचा अपेक्षाकृत कम मुलायम होती है, अत: इन पर साबुन का प्रयोग भी कम करें तो बेहतर होगा।

यदि आप पार्लर में जाकर वैक्सिंग करवा रही हैं तो वहां की स्वच्छता के बारे में पूरी जांच कर लें, जिससे किसी तरह के इन्फेक्शन का अंदेशा न रहे और वैक्सिंग करवाने के बाद एसपीएफ 15 का सनस्क्रीन लोशन अवश्य प्रयोग करें। यदि सनस्क्रीन लोशन लगाने के बाद भी पिगमेंटेशन की समस्या हो तो ग्लाईसोलिक पील का प्रयोग बहुत लाभदायक होता है। बांहों को जितना अधिक सूर्य के तेज प्रकाश से बचा कर रखेंगी, झुर्रियां उतनी ही देर से दिखाई देंगी।

टोनिंग के लिए

हाथों की संपूर्ण टोनिंग के लिए हलके वेट वाले डंबल का प्रयोग करें। रोजाना सुबह आप 20-25 बार डंबल्स से हाथों की एक्सरसाइज करें। धीरे-धीरे वजन भी बढा सकती हैं और संख्या भी। बाद में इसे 35-40 बार तक करें। सूर्य नमस्कार भी बांहों की टोनिंग में लाभकारी है इसे कम से कम 2-3 बार हर रोज करें। साथ ही इसके लिए नीचे बताए जा रहे तरीकों से एक्सरसाइज भी करें -

- किसी समतल जगह पर आराम से बैठें। सीधी बांह ऊपर उठा कर बायीं तरफ धीरे-धीरे जितना अधिक मोड सकती हैं मोडें, फिर पूर्वस्थिति में आ जाएं। इसी तरह दूसरी बांह से करें। प्रत्येक बांह से कम से कम 8-10 तक करें धीरे-धीरे संख्या बढाती जाएं।
- सीधे खडी हो जाएं। दोनों बांहों को कोहनी से मोड कर बारी-बारी से पीठ का पिछला भाग छुएं। ऐसा कम से कम 50-60 बार करें। नियमित ऐसा करने से बांहों की त्वचा में कसाव आता है।
- यदि तैरना जानती हैं तो सर्वोत्तम हैं। तैराकी से बांहों का बहुत अच्छा व्यायाम हो जाता है। बांहों की गठन सुडौल होती है और बांहें मजबूत भी होती हैं।
- यदि इसके बावजूद भी आपकी बांहें सुडौल नहीं हो पा रही हैं तो आप आधुनिक तकनीक जिसे मेटटोथेरैपी कहते हैं, का सहारा ले सकती हैं। इस तकनीक में कुछ खास दवाओं को इंजेक्शन के द्वारा उसी स्थान पर लगाया जाता है, जहां जरूरत हो। इससे उस स्थान से फैट सेल परिवर्तित हो जाते हैं।

घरेलू नुसखे भी उपयोगी

बांहों के सौंदर्य में कोहनियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कोहनियों के काले व खुरदुरेपन को ऐसे दूर करें-

काली कोहनियों के लिए : 2 टी स्पून नीबू के रस में 2-3 टी स्पून चीनी, 1/2 टी स्पून ग्लिसरीन मिलाएं। फिर आधा कटे नीबू को उसमें डुबोकर कोहनियों पर रगडें। 10 मिनट तक लगा रहने दे फिर धो दें। ऐसा 4-5 दिन लगातार करें और फर्क देखें।

बांहों को सुडौल बनाने के लिए : 4 टी स्पून चावल के आटे में 4 टी स्पून संतरे के छिलके का पाउडर, 4 टी स्पून नीबू के छिलके का पाउडर, 2 टी स्पून मुल्तानी मिट्टी, थोडा सा दूध डालकर पेस्ट तैयार करें। फिर उसे कोहनियों पर और हाथों पर लगाकर सूखने दें। जब सूख जाए तो हाथ में थोडा सा दूध डालकर गीला करें और रगडकर छुडाएं। ऐसा एक महीने लगातार करने पर बांहें सुडौल बनेंगी।

अंडरआऐर्म्स का कालापन दूर करने के लिए : 2 टी स्पून चावल का आटा, 2-2 टी स्पून दरदरा बादाम व चंदन पाउडर और थोडा सा दूध मिलाकर पेस्ट बनाएं। तैयार मिश्रण को अंडर आऐर्म्स पर लगा कर कुछ देर हलके हाथ से रगडें फिर धोकर साफ करें।

टैनिंग दूर करने के लिए : 5 टी स्पून शहद, 2 टी स्पून चंदन पाउडर, 1 टी स्पून चाइना क्ले, आधा नीबू का रस व थोडा-सा दूध मिलाकर पेस्ट बना लें। इस मिश्रण को प्रभावित स्थान पर लगाएं। सूखने पर दूध के हाथ से थपथपा कर छुडाएं।

त्वचा में कसाव लाने के लिए : 5 टी स्पून स्टार्च पाउडर, 4 टी स्पून चावल का आटा, कुछेक गुलाब की पंखुडियां, कुछ बूंदें एरोमा ऑयल की। सारी सामग्री को मिलाकर किसी खुरदुरे कपडे में भरकर पाउच सा बना लें और गीली बांहों पर कुछ देर हलके हाथों से रगडें। कुछ दिन तक नियमित ऐसा करें।

करें कुछ ऐसा भी : अपनी बांहों को आकर्षक बनाने के लिए विविध प्रकार के टैटू से सजाएं। इन उपायों को अपनाकर आप निश्चय ही सुंदर, सुडौल व सुगठित बांहों की मलिका बन सकती है। साथ ही आप जो भी पहनेंगी खूबसूरत ही लगेंगी।

क्रीमी वेजीटेबल्स

सामग्री : 1 कप मिक्स कटी सब्जियां (पत्तागोभी, गाजर, शिमला मिर्च, बेबीकॉर्न और प्याज), डेढ़ टीस्पून तेल, सजावट के लिए हरी धनिया।

ग्रेवी के लिए : 1 कप दही, 1/4 कप क्रीम, डेढ़ टीस्पून कॉर्नफ्लोर, 2 टीस्पून टोमैटो केचअप, आधा-आधा टीस्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, लहसुन का पेस्ट, गरम मसाला, ऑरिगेनो और स्वादानुसार नमक।

विधि : ग्रेवी की सभी सामग्री को अच्छी तरह मिला लें। तेल गर्म करें और सब्जियों को चलाते हुए कुछ मिनट तक भूनें। इसमें ग्रेवी डालें और 5 मिनट तक उबालें। कटी हुई हरी धनिया से सजाकर परोसें।

रसोई घर में है सौंदर्य की पिटारी

सुंदर दिखने की चाहत को पूरी करने के लिए आज बाजार में न जाने कितने प्रकार के सौंदर्य प्रसाधन मौजूद हैं। लेकिन त्वचा को कुदरती चमक और कोमलता प्रदान करने के लिए प्राकृतिक उपादानों का प्रयोग चमत्कारी परिणाम देता है। दरअसल घरेलू उपचार में किसी भी प्रकार के केमिकल नहीं होते। इसीलिए इनके प्रयोग से त्वचा को किसी तरह का नुकसान भी नहीं होता है।

स्थाई सुंदरता पाने के लिए प्राकृतिक चीजों का इस्तेमाल करने में ही समझदारी है। अपने सौंदर्य को बरकरार रखने और बढाने के लिए कहीं दूर जाने की आवश्यकता नहीं है। सौंदर्य विशेषज्ञा शहनाज हुसैन कहती हैं कि अपनी रसोई में झांककर देखें, न जाने ऐसी कितनी चीजें है जो आपके सौंदर्य में चार-चांद लगा सकती हैं। यदि जरा-सी सूझबूझ से काम लिया जाए तो आपका रसोई घर ही ब्यूटी पार्लर बन सकता है। इस तरह रासायनिक प्रसाधनों के दुष्प्रभाव एवं ब्यूटी पार्लर के महंगे खर्च से भी बचा जा सकता है क्योंकि रसोईघर में वह सब कुछ मौजूद होता है जो प्राकृतिक सुंदरता प्रदान कर सके।

त्वचा को कांति प्रदान करें

- खानपान का तौर तरीका भी रूप लावण्य को प्रभावित करता है। इसके लिए आवश्यक है कि सुबह के नाश्ते में तली हुई चीजों का सेवन न करके, दूध, दही, अंडा, लस्सी या अंकुरित अनाज को सम्मिलित करें।
- जहां तक संभव हो, मौसमी फल, सब्जियों को नाश्ते में सम्मिलित करें। लौकी के रस में, तुलसी, पुदीना और पिसी हुई काली मिर्च मिलाकर सेवन करें। गुनगुने पानी में नीबू का रस मिला कर पिएं। इससे रंग-रूप में तो निखार आएगा ही, शरीर भी छरहरा बनेगा।

- खीरे का रायता बनाते वक्त थोडा सा कसा हुआ खीरा निकाल लें। उसे आंखों पर कुछ देर रखने से आंखों को आराम मिलेगा और काले घेरे भी दूर होंगे।
- चेहरे के निखार के लिए गाजर, खीरे, टमाटर या संतरे के रस को लगाया जाए तो यह त्वचा के लिए उत्कृष्ट टॉनिक के समान काम करेगा और इससे चेहरे की कांति भी बनी रहेगी।
- केले या पपीते के गूदे को मसल कर शहद के साथ मिलाकर चेहरे पर लगाएं। यह कुदरती मॉस्चराइजर का काम करता है।
- बथुआ उबालने के बाद उसके बचे हुए पानी को फेंकने के बजाय, उससे हाथ धोया जाए तो वे मुलायम रहते हैं।
- चावल के मांड से हाथ धोने पर, हाथों की नमी बनी रहती है।
- मूली का रस चेहरे की झाइयां समाप्त करता है।
- दही में शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं। ये त्वचा की टैनिंग दूर करता है।
- नीबू के छिलकों पर थोडी चीनी डालकर नाखूनों या एडियों पर रगडने से त्वचा का कालापन हट जाता है।
- अधिक तेज धूप में आने-जाने से यदि आपकी त्वचा झुलस गई हो तो दो चम्मच टमाटर के रस में, चार चम्मच छाछ मिलाकर लगाएं। लाभ होगा।
- सांवली त्वचा के लिए चिरौंजी दाना को रात भर दूध में भिगोकर रखें। सुबह पीसकर उसमें हल्दी मिलाकर चेहरे पर लगाएं। एक घंटे बाद धो लें। चेहरे की खुश्की दूर होगी और निखार भी आएगा।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

काकुरो पहेली - 1968

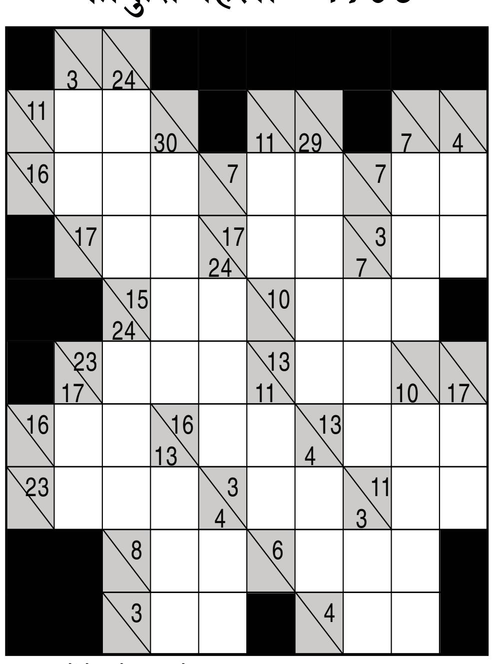

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

↓7 →11	1	2	3	5
1				
2				
4				

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 1967 का हल

■	↓3	↓24	■	■	■	■	↓18	↓17	■
→11	2	9	↓10	■	■	↓17 →16	7	9	■
→11	1	8	2	■	↓11 →23	9	6	8	■
■	→11	7	4	↓3 →22	9	8	5	■	■
■	■	↓16 →6	3	1	2	■	↓30	↓16	■
■	↓10 →7	4	1	2	■	↓13 →17	8	9	■
→8	1	7	↓17	■	↓23 →21	5	9	7	■
→22	9	5	8	↓16 →24	9	8	7	↓16	↓5
■	■	→22	9	7	6	→14	6	7	1
■	■	■	→17	9	8	■	→13	9	4

हंसी के फूव्वारें

एक बार अध्यापक जी अपने एक छात्र सुनील के घर गए. सुनील ने अपने अध्यापक जी का स्वागत किया. अध्यापक जी को खीर खाने को दिया. अध्यापक जी जब खीर खा रहे थे तभी सुनील की मां वहां आयी. अध्यापक जी को खीर खाते देख वह हैरान होकर सुनील से पूछीं-बेटा, सुनील, तुमने यह खीर अध्यापक जी को खाने क्यों दिया? इसे तो रात बिल्ली चाट रही थी. यह सुनकर अध्यापक जी ने खीर का वह कटोरा फेंक दिया. सुनील फौरन अध्यापक जी से बोला-अध्यापक जी, आपने वह कटोरा क्यों फेंक दिया? अब मेरा कुत्ता किस कटोरे में खाएगा?

विज्ञान की कक्षा में शिक्षक कह रहा था, 'बच्चों, विज्ञान में बहुत शक्ति है पर इतनी नहीं कि एक जीव को दूसरे में बदल दे........'

'पर सर,' एक लड़के ने धीरे से उसकी बात काटी, 'वह शक्ति आप में तो है.'

'क्या बक रहा है तू?' शिक्षक बड़बड़ाया.

'सच ही तो कह रहा हूं-आप जब चाहते हैं, तब हमें मुर्गा बना देते हैं.'

बीवी ने मियाँ से पूछा, 'क्यों जी, ऐसी कौन-सी वस्तु है जो पुरुषों को पसंद है और महिलाओं को नहीं?'

मियाँ डरते-डरते, 'खामोशी.'

फिल्म वर्ग पहेली- 1968

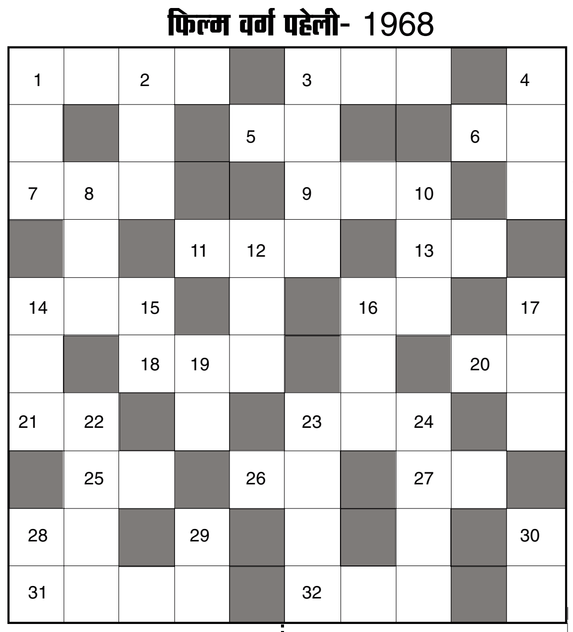

बायें से दायें:-

१. 'चाँद तारे तोड़ लाऊं' गीत वाली शाहरूख, जूही की फिल्म-२,२
३. सैफ, काजोल की 'नीला दुपट्टा पीला सूट' गीत वाली फिल्म-३
५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
६. संजयदत्त, शरद, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चमन में रहके वीराना' गीत वाली दिलीप, निम्मी की फिल्म-३
९. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
११. 'कोई नहीं तेरे जैसा' गीत वाली अक्षय, सैफ अली की फिल्म-३
१३. फिल्म 'मिलाप' की नायिका-२
१४. 'गोपी किशन' में किस की दोहरी भूमिका थी?-३
१६. ऋषि कपूर, जेबा, अश्विनी भावे की 'आजा वे माही' गीत वाली फिल्म-२
१८. फिल्म 'धरती' में राजेंद्र कुमार के साथ नायिका कौन थी?-३
२०. 'जादू है नशा है' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'इस टूटे दिल की' गीत वाली अनिल अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२३. राजेश, टीना, पद्मिनी की 'जिंदगी प्यार का' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'मेघा रे मेघा' गीत वाली फिल्म-२
२६. विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की एक फिल्म-२
२७. 'जवानी दीवानी' में रणधीरकपूर के साथ नायिका कौन थी?-२
२८. फिल्म 'फूल और पत्थर' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
३१. संजय दत्त, मनीषा की 'हो रब्बा तू ही बचा' गीत वाली फिल्म-४
३२. फिल्म 'स्टम्प्ड' में अली खान के साथ नायिका कौन है?-३

ऊपर से नीचे:-

१. दिलीप कुमार, मीना की 'दिल से तुझ को बेदिली है' गीत वाली फिल्म-३
२. 'संदेसे आते हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. अजय देवगन, तब्बू की 'आ पपियाँ झपियाँ पा लें हम' गीत वाली फिल्म-४
४. 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-३
८. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'खुशी' में फरदीन की नायिका?-३
१२. 'गुस्सा इतना हसीन है तो' गीत वाली राजकुमार, राजेशखन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
१४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनील दत्त, नूतन की फिल्म-३
१५. रेवती की पहली हिंदी फिल्म?-२
१६. 'साथिया बिन तेरे' गीत वाली सनी, तब्बू, शिल्पा की फिल्म-३
१७. विश्वजीत, बबीता की 'लाखों हैं यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'लंबी जुदाई' गीत वाली जैकी श्रॉफ, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-२
२२. राजेंद्र, धर्मेन्द्र, नालासिन्हा की 'आज गालो मुस्करा लो' गीत वाली फिल्म-४
२३. 'तेरा मेरा साथ रहे' गीत वाली फिल्म-४
२४. राजेश खन्ना, श्रीदेवी की 'कह दे जमाने से' गीत वाली फिल्म-४
२८. 'दिलजले' में अजय का नाम?-२
२९. प्रशांत और ऐश्वर्या की एक फिल्म-२
३०.'मिलती है झुकती है' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1967

अ	जू	बा		जो	र		दा	मि	नी
ल		बा	जी		क्ष	त्रि	य		तू
बे	टा		न	म	क		रा	जा	
ला		अं	त			रो		लि	
	दा	दा		नू		जा	ने	म	न
मे		ज	ह	री	ले		हा		गिं
री	मा		त्या		कि	ला		द	स
जं		सू		म	न		म	र्द	
ग	द	र		द		आ	ह		डॉ
	म	ज	बू	र			ल	गा	न

सूडोकु -1968

		6	4		5	8		
9				1				7
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
3				8				9
		8	6		9	5		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 1967 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

शब्द पहेली - 1968

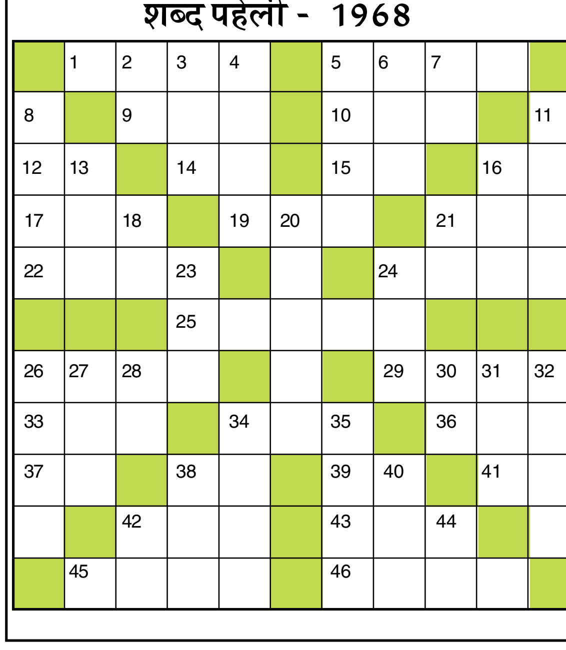

बाएँ से दाएँ

1.सरदार,अगुआ-4
5.जनमत,एक राय-4
9.पुराना जुकाम-3
10.चिंता,परवाह-3
12.पैंदा,तल्ला-2
14.ताल,सुर,आलाप-2
15.महोदय (अंग्रेजी-2)
16.लाडला,दुलारा-2
17.निवास करना-3
19.डोली उठाने वाले-3
21.नसीरुद्दीन शाह की फिल्म-3
22.तड़फाना-4
24.जल में रहनेवाला-4
25.दरियादिल,करुण-5
26.इराक की राजधानी-4
29.भेंट,पुरस्कार-4
33.पासों से भविष्य देखना-3
34.अश्ववाहक,घुड़सवार-3
36.चौकसी,रखवाली-3
37.हलक,कंठ-2
38.सदैव-2
39.लार -2
42.निश्चित-2
42.कालीन-3
43.बंदर,मर्कट-3
45.किसान-4
46.इस्लामी कैलेंडर का एक महीना -4

ऊपर से नीचे

2.क्रिकेट में बनते हैं-2
3.नगमा,गीत (उर्दू-3)
4.जो लायक न हो-4
5.अधिकारी,अफसर-4
6.राशिचक्र की एक राशि -3
7.झगड़ा,बैर-2
8.आदत,व्यवहार-4
11.शमशीर-4
13.तरंग,हिलोर-3
16.तृष्णा,लोभ-3
18.अमेरिका स्थित वेधशाला-2
20.जितेंद्र इस फिल्म में सात सवाल हल करते हैं -5
21.नीर,पानी-2
23.देवर्षि-3
24.ईर्ष्या,डाह-3
26.वटवृक्ष-4
27.जिसमें पौधे लगाते हैं-3
28.दलहन-2
30.मंत्र जाप-2
31.तसल्ली,आराम-3
32.भगवान विष्णु-4
34.धर्मशीलता-4
35.पैजामा-4
38.तमीज-3
40.साजन,प्रेमपात्र-3
42.पहरा,चौकसी-2
44.अवकाश-2

शब्द पहेली - 1967 का हल

	ना	स	म	झ			क	पा	स	
कु	ल		झ		क	रा	ह		म	न
ल			धा	र	ण		र			क
प	रि	चा	र	क		पा		अ	न	ल
ति		ह		म	नो	नी	त		सी	
	जा	त						त	ब	
	मु		फि	त	र	त		ना		ना
म	न	का		न		प	र	व	रि	श
लि			न		पू	न	म			वा
का	बु		ख	ब	री		णी		खा	न
	आ	स	रा			जा	य	दा	द	

एयर इंडिया ने न्यूयॉर्क और नेवार्क की उड़ानें कीं रद्द, अमेरिका में भीषण विंटर स्टॉर्म का खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के ईस्ट कोस्ट में संभावित भीषण और ऐतिहासिक विंटर स्टॉर्म को देखकर एयर इंडिया ने 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयरलाइन ने यह फैसला यात्रियों और क्रू मेंबर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया है। एयर इंडिया द्वारा जारी ट्रैवल एडवाइजरी के अनुसार, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों में रविवार सुबह से सोमवार तक भारी बर्फबारी, तेज ठंडी हवाएं और अत्यधिक ठंड पड़ने की आशंका है। ऐसे हालात में हवाई संचालन बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। एयरलाइन ने कहा है कि 'यात्रियों और क्रू की सुरक्षा, सुविधा और भलाई को ध्यान में रखते हुए 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से संचालित होने वाली सभी उड़ानें रद्द की जा रही हैं।' यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फ्लाइट की ताज़ा स्थिति जानने के लिए एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट, मोबाइल एप या कस्टमर केयर से संपर्क बनाए रखें। साथ ही, टिकट रिफंड और रीबुकिंग से जुड़ी जानकारी भी वहीं उपलब्ध है। उधर, अमेरिका इस समय एक रिकॉर्ड तोड़ विंटर स्टॉर्म की चपेट में है। नेशनल वेदर सर्विस ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यह तूफान सेंट्रल प्लेन्स से लेकर नॉर्थ-ईस्ट तक करोड़ों लोगों को प्रभावित कर सकता है। भारी बर्फबारी, बर्फीली बारिश और खतरनाक ठंड के चलते कई इलाकों में सड़कें बंद होने, बिजली आपूर्ति बाधित होने और यात्रा व्यवस्था पूरी तरह ठप होने की आशंका जताई गई है। मौसम विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि बेहद जरूरी होने पर ही यात्रा करें और आधिकारिक मौसम अपडेट पर नजर बनाए रखें।

एमपी में रेल हादसा : मक्सी स्टेशन के पास मालगाड़ी पटरी से उतरी, दो हिस्सों में बंटी

शाजापुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के शाजापुर जिले में एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया, जब मक्सी रेलवे स्टेशन के पास एक मालगाड़ी अचानक पटरी से उतर गई। हादसे में मालगाड़ी दो हिस्सों में बंट गई, हालांकि राहत की बात यह रही कि घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा मेन लाइन की पटरी टूटने के कारण हुआ। बताया जा रहा है कि मालगाड़ी का संतुलन बिगड़ते ही उसके कई डिब्बे पटरी से उतर गए और जमीन में धंस गए। गनीमत यह रही कि घटना के समय इस रूट से कोई यात्री ट्रेन नहीं गुजर रही थी, अन्यथा नुकसान कहीं अधिक हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन में हड़कंप मच गया। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। साथ ही ट्रैक की मरम्मत का कार्य भी तत्काल शुरू कर दिया गया। हालांकि जब मीडिया ने अधिकारियों से जानकारी लेने की कोशिश की तो उन्होंने जांच पूरी होने तक कोई आधिकारिक बयान देने से परहेज किया। हादसे के बाद मेन लाइन बंद होने से कई यात्री ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई। कुछ ट्रेनों को रोक दिया गया, जबकि एक लाइन को आंशिक रूप से चालू कर ट्रेनों को धीमी गति से निकाला गया। स्टेशन प्रबंधन के अनुसार प्रथम दृष्टया यह घटना ट्रैक की तकनीकी खराबी के कारण प्रतीत हो रही है। घटना की विस्तृत जांच के लिए उज्जैन से रेलवे अधिकारियों की एक टीम मौके पर पहुंच रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

केरल में भाजपा ने लोकपाल की नियुक्ति का किया विरोध

तिरुवनंतपुरम(एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल में लोकपाल की नियुक्ति का विरोध कर इस वैधानिक रूप से गलत बताया है। भाजपा के राज्य अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर और महासचिव वकील एस. सुरेश ने लोक भवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से मुलाकात कर याचिका सौंपकर कैबिनेट द्वारा जस्टिस (रिटायर्ड) बाबू मैथ्यू पी. जोसेफको लोकपाल नियुक्त करने के फैसले पर आपत्ति जता दी। भाजपा ने केरल लोकायुक्त अधिनियम- 1999 की धारा 5(3) का हवाला देकर कहा कि यह प्रावधान किसी पूर्व लोकायुक्त या उप लोकायुक्त को किसी सरकारी या स्वायत्त निकाय में पद संभालने से रोकता है। भाजपा का तर्क है कि लोकपाल एक सरकारी फंड से वेतन पाने वाला वैधानिक पद है और इस पर मनमानी व्याख्या नहीं की जा सकती। केरल बीजेपी ने चेतावनी दी कि इस प्रावधान का उल्लंघन करने वाली कोई भी नियुक्ति कानूनी रूप से अमान्य होगी और न्यायिक जांच के दायरे में आएगी। भाजपा ने कहा कि लोकपाल जैसी संस्थाओं की स्वतंत्रता बनाए रखना जरूरी है, क्योंकि ये संस्थाएं जमीनी स्तर पर शासन की निगरानी करती हैं और जनता का विश्वास बनाए रखने में अहम भूमिका निभाती हैं। पार्टी ने राज्यपाल से अनुरोध किया कि वह अपने संवैधानिक विवेक का उपयोग कर कैबिनेट के फैसले को वैधानिक आधार पर पुनर्विचार के लिए वापस भेजें। राज्यपाल कार्यालय ने 'एक्स' पर भी मुलाकात की जानकारी देकर लिखा कि भाजपा नेताओं ने कानूनी प्रावधानों का हवाला देकर लोकपाल नियुक्ति का विरोध किया।

डोडा हादसे में चनौली का जवान जोबनप्रीत शहीद, सीएम मान ने जताया दुख

चंडीगढ़ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में गुरुवार को सेना का वाहन खाई में गिरने से 10 जवान शहीद हो गए थे। इस हादसे में पंजाब के रोपड़ जिले के गांव चनौली के रहने वाले जवान जोबनप्रीत सिंह (23) भी शहीद हो गए। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने जोबनप्रीत सिंह की शहादत पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि शहीद जोबनप्रीत सिंह की शहादत पर पूरे प्रदेश को गर्व है। सीएम मान ने शहीद जवान के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि देश के प्रति उनके साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान को हमेशा याद रखा जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम भगवंत मान ने एक्स पर लिखा- बीते दिनों जम्मू-कश्मीर के डोडा में जवानों से भरी एक बस के गहरी खाई में गिर जाने से 10 बहादुर जवान शहीद हो गए थे। उन शहीदों में जिला रोपड़ के गांव चनौली के जोबनप्रीत सिंह के शहीद होने की दुखद खबर मिली है। परिवार के प्रति गहरी संवेदना। देश के प्रति शहीद जवान के साहस को हम नमन करते हैं। इस कठिन घड़ी में सरकार शहीद के परिवार के साथ खड़ी है। परिवार को हर संभव मदद दी जाएगी। इस हादसे पर पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, सीएम उमर अब्दुल्ला समेत कई नेताओं ने दुख जताया। तमाम नेताओं ने शहीद जवानों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

अगले 48 घंटे इन 21 जिलों में भारी बारिश की संभावना, चलेगी तेज हवाएं...IMD ने जारी किया हाई अलर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश अब ठंड की चपेट में है। पश्चिमी विक्षोभ के चलते पहाड़ी इलाकों में हाल ही में हुई बर्फबारी के असर से प्रदेश के उत्तरी हिस्सों में कोहरा और कोल्ड-डे जैसे हालात बन गए हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, रात और दिन के तापमान में तेज गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश के अधिकांश इलाकों में आज और कल यानी अगले 48 घंटों के दौरान 21 जिलों में भारी बारिश के साथ कड़ाके की ठंड और घने कोहरे का असर रहेगा।

अगले दो दिनों में मावठी बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने बताया कि 27 और 28 जनवरी से मौसम में बदलाव होगा और प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना है। उत्तर भारत में फिलहाल दो साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव हैं। इसके अलावा लो प्रेशर एरिया और ट्रफ की सक्रियता भी बनी हुई है। इन कारकों के चलते बीते 24 घंटों में ग्वालियर-चंबल क्षेत्र के जिलों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

27 और 28 जनवरी को बारिश के लिए चेतावनी

27 जनवरी को भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, विदिशा, सागर, श्योपुर, शिवपुरी, शाजापुर, अशोकनगर, आगर मालवा, भिंड, मुरैना, दतिया, टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, रतलाम, राजगढ़, गुना, मंदसौर और नीमच में बारिश होने की संभावना है। वहीं, 28 जनवरी को जबलपुर, विदिशा, शहडोल, सिंगरौली, सीधी, सतना, सागर, रायसेन, मैहर, मऊगंज, छतरपुर, टीकमगढ़, रीवा, पन्ना, दमोह, कटनी, नरसिंहपुर और उमरिया में मावठी बारिश का अलर्ट है।

तेज हवाओं ने बढ़ाई ठंड

प्रदेश के अधिकांश शहरों में रात का तापमान सामान्य से काफी नीचे दर्ज किया गया। मंदसौर प्रदेश का सबसे ठंडा शहर रहा, जहां न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ। वहीं राजगढ़ में 7.4, नीमच के मरुखेड़ा में 7.9, कल्याणपुर में 8.2, पचमढ़ी में 8.2 और कटनी के करौंदी में 9.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। भोपाल और इंदौर में भी अचानक तापमान में गिरावट देखी गई। तेज सर्द हवाओं के चलते लोगों को ठंड में राहत कम ही महसूस हो रही है।

लोगों को मौसम विभाग की सलाह

मौसम विभाग ने लोगों से चेतावनी दी है कि अगले दो दिन ठंड और कोहरे के कारण सड़क पर सफर करते समय सतर्क रहें। विशेषकर सुबह और रात के समय वाहन चालकों को धीमी गति से चलने और आवश्यक सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

शंकराचार्य अविमुक्तानंद और सरकार मिलकर करें सुलह, सतानत का न बनने दें मजाक

-रामगंजमंडी में कथावायक धीरेंद्र शास्त्री ने चले रहे विवाद पर दी दोनों पक्षों को सलाह

कोटा (एजेंसी)। शिक्षा नगरी कोटा इन दिनों भक्ति नगरी में तब्दील हो चुकी है। रामगंजमंडी में कथावायक आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा के पहले ही दिन आस्था का सैलाब उमड़ा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की ओर से आयोजित इस गौ माता महोत्सव के पहले दिन धीरेंद्र शास्त्री ने न केवल धार्मिक उपदेश दिए। प्रयागराज में पालकी से स्नान पर अड़े शंकराचार्य अविमुक्तानंद सरस्वती और योगी सरकार के बीच चल रहे विवाद पर धीरेंद्र शास्त्री ने सलाह दी।

उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष हमारे अपने हैं, दोनों सनातनी हैं। बीच का रास्ता निकालें और मिल-बैठकर सुलह करें। सनातन का दुनिया के सामने मजाक न बनने दें। आजकल की पीढ़ी पर चुटकी लेते हुए धीरेंद्र शास्त्री ने युवाओं को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया की रील्स में कीमती समय बर्बाद नहीं करें। रील से निकलकर रियलिटी से जुड़ें। अपने परिवार और समाज को समय दें। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार से गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग की। इस कथा ने इतिहास रच दिया जब मंच पर वाल्मीकि समाज और 30 गरीब परिवारों ने बाबा धीरेंद्र शास्त्री की आरती उतारी। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि रामकथा पर सबका समान अधिकार है। कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे और ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे।

पंजाब कांग्रेस में रार? राहुल गांधी की बैठक से दूरी के बाद नवजोत सिद्धू ने किया शायराना हमला

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कांग्रेस के भीतर असंतोष के सुर एक बार फिर तेज होते दिख रहे हैं। शशि थरूर के बाद अब पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू के रुख को भी पार्टी नेतृत्व के प्रति नाराजगी से जोड़कर देखा जा रहा है। इस खींचतान की ताजा वजह बनी है राहुल गांधी द्वारा बुलाई गई एक महत्वपूर्ण बैठक। दिल्ली में आयोजित इस बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव को लेकर भविष्य की रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई, लेकिन चौंकाने वाली बात यह रही कि नवजोत सिंह सिद्धू को इसमें आमंत्रित नहीं किया गया।

राहुल गांधी ने गुरुवार को दिल्ली में पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के साथ मंथन किया। इस बैठक में प्रदेश के मौजूदा और पूर्व कई दिग्गज पदाधिकारी शामिल हुए, लेकिन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की गैर-मौजूदगी ने सियासी हलकों में कई सवाल खड़े कर दिए। बैठक के ठीक अगले दिन शुक्रवार दोपहर बाद सिद्धू ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो साझा किया, जिसने कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति को लेकर चल रही चर्चाओं को और हवा दे दी है। इस वीडियो में नवजोत सिद्धू अपने चिर-परिचित शायराना अंदाज में अपनी बात कहते नजर आए। उन्होंने सीधे तौर पर किसी का नाम तो नहीं लिया, लेकिन उनके बोल काफी गहरे थे। वीडियो में वे कहते हैं, 'जिसने आपको नहीं बुलाया, उसे दफा कीजिए, हर कोई आपके काबिल नहीं होता और कई बार अकेले रहना ही बेहतर होता है।' सिद्धू के इन शब्दों को राजनीतिक विश्लेषक सीधे तौर पर राहुल गांधी की बैठक में उन्हें नजरअंदाज किए जाने से जोड़कर देख रहे हैं। इसे नेतृत्व के प्रति एक मौन विरोध और कड़ा संदेश माना जा रहा है।

गौरतलब है कि इससे पहले भी कांग्रेस सांसद शशि थरूर के बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट्स को पार्टी नेतृत्व से उनकी असहजता के संकेत के रूप में देखा गया था। अब सिद्धू के इस वीडियो ने यह संकेत दिया है कि कांग्रेस में आलाकमान और कुछ कद्दावर नेताओं के बीच खींचतान पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

धर्म और राजनीति के बढ़ते घालमेल समाज के लिए घातक: सुश्री मायावती

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती ने धर्म और राजनीति के बढ़ते घालमेल पर गंभीर चिंता जताकर समाज के लिए घातक बताया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी बीते कुछ वर्षों से धार्मिक पर्वों, त्यौहारों, पूजापाठ, स्नान और अन्य आस्थागत आयोजनों में राजनीतिक हस्तक्षेप लगातार बढ़ा है। इसके कारण नए-नए विवाद, तनाव और सामाजिक संघर्ष उत्पन्न हो रहे हैं, जो किसी भी दृष्टि से उचित नहीं हैं।

मायावती ने अपने बयान में कहा कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए धर्म को राजनीति से और राजनीति को धर्म से जोड़ने के गंभीर खतरे हमेशा बने रहते हैं। प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहा विवाद इसका ताजा उदाहरण है, जहां आस्था के विषय को राजनीतिक रंग देने से आपसी अनादर, आरोप-प्रत्यारोप और टकराव की स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं समाज में सौहार्द बिगाड़ती हैं और आम लोगों के मन में दुख व चिंता स्वाभाविक रूप से उत्पन्न करती हैं।

बसपा प्रमुख मायावती ने जोर देकर कहा कि देश का संविधान और कानून जनहित और जनकल्याणकारी कार्यों को ही वास्तविक राष्ट्रीय धर्म मानता है। संविधान की भावना यही है कि राजनीति को धर्म से और धर्म को राजनीति से अलग रखा जाए। यदि सही नीयत और नीति के साथ इसका ईमानदारी से पालन किया जाए, तब-राजनेता बिना किसी द्वेष और पक्षपात के अपने संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन कर सकते हैं। वर्तमान हालात में भी जनता की यही अपेक्षा है कि सभी वर्गों के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक हितों की रक्षा निष्पक्षता से की जाए।

उन्होंने प्रयागराज में स्नान को लेकर चल रहे विवाद को आपसी सहमति से शीघ्र सुलझाने की अपील कर कहा कि जितनी जल्दी इसका समाधान होगा, उतना ही बेहतर होगा। उल्लेखनीय है कि माघ मेला के दौरान मौनी अमावस्या के दिन शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को पालकी में स्नान के लिए जाते समय पुलिस द्वारा रोके जाने से विवाद उत्पन्न हुआ था, जिसके बाद धक्का-मुक्की और धरना जैसी स्थिति बनी। इस प्रकरण में प्रशासन द्वारा जारी नोटिसों के बाद मामला और तूल पकड़ गया तथा राजनीतिक दलों की भी इसमें एंट्री हो गई। अपने बयान के अंत में मायावती ने 'उत्तर प्रदेश दिवस' के अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों को होगी 1 से 10 साल की जेल, जुर्माना भी लगेगा

-छह महीनों में देशभर में कुल 1,698 घटनाएं हुई, 665 को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रेलवे ने ट्रेनों पर पत्थरबाजी करने वालों के खिलाफ देशव्यापी अभियान चलाया। जुलाई से दिसंबर 2025 के बीच के आंकड़ों के मुताबक पिछले छह महीनों में देशभर में पत्थरबाजी की कुल 1,698 घटनाएं हुई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इन मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अब तक 665 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि पत्थरबाजी की यह प्रवृत्ति न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरपीएफ की जांच में सामने आया है कि पत्थरबाजों के निशाने पर सबसे ज्यादा वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी प्रीमियम ट्रेनें हैं। हालांकि इन आधुनिक ट्रेनों में बेहद मजबूत रीइन्फोर्स्ड कांच लगाए गए हैं, लेकिन भारी पथराव के कारण वे भी टूट रहे हैं। वहीं, सामान्य यात्री ट्रेनों में खिड़की के शीशे टूटने से कई यात्रियों के घायल होने की खबरें हैं। रेलवे ने उन संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान की है जहां ऐसी घटनाएं बार-बार होती हैं। इन क्षेत्रों में आरपीएफ की गश्त बढ़ा दी गई है और अपराधियों को पकड़ने के लिए सीसीटीवी फुटेज के साथ-साथ स्थानीय मुखबिरों की मदद ली जा रही है। रेलवे प्रशासन ने साफ कहा है कि यात्रियों की जान जोखिम में डालने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। पकड़े गए आरोपियों पर भारतीय रेलवे अधिनियम की गंभीर धाराओं के तहत मुकदमे चलाए जा रहे हैं। इन धाराओं के तहत अपराध की गंभीरता के आधार पर एक साल से लेकर 10 साल तक की जेल का प्रावधान है। रेलवे ने कहा कि वे इन मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। रेलवे केवल कानूनी कार्रवाई तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इस समस्या की जड़ तक पहुंचने की कोशिश कर रही है।

इसके लिए रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं ताकि बच्चों को इसके कानूनी परिणामों के बारे में बताया जा सके। पटरियों के पास बसी बस्तियों के लोगों को शिक्षित किया जा रहा है कि पत्थरबाजी कैसे किसी की जान ले सकती है। संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए ड्रोन और आधुनिक कैमरों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। रेलवे अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे ऐसी किसी भी घटना की जानकारी तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर दें। शेष मामलों में जांच अभी जारी है और जल्द ही अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी हो सकती है।

रॉबर्ट वाड्रा मामले पर सुनवाई टली, ईडी ने मांगा अतिरिक्त समय तो कोर्ट हुआ नाराज 26 फरवरी को होगी सुनवाई

पटना (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ दाखिल की गई चार्जशीट पर संज्ञान लेने को लेकर शनिवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में होने वाली सुनवाई टाल दी गई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 26 फरवरी की तारीख तय की है। सुनवाई के दौरान ईडी ने चार्जशीट से संबंधित कुछ आवश्यक दस्तावेज दाखिल करने के लिए अतिरिक्त समय की मांग की, जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताई।

अदालत ने ईडी को कड़ी फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि जरूरी कागजात जमा करने के लिए यह एजेंसी को दिया जा रहा अंतिम अवसर है। कोर्ट ने कहा कि जांच एजेंसी को समय पर सभी औपचारिकताएं पूरी करनी चाहिए, ताकि न्यायिक प्रक्रिया में अनावश्यक देरी न हो। यह चार्जशीट ब्रिटेन स्थित डिफेंस डीलर संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दाखिल की गई है। मामले में विदेशी संपत्तियों और कथित अवैध वित्तीय लेन-देन से जुड़े पुराने आरोपों की एक बार फिर गहन जांच की जा रही है। ईडी के अनुसार, रॉबर्ट वाड्रा का नाम संजय भंडारी से संबंधित विदेशी संपत्तियों और वित्तीय लेन-देन के संदर्भ में सामने आया है। एजेंसी का आरोप है कि इन लेन-देन में मनी लॉन्ड्रिंग के तत्व मौजूद हैं, जिनकी जांच मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की जा रही है।

गौरतलब है कि ईडी की यह जांच वर्ष 2016 में संजय भंडारी के ठिकानों पर हुई आयकर विभाग की छापेमारी के बाद शुरू हुई थी। इस दौरान कथित तौर पर कुछ ईमेल और दस्तावेज बरामद किए गए थे, जिनके आधार पर जांच एजेंसियों ने रॉबर्ट वाड्रा और उनके सहयोगियों के साथ भंडारी के संबंधों की पड़ताल शुरू की। जांच पूरी होने के बाद ईडी ने रॉबर्ट वाड्रा को इस मामले में आरोपी बनाया।

एक अन्य संबंधित मामले में ईडी ने अदालत को बताया कि रॉबर्ट वाड्रा को गुरुग्राम में एक विवादित जमीन सौदे से कथित तौर पर 58 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। इसमें से 53 करोड़ रुपये स्काई लाइट हॉस्पिटैलिटी के माध्यम से और 5 करोड़ रुपये ब्लू ब्रीज़ ट्रेडिंग के जरिए भेजे गए थे। जांच के दौरान केंद्रीय एजेंसी ने 38.69 करोड़ रुपये मूल्य की 43 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है, जिन्हें अपराध की कमाई या उसके समकक्ष बताया गया है।

ईडी ने जुलाई 2025 में पीएमएलए की धारा 50 के तहत रॉबर्ट वाड्रा का बयान भी दर्ज किया था। वहीं, संजय भंडारी पहले से ही विदेश में अघोषित संपत्तियां रखने और अवैध वित्तीय लेन-देन के आरोपों का सामना कर रहा है। अब मामले में 26 फरवरी को होने वाली सुनवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

गणतंत्र दिवस परेड में गूंजेगी ऑपरेशन सिंदूर की धमक: शौर्य प्रदर्शन करेंगे राफेल-सुखोई विमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर कर्तव्य पथ का आसमान भारतीय वायुसेना के अदम्य साहस और अत्याधुनिक मारक क्षमता का गवाह बनेगा। इस वर्ष फ्लाई पास्ट का मुख्य आकर्षण विशेष रूप से तैयार किया गया 'सिंदूर' फॉर्मेशन होगा। यह फॉर्मेशन पिछले वर्ष पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने वाले ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का प्रतीक है। इस ऐतिहासिक फॉर्मेशन में भारतीय वायुसेना के सात शक्तिशाली विमान शामिल होंगे, जिनमें 2 राफेल, 2 मिग-29, 2 सुखोई-30 और एक जैगुआर फाइटर जेट अपनी गर्जना से आसमान को गुंजायमान करेंगे।

भारतीय वायुसेना के अनुसार, इस बार फ्लाई पास्ट में कुल 29 विमान अपनी ताकत का प्रदर्शन करेंगे। इनमें 16 फाइटर जेट, 4 मालवाहक (ट्रांसपोर्ट) विमान और 9 हेलीकॉप्टर शामिल हैं। परेड की शुरुआत में वायुसेना के चार एमआई-17 हेलीकॉप्टर ध्वज फॉर्मेशन में उड़ान भरेंगे, जो राष्ट्रीय ध्वज के साथ-साथ थल सेना, नौसेना और वायुसेना के ध्वज लहराते हुए देश को गौरवान्वित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वायुसेना के विमान प्रहार, गरुड़, अर्जन, वरुणा, वजरंग और विजय जैसे विभिन्न प्रभावशाली फॉर्मेशन में भी अपनी सटीक उड़ान का प्रदर्शन करेंगे। गणतंत्र दिवस 2026 का आयोजन विशेष रूप से 'वंदे मातरम' के गौरवशाली 150 वर्षों को समर्पित किया गया है। पूरे समारोह पर राष्ट्रगीत की स्पष्ट छाप दिखाई देगी और वायुसेना का बैंड इससे जुड़ी विशेष धुनें बजाकर देशप्रेम का संचार करेगा। परेड में अनुशासन और नेतृत्व का प्रदर्शन करने के लिए वायुसेना की ओर से विशेष तैयारियां की गई हैं। राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर आयोजित होने वाले श्रद्धांजलि समारोह में स्क्वाड्रन लीडर हेमंत सिंह कन्यार गार्ड ऑफऑनर के कमांडर के रूप में वीर शहीदों को नमन करेंगे। कर्तव्य पथ पर ध्वजारोहण की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी फ्लाइट लेफ्टिनेंट अक्षिता ढांकर निभाएंगी, जबकि स्क्वाड्रन लीडर जगदेश कुमार के नेतृत्व में वायुसेना का मार्चिंग दल अपनी सटीक कदमताल से दर्शकों का मन मोहेगा। फ्लाई पास्ट के समापन चरण में राफेल, सुखोई-30, सी-295, अपाचे और स्वदेशी एलसीएच (प्रचंड) जैसे विमान शामिल रहेंगे। इस बार की परेड में न केवल वायुसेना का अनुशासन और पेशेवर उत्कृष्टता दिखाई देगी, बल्कि तीनों सेनाओं के स्वदेशी हथियारों और उपकरणों का प्रदर्शन भारत की आत्मनिर्भरता को भी दर्शाएगा। समारोह की भव्यता बढ़ाने के लिए इसकी शुरुआत 100 सांस्कृतिक कलाकारों द्वारा पारंपरिक युद्ध-संगीत के साथ की जाएगी, जो कर्तव्य पथ पर शौर्य और संस्कृति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करेंगे।

गणतंत्र दिवस हर वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है, 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ और इस प्रकार हमारा भारत देश गणतंत्र हुआ और उसी उपलक्ष्य मे गणतंत्र दिवस हर वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है।

गणतंत्र दिवस
एक महत्वपूर्ण तिथि

26 जनवरी 1950 भारतीय इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण दिन के रूप में मान्य है। इस दिन भारत का संविधान लागू हुआ और भारत के इस बल के फलस्वरूप भारत वास्तव में एक संप्रभु राज्य बना। इस दिन भारत पूरी तरह से एक रिपब्लिकन इकाई बन गया ।

शहीदों व वीरों का स्मरण दिवस
26 जनवरी

26 जनवरी का यह दिन अपने आप में एक इतिहास बयां करता है जो हमे अंतत: महात्मा गांधी और कई स्वतंत्रता सेनानियों सुभास चन्द्र बोस के बलिदान और अपने देश की आजादी के लिए अपने जीवन का बलिदान करने वाले शहीद चन्द्र शेखर आजाद, भगत सिंह और अनगिनत सैनानियों के गौरवगाथा को प्रदर्शित करता हैं, जिसे दर्शाने का प्रयत्न करना और शब्दों में उस गाथा को पिरोना एक गौरवशाली व आत्मा को विभूषित करने वाले अलंकार को प्रदर्शित करना हैं। अनगिनत सेनानियों और शहीदों की बलिवेदी लेकर स्वतंत्र हुआ भारत देश 26 जनवरी को उन सभी शहीदों को याद कर उन्हें हृदय पुष्पांजलि अर्पित करना हैं। उनकी आँखों में चमके उस दिवा स्वप्न को आज हम सब 26 जनवरी के साकार रूप में देख रहे हैं ।

उम्मीदों व आशाओं का राष्ट्रीय पर्व गणतंत्र दिवस

गणतन्त्र दिवस भारत का एक राष्ट्रीय पर्व जो प्रति वर्ष 26 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन सन 1950 को भारत का संविधान लागू किया गया था।

गौरवान्वित हुआ पथ, लौह पुरुषों की हैं रथ
इधर न आना देशद्रोहियों
जल जाओगे हुँकार से ही बस! जय हिन्द

आज गणतंत्र दिवस पूरे देश में बहुत उत्साह और विशेष रूप से राजधानी दिल्ली में हर्षो उल्लास के साथ मनाया जाता है, नई दिल्ली के रिपब्लिक डे के समारोह को देश के राष्ट्रपति झंडा लहराने के साथ शुरू करते हैं. इस अवसर की शुरुआत हमें बलिदान की पवित्र याद दिलाते हैं जो शहीद और स्वतंत्रता आंदोलन में देश के लिए अपना जीवन न्योछावर कर गए, और अपने देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए युद्ध भूमि में अपनी प्राणाहुति दे गए. आगे इस समारोह में राष्ट्रपति शहीदों को, सशस्त्र बलों से, बहादुर नागरिकों को उनके क्षेत्र में उनके असाधारण साहस के लिए बहादुरी के पदक और पुरस्कार प्रदान कर उन्हें गौरवान्वित करते हैं, वे असाधारण व् विलक्षणित प्रतिभा सम्पन्न जो खुद को अलग स्थितियों में भी अपनी वीरता और विभिन्न कार्यों से अपने लिए विशिष्ट स्थान सभी के दिलों में बनाये रखने में सक्षम है, उन्हे रिपब्लिक डे में सम्मान देना सभी सच्चे भारतीय वासियों को गौरवान्वित करना है। राजघाट से विजयपथ तक कि यह परेड सेना के विभिन्न रेजीमेंटों, नौसेना और वायु सेना मार्च पास्ट, सभी अपने अपने रंगों और सरकारी सजावट से तैयार तथा घुड़सवार सेना के घोड़ों में सैनिक इस परेड के मुख्य आकर्षक हैं। इस अवसर पर घोड़ो की रिबन आदि से कि गई सजावट एक अनुपम कलाकृति को दर्शाता हैं। एन सी सी कैडेटों की और स्कूली बच्चों की तैयार की गई झाँकिया शब्दों में वर्णन करना व् उल्लेखित करना एक चुनौती पूर्ण कार्य ही हैं। पूरे देश में से चुने हुए एन सी सी कैडिट और चुने हुए स्कूली बच्चों को ही इस रिपब्लिक डे के इस समारोह में भाग लेने का सम्मान प्राप्त होता हैं। राजधानी दिल्ली में विभिन्न स्कूलों के बच्चों और एनसी सी कैडिट्स को समारोह कि तैयारी में होने वाले हर प्रकार के खर्चे आवश्यक रंगमंच की सामग्री और वर्दी आदि, समारोह की तैयारी आदि का, अभ्यास आदि पर किया गया खर्च दिल्ली सरकार द्वारा प्रदान व वहन किया जाता हैं।

इतिहास

दिसंबर 1929 में लाहौर में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन पंडित जवाहरलाल नेहरू की अध्यक्षता में हुआ जिसमें प्रस्ताव किया गया और यह पारित कर घोषणा की गई कि यदि अंग्रेज सरकार 26 जनवरी, 1930 तक भारत को उपनिवेश का पद (डोमीनियन स्टेटस) नहीं प्रदान करेगी तो भारत स्वयमेव ही अपने को पूर्ण स्वतंत्र घोषित कर देगा। 26 जनवरी, 1930 तक जब अंग्रेज सरकार ने कुछ नहीं किया तब कांग्रेस ने उस दिन भारत की पूर्ण स्वतंत्रता के निश्चय की घोषणा की और अपना सक्रिय आंदोलन आरंभ किया। उस दिन से 1947 में स्वतंत्रता प्राप्त होने तक 26 जनवरी स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा।

आयोजन

इस अवसर के महत्व को दर्शाने के लिए हर वर्ष गणतंत्र दिवस पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है, और राजधानी, नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन के समीप रायसीना पहाड़ी से राजपथ पर गुजरते हुए इंडिया गेट तक और बाद में ऐतिहासिक लाल किले तक शानदार परेड का आयोजन किया जाता है।

यह आयोजन भारत के प्रधानमंत्री द्वारा इंडिया गेट पर अमर जवान ज्योति पर पुष्प अर्पित करने के साथ आरंभ होता है, जो उन सभी सैनिकों की स्मृति में है जिन्होंने देश के लिए अपने जीवन कुर्बान कर दिए। इसे शीघ्र बाद 21 तोपों की सलामी दी जाती है, राष्ट्रपति महोदय द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाता है और राष्ट्रीय गान होता है। इस प्रकार परेड आरंभ होती है। महामहिम राष्ट्रपति के साथ एक उल्लेखनीय विदेशी राष्ट्र प्रमुख आते हैं, जिन्हें आयोजन के मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है।

राष्ट्रपति महोदय के सामने से खुली जीपों में वीर सैनिक गुजरते हैं। भारत के राष्ट्रपति, जो भारतीय सशस्त्र बल, के मुख्य कमांडर हैं, विशाल परेड की सलामी लेते हैं। भारतीय सेना द्वारा इसके नवीनतम हथियारों और बलों का प्रदर्शन किया जाता है जैसे टैंक, मिसाइल, राडार आदि। इसके शीघ्र बाद राष्ट्रपति द्वारा सशस्त्र सेना के सैनिकों को बहादुरी के पुरस्कार और मेडल दिए जाते हैं जिन्होंने अपने क्षेत्र में अभूतपूर्व साहस दिखाया और ऐसे नागरिकों को भी सम्मानित किया जाता है जिन्होंने विभिन्न परिस्थितियों में वीरता के अलग-अलग कारनामे किए। इसके बाद सशस्त्र सेना के हेलिकॉप्टर दर्शकों पर गुलाब की पंखुडियों की बारिश करते हुए फ्लाई पास्ट करते हैं। सेना की परेड के बाद रंगारंग सांस्कृतिक परेड होती है। विभिन्न राज्यों से आई झांकियों के रूप में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया जाता है। प्रत्येक राज्य अपने अनोखे त्यौहारों, ऐतिहासिक स्थलों और कला का प्रदर्शन करते है। यह प्रदर्शनी भारत की संस्कृति की विविधता और समृद्धि को एक त्यौहार का रंग देती है। विभिन्न सरकारी विभागों और भारत सरकार के मंत्रालयों की झांकियां भी राष्ट्र की प्रगति में अपने

योगदान प्रस्तुत करती है। इस परेड का सबसे खुशनुमा हिस्सा तब आता है जब बच्चे, जिन्हें राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार हाथियों पर बैठकर सामने आते हैं। पूरे देश के स्कूली बच्चे परेड में अलग-अलग लोक नृत्य और देश भक्ति की धुनों पर गीत प्रस्तुत करते हैं।

परेड में कुशल मोटर साइकिल सवार, जो सशस्त्र सेना कार्मिक होते हैं, अपने प्रदर्शन करते हैं। परेड का सर्वाधिक प्रतीक्षित भाग फ्लाई पास्ट है जो भारतीय वायु सेना द्वारा किया जाता है। फ्लाई पास्ट परेड का अंतिम पड़ाव है, जब भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान राष्ट्रपति का अभिवादन करते हुए मंच पर से गुजरते हैं।

प्रधानमंत्री की रैली

गणतंत्र दिवस का आयोजन कुल मिलाकर तीन दिनों का होता है और 27 जनवरी को इंडिया गेट पर इस आयोजन के बाद प्रधानमंत्री की रैली में एनसीसी केडेट्स द्वारा विभिन्न चौंका देने वाले प्रदर्शन और ड्रिल किए जाते हैं।

लोक तरंग

सात क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्रों के साथ मिलकर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हर वर्ष 24 से 29 जनवरी के बीच ''लोक तरंग - राष्ट्रीय लोक नृत्य समारोह'' आयोजित किया जाता है। इस आयोजन में लोगों को देश के विभिन्न भागों से आए रंग बिरंगे और चमकदार और वास्तविक लोक नृत्य देखने का अनोखा अवसर मिलता है।

बीटिंग द रिट्रीट

बीटिंग द रिट्रीट गणतंत्र दिवस आयोजनों का आधिकारिक रूप से समापन घोषित करता है। सभी महत्वपूर्ण सरकारी भवनों को 26 जनवरी से 29 जनवरी के बीच रोशनी से सुंदरता पूर्वक सजाया जाता है। हर वर्ष 29 जनवरी की शाम को अर्थात गणतंत्र दिवस के बाद अर्थात गणतंत्र की तीसरे दिन बीटिंग द रिट्रीट आयोजन किया जाता है। यह आयोजन तीन सेनाओं के एक साथ मिलकर सामूहिक बैंड वादन से आरंभ होता है जो लोकप्रिय मार्चिंग धुनें बजाते हैं। इसके बाद रिट्रीट का बिगुल वादन होता है, जब बैंड मास्टर राष्ट्रपति के समीप जाते हैं और बैंड वापिस ले जाने की अनुमति मांगते हैं। तब सूचित किया जाता है कि समापन समारोह पूरा हो गया है। ठीक शाम 6 बजे बगलर्स रिट्रीट की धुन बजाते हैं और राष्ट्रीय ध्वज को उतार लिया जाता हैं तथा राष्ट्रगान गाया जाता है और इस प्रकार गणतंत्र दिवस के आयोजन का औपचारिक समापन होता हैं।

संविधान तुझे सलाम

26 जनवरी 1950 को तीन वर्ष की अथक मेहनत के बाद हमारे का संविधान लागू हुआ था। हमारे देश के कानून का पालन करना सभी देशवासियों का कर्तव्य है। कानून या कहें कि नियम से ही कोई देश, समाज, परिवार चलता है। कानून नहीं है या कानून का विरोध-उल्लंघन करने वालों की संख्या ज्यादा है तो समझों जंगल राज है।

जनता की जिम्मेदारी

यदि आप स्वतंत्रतापूर्वक सुरक्षित और सुविधाजनक खुशहाल जीवन जीना चाहते हैं तो कानून का सम्मान और पालन करना आवश्यक है। बहुत से ऐसे देश हैं जिन्होंने अपने यहाँ के कानून का सम्मान या पालन नहीं किया था तो वे बिखर गए हैं और आज भी वहाँ पर कानून का राज नहीं लाठी का राज चलता है। कानून की रक्षा की जिम्मेदारी जनता की ही होती है। जनता से ही पुलिस और राजनीतिज्ञ चुने जाते हैं। जनता से ही कुख्यात और विख्यात लोग पैदा होते हैं, इसीलिए जनता की ही जिम्मेदारी है कि कानून का पालन करें और कराएँ।

सभी श्रेष्ठ हैं

जवाहरलाल नेहरू से मनमोहन सिंह तक हमारे सभी प्रधानमंत्री अच्छे रहें हैं। दोष निकालना हो तो सभी में से निकाले जा सकते हैं। हम तो कहते हैं कि भारत की एक अरब जनता के प्रत्येक व्यक्ति से भी दोष निकाले जा सकते हैं, लेकिन आप देखें कि हम 60 वर्ष पहले कहाँ थे और आज कहाँ है। रेडियो नहीं था, अब कम्प्यूटर और मोबाइल के माध्यम से आपने दुनिया मुट्ठी में कर ली है।

देश की उपलब्धि

खदानों से दुनिया के श्रेष्ठ स्वर्ण और हीरे खोजते-खोजते हमने चाँद पर पानी खोज लिया है और अब मंगल पर खोजने का मन बना चुके हैं। ऑस्कर के लिए कोई हमें पूछता नहीं था अब हम ऑस्कर को नहीं पूछते। खास बात तो यह की दुनिया भर का स्टील लक्ष्मी मित्तल की जेब में है। सुई से लेकर अंतरिक्ष शटल तक अब भारतीयों के बगैर नहीं बनाए जा सकते।

महिलाओं की उड़ान

महिला और पुरुष की समानता का जहाँ तक सवाल है तो दूसरा कोई भी मुल्क हमारी होड़ नहीं कर सकता। अंतरिक्ष से लेकर पाताल तक भारतीय महिलाओं ने अपनी विजय पताका फहरा दी है। कल्पना चावला को कौन भूल सकता है। हमारे पास महिला राष्ट्रपति है। देश की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस की अध्यक्ष महिला है। संसद में प्रतिपक्ष की नेता भी महिला है। अंतरराष्ट्रीय स्तर की महिला लेखिकाओं की फौज खड़ी कर दी है और कार्पोरेट जगत में भी सैकड़ों नाम है जो प्रतिष्ठित कंपनी की सीईओ तक है।

भारतीय आईटी का कमाल

हमने ही हैकिंग करना सिखाया है और हम ही हैकिंग से मुक्ति भी दिलाते हैं। हम ही वायरस प्रोग्राम का निर्माण करते थे और हम ही उसे हटाने की क्षमता भी रखते हैं। दुनिया भर में कम्प्यूटर और इंटरनेट हमारे बगैर चल नहीं सकता। दुनिया भर के श्रेष्ठ सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर इंजीनियर हम ही पैदा करते हैं। यह गर्व की बात है कि इस क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाओं के बगैर अब दुनिया आगे नहीं बढ़ सकती।

संविधान तुझे सलाम

भारत की समूची उड़ान और उपलब्धि का कारण है हमारा संविधान। हमारा संविधान हमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। हमारा संविधान हमें हर तरह की शिक्षा को ग्रहण करने की स्वतंत्रता देता है। हमारा संविधान हमें वह सारी स्वतंत्रता देता है जिसके माध्यम से हम स्वयं का विकास कर सकें और अपने सपनों को पूरा कर सकें, इसीलिए हम कहते हैं कि संविधान तुझे सलाम।

गणतंत्र का आधार हो गुणतंत्र

भारत की आजादी 15 अगस्त 1947 के बाद कई बार संशोधन करने के पश्चात भारतीय संविधान को अंतिम रूप दिया गया जो 3 वर्ष बाद यानी 26 नवंबर 1950 को आधिकारिक रूप से अपनाया गया। तब से 26 जनवरी को हम गणतंत्र दिवस मनाते आ रहे हैं। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था ने कई उतार-चढ़ाव देखे हैं और इस दौरान लोगों में लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति असंतोष भी व्याप्त होता गया। असंतोष का कारण भ्रष्ट शासन और प्रशासन तथा राजनीति का अपराधिकरण रहा। भारत में बहुत से ऐसे व्यक्ति और संगठन हैं जो भारतीय संविधान के प्रति श्रद्धा नहीं रखते।

व्यर्थ है असंतोष

इस अश्रद्धा का कारण हमारा संविधान नहीं है। माओवादी जैसे पूर्वोत्तर के अन्य संगठन आज भी यदि सक्रिय है तो कारण सिर्फ इतना है कि भ्रष्ट गैर जिम्मेदार राजनीतिज्ञों और अपराधियों के चलते उनका लोकतंत्र से विश्वास उठ गया। लेकिन समझने वाली बात यह है कि लादी गई व्यस्था और तानाशाह कभी दुनिया में ज्यादा समय तक नहीं चल पाया। माना कि लोकतंत्र की कई खामियाँ होती है, लेकिन तानाशाही या धार्मिक कानून की व्यवस्था व्यक्ति स्वतंत्रता का अधिकार छीन लेती है, यह हमने देखा है। जर्मन और अफगानिस्तान में क्या हुआ सभी जानते हैं। सोवियत संघ क्यों बिखर गया यह भी कहने की बात नहीं है। भविष्य में देखेंगे आप चीन को बिखरते हुए।

लोकतंत्र को परिपक्व होने दें

हमें विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश होने का गर्व है। हमारा लोकतंत्र धीरे-धीरे परिपक्व हो रहा है। हम पहले से कहीं ज्यादा समझदार होते जा रहे हैं। धीरे-धीरे हमें लोकतंत्र की अहमियत समझ में आने लगी है। सिर्फ लोकतांत्रिक व्यवस्था में ही व्यक्ति खुलकर जी सकता है। स्वयं के व्यक्तित्व का विकास कर सकता है और अपनी सभी महत्वाकांक्षाएँ पूरी कर सकता है। जो लोग यह सोचते हैं कि इस देश में तानाशाही होना या कट्टर धार्मिक नियम होने चाहिए वे यह नहीं जानते कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान में क्या हुआ। वहाँ की जनता अब खुलकर जीने के लिए तरस रही है। ये सिर्फ नाम मात्र के देश हैं।

लोकतंत्र बनेगा गुणतंत्र

हमारा समाज परिवर्तित हो रहा है। मीडिया जाग्रत हो रही है। जनता भी जाग रही है। युवा सोच का विकास हो रहा है। शिक्षा का स्तर बढ़ रहा है। टेक्नोलॉजी संबंधी लोगों की फौज बढ़ रही है। इस सबके चलते अब देश का राजनीतिज्ञ भी सतर्क हो गया है। ज्यादा समय तक शासन और प्रशासन में भ्रष्टाचार, अपराध और अयोग्यता नहीं चल पाएगी तो हमारे भविष्य का गणतंत्र गुणतंत्र पर आधारित होगा, इसीलिए कहो....गणतंत्र की जय हो।

भारतीय गणतंत्र और बचपन

भारत के गणतंत्र की अनेक उपलब्धियों पर हम फख्र कर सकते हैं। लोकतंत्र में हमारी चरित्रगत आस्था का इससे बड़ा सबूत क्या हो सकता है कि दुनिया के सबसे बड़े और जटिल समाज ने सफलतापूर्वक 50 से अधिक राष्ट्रीय चुनाव संपन्न किए। सरकारों को बनाया और बदला। विशाल और सशक्त सेना जनप्रतिनिधियों के आदेश पर चलने के अलावा कुछ और सोच भी नहीं सकती।

1975 के आपातकाल के कुछ महीनों के अलावा देश के नागरिक अधिकारों और मीडिया की स्वतंत्रता पर कोई राष्ट्रीय पाबंदी नहीं लग सकी।

दूसरी ओर, गैर बराबरी और भूख से हुई मौतों, किसानों द्वारा आत्महत्याओं, महिलाओं की असुरक्षा और बलात्कार, जातिवाद, सांप्रदायिकता, भ्रष्टाचार, अशिक्षा आदि कलंक भी हमारे लोकतांत्रिक चेहरे पर खूब दिखाई देते हैं, किंतु इन सबमें सबसे अधिक शर्मनाक देश में चलने वाली बच्चों की गुलामी और बाल व्यापार जैसी घिनौनी प्रथाएँ हैं।

बाल वेश्यावृत्ति, बाल विवाह, बाल मजदूरी, बाल कुपोषण, अशिक्षा, स्कूलों, घरों और आस-पड़ोस में तेजी से हो रही बाल हिंसा से लगाकर शिशु बलात्कार जैसी घटनाएँ हमारी बीमार और बचपन विरोधी मानसिकता की परिचायक हैं। भारत में लगभग दो तिहाई बच्चे किसी न किसी रूप में हिंसा के शिकार हैं। 5 वर्ष से कम उम्र के लगभग 47 प्रतिशत बच्चे कुपोषित हैं। गैर सरकारी आँकड़ों के अनुसार 6 करोड़ बच्चे बाल मजदूरी और आर्थिक शोषण के शिकार हैं और इतने ही बच्चे स्कूलों से बाहर हैं। यह सब आखिर बापू गाँधी, चाचा नेहरू, संविधान, सामाजिक न्याय, सबके लिए शिक्षा, बाल अधिकार संरक्षण, जैसे शब्दों की आड़ में देश के करोड़ों बच्चों के वर्तमान और भविष्य के साथ भद्दा मजाक नहीं, तो और क्या है कहाँ है वह राजनीतिक इच्छाशक्ति, बुनियादी नैतिकता और सरकारी ईमानदारी, जो अपने ही बनाए कानूनों को पैरों तले रौंदने से रोक सके? आखिर कौन है इसके लिए जवाबदेह?

इन हालातों के लिए कुछ बुनियादी कमियाँ जिम्मेदार हैं। पहली है बचपन समर्थक और बाल अधिकार का सम्मान करने वाली मानसिकता की कमी। दूसरा सामाजिक चेतना और सरोकार का अभाव। तीसरा राजनीतिक इच्छाशक्ति और ईमानदारी की कमी। चौथा बच्चों के अधिकारों और संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक संसाधन मुहैया कराने में कोताही और पाँचवाँ बच्चों के मामले में एक स्पष्ट नैतिकता का अभाव। बच्चों के मामले में हमारी मानसिकता दो प्रकार की है, यदि आप कथित तौर पर भले और संवेदनशील हैं तो अभावग्रस्त बच्चों के ऊपर दया दिखाने या उपकार करने की मानसिकता। दूसरी ओर जो लोग व्यावहारिक हैं और सबसे कमजोर तबकों का उपयोग अपनी संपन्नता बढ़ाने और मौज-मस्ती के लिए करने में यकीन रखते हैं। ऐसे लोग मजदूर के रूप में बच्चों के श्रम का शोषण, अपनी हवस मिटाने के लिए उनका यौन शोषण अथवा कुत्सित रौब-रुतबे के लिए बच्चों पर हिंसा आदि का सहारा लेते हैं। समाज में ऐसे कितने लोग हैं, जिन्हें बच्चों के अधिकारों की कोई चेतना या समझ है। हर बच्चा नैसर्गिक, संवैधानिक और कानूनी अधिकारों के साथ जन्मता है। किंतु इन अधिकारों का सम्मान और बच्चों के प्रति संवेदनात्मक व मित्रतापूर्ण रिश्ता कितने लोग कायम रखते हैं?

बाल अधिकार भी बुद्धि-विलास, चर्चा-परिचर्चा या एनजीओ अथवा सरकारी महकमों की परियोजना भर बन कर रह गए हैं, जबकि बाल अधिकारों का सम्मान और बाल मित्र समाज बनाने के प्रयत्न सबसे पहले एक जीवन जीने का तरीका बनने चाहिए। बच्चों के प्रति हम कैसा सोचते हैं,उनके साथ कैसे समानता और इज्जत का व्यवहार करते हैं, उनका विकास, संरक्षण और उनका सम्मान हमारी निजी सामाजिक, राजनीतिक एवं आर्थिक प्राथमिकताओं में कैसे ढल जाता है। इस पर गहरे मंथन और अमल की जरूरत है।

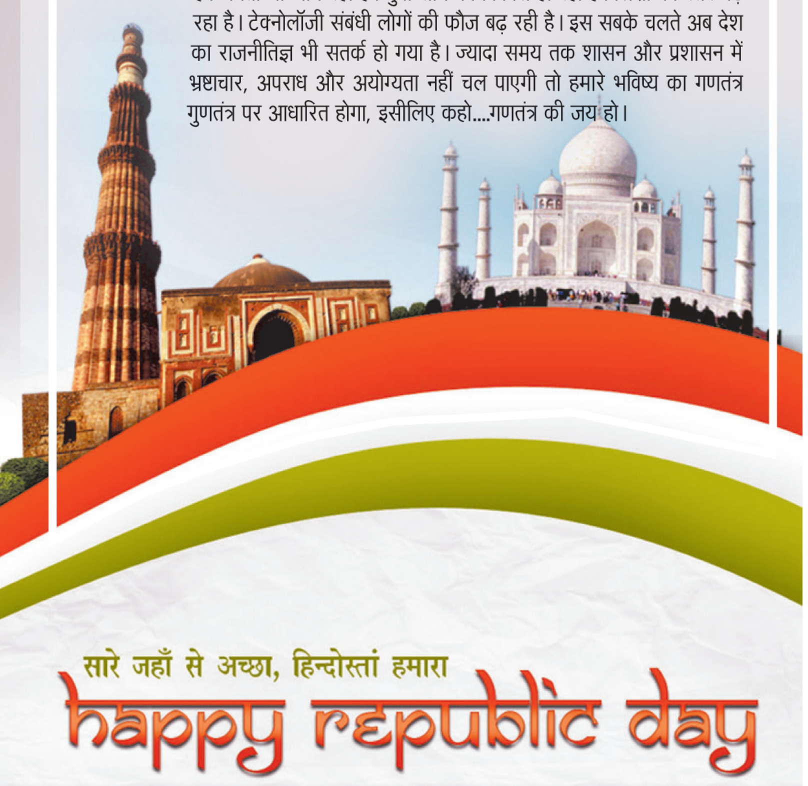

'तस्करी' की ग्लोबल सफलता पर इमरान हाशमी ने जताई खुशी

इमरान हाशमी की हालिया रिलीज वेब सीरीज 'तस्करी- द स्मगलर्स वेब' को काफी पसंद किया जा रहा है। यही नहीं तस्करी- द स्मगलर्स वेब रिलीज के पहले ही सप्ताह में नेटफ्लिक्स की ग्लोबल टॉप 10 नॉन-इंग्लिश टीवी लिस्ट में नंबर 1 पर पहुंच गई है। पहले नंबर पर पहुंचने वाली 'तस्करी- स्मगलर्स वेब' पहली भारतीय सीरीज भी बन गई है। अब शो की इस सफलता और उपलब्धि पर इमरान हाशमी ने खुशी जताई है।

तस्करी- द स्मगलर्स वेब की सफलता के बाद इमरान हाशमी ने प्रशंसकों के प्रति आभार व्यक्त किया है। एक्स पर एक वीडियो साझा करते हुए इमरान ने कहा, 'आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद। तस्करी नेटफ्लिक्स की वैश्विक गैर-अंग्रेजी टॉप 10 सूची में नंबर एक स्थान पर पहुंचने वाली पहली भारतीय सीरीज बन गई है। ये आप लोगों के प्यार की वजह से हुआ है। मैं आप सभी के कमेंट्स और मैसेज पढ़ रहा हूं। आपके समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद। इससे यह साबित होता है कि ईमानदारी पर आधारित कहानियां बहुत दूर तक पहुंचती हैं। हम सभी बहुत आभारी हैं।' अपने कैप्शन में भी इमरान ने लोगों का आभार जताया है।

नीरज पांडे ने भी जताई खुशी

इमरान के अलावा सीरीज के निर्माता-निर्देशक नीरज पांडे ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताई है। नीरज ने कहा कि तस्करी का यहां तक पहुंचना न केवल शो के लिए बल्कि भारतीय कहानी कहने की कला के लिए भी एक महत्वपूर्ण पल है। यह दिखाता है कि हमारी सच्चाइयों में मौजूद और कम खोजे गए स्थानों पर आधारित अनूठी कहानियां, स्पष्टता और उद्देश्य के साथ बताए जाने पर भारत से बहुत दूर तक प्रभाव डाल सकती हैं।

स्मगलिंग और कस्टम ऑफिसर के बीच के खेल को दिखाती है सीरीज

नीरज पांडे द्वारा निर्मित और राघव जयराथ द्वारा सह-निर्देशित तस्करी- द स्मगलर्स वेब में इमरान हाशमी, जोया अफरोज, अमृता खानविलकर, शरद केलकर, नंदीश सिंह संधू और अनुराग सिन्हा मुख्य भूमिका में हैं। शो एयरपोर्ट कस्टम्स की जोखिम भरी दुनिया को दिखाता है। सीरीज में इमरान हाशमी ने कस्टम ऑफिसर की भूमिका निभाई है।

धुरंधर में रणवीर सिंह के साथ 20 साल के उम्र के अंतर पर सारा अर्जुन ने चुप्पी तोड़ी

फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह और सारा अर्जुन को मुख्य जोड़ी के रूप में दिखाया गया। इस पर दोनों की उम्र को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बातें हुईं। ज्यादातर लोगों ने दोनों के बीच 20 साल के उम्र के फर्क पर चर्चा की। अब सारा ने इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है।

उम्र को लेकर सारा की दो-टूक धुरंधर एक्ट्रेस सारा अर्जुन ने एनडीटीवी को दिए इंटरव्यू में कहा, हर किसी को अपनी राय रखने का पूरा हक है और वह सबके अलग-अलग विचारों का सम्मान करती हैं। सारा ने यह भी बताया कि उन्हें फिल्म की कहानी के बारे में पहले से पता था। उनके हिसाब से कहानी में यह उम्र का फर्क बिल्कुल ठीक और जायज था।

सारा ने क्यों सोशल मीडिया से बनाई थी दूरी?

धुरंधर रिलीज से पहले ही सारा ने सोशल मीडिया से दूरी बना ली थी। इसलिए उन तक ऑनलाइन चल रही बहसें और कमेंट्स कभी पहुंचे ही नहीं। सारा ने कहा, सोशल मीडिया पर बहुत शोर होता है, है ना? मैं उसमें ज्यादा एक्टिव नहीं रहती। हर किसी की अपनी राय होती है। मैं जीयो और जीने दो वाली सोच में विश्वास करती हूं। मुझे कहानी पता थी और मुझे लगता था कि यह सही है, बस इतना ही।

सारा ने की रणवीर की तारीफ

सारा ने रणवीर की बहुत तारीफ की और कहा कि उनसे बेहतर को-स्टार उन्हें भविष्य में भी नहीं मिल सकता। रणवीर सिंह ने बहुत ऊंचा स्टैंडर्ड सेट कर दिया है। सारा ने कहा, रणवीर काम में पूरी तरह डूब जाते हैं। लेकिन साथ ही पूरे सेट का भी ख्याल रखते हैं। वे फिल्म को टीम वर्क मानते हैं। सेट पर जो भी काम हो रहा होता है- चाहे डिजाइन हो या कुछ और वे सबमें बराबर शामिल रहते हैं। यही चीजें बहुत मायने रखती हैं। वे सबको साथ लेकर चलते हैं।

धुरंधर के बारे में सबकुछ

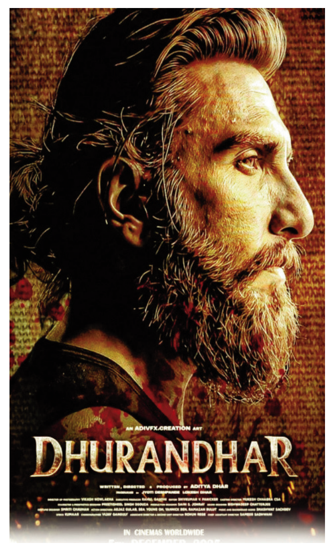

फिल्म धुरंधर पिछले साल 5 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। बॉक्स ऑफिस पर इसे जबरदस्त सफलता मिली। यह 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी और दुनिया भर में इस फिल्म ने करोड़ों रुपये कमाए। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह ने एक भारतीय जासूस का रोल अदा किया है। इस फिल्म में रणवीर और सारा के अलावा अक्षय खन्ना, संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर माधवन जैसे कलाकार भी हैं। इसका दूसरा पार्ट मार्च 2026 में आने वाला है।

'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' किताब पर आधारित है विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओ रोमियो'

विशाल भारद्वाज की आगामी फिल्म 'ओ रोमियो' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। आज फिल्म का मच अवेटेड ट्रेलर रिलीज किया गया। ट्रेलर को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान विशाल भारद्वाज ने फिल्म को लेकर मचे विवाद पर भी प्रतिक्रिया दी। साथ ही फिल्म के मुंबई के गैंगस्टर हुसैन उस्तरा पर आधारित होने की चर्चाओं और गैंगस्टर के परिवार से परमिशन लेने के मामले पर भी विशाल भारद्वाज ने प्रतिक्रिया दी।

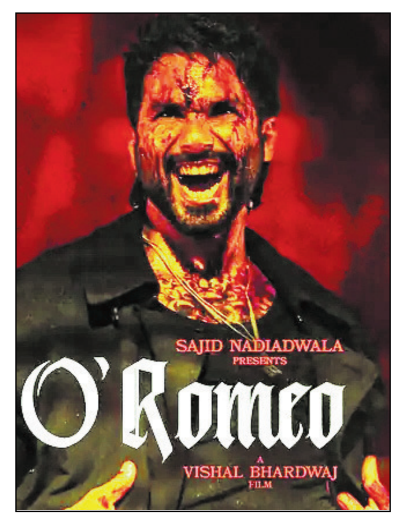

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान निर्देशक विशाल भारद्वाज ने ये साफ किया 'ओ रोमियो' जैदी हुसैन की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' पर आधारित है। उन्होंने कहा कि मैंने उस कहानी के राइट्स लिए और उन्हीं अधिकारों के आधार पर उस पर फिल्म बनाई है। पूरी फिल्म के किरदार वो ही हैं और कहानी वही है, लेकिन हमने इसमें क्रिएटिव लिबर्टी भी ली है। इसलिए कुछ फिक्शनल चीजें भी डाली हैं।

मैंने अनुमति नहीं ली, क्योंकि कहानी किताब का हिस्सा है

मुंबई के दिवंगत गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ हुसैन उस्तारा के परिवार से इजाजत लेने के सवाल पर विशाल भारद्वाज ने कहा कि मैंने अनुमति लेने के बारे में सोचा ही नहीं, क्योंकि कहानी वहीं से ली गई है और किरदार भी उसी पर आधारित हैं। हालांकि, इसमें काफी काल्पनिक बातें भी हैं। अनुमति की बात करें तो हुसैन जैदी ने शायद अनुमति ली होगी या उन्हें लेनी चाहिए थी। मुझे लगा कि मुझे किसी अनुमति की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह एक ऐसी कहानी पर आधारित है जो एक किताब का हिस्सा है। 'ओ रोमियो' के टीजर में फिल्म को सच्ची घटनाओं से प्रेरित बताया गया था। इसके बाद ही फिल्म के मुंबई के गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ हुसैन उस्तारा के जीवन पर आधारित होने की बात कही जाने लगी।

रानी मुखर्जी का खुलासा; बताया कैसे हुई फिल्मों में एंट्री

अभिनेत्री रानी मुखर्जी इस साल इंडस्ट्री में अपने 30 साल पूरे कर रही हैं। साथ ही अभिनेत्री अपनी आगामी फिल्म 'मर्दानी 3' के प्रमोशन में भी व्यस्त हैं। इस बीच रानी ने याद किया कि कैसे उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की थी। साथ ही उन्होंने बताया कि उनके माता-पिता काफी कम उम्र में ही उनकी शादी करना चाहते थे।

घरवालों को नहीं थी रानी से काम की उम्मीद

इंडस्ट्री में 30 साल पूरे होने के मौके पर रानी मुखर्जी ने यशराज स्टूडियो में अपने पुराने दोस्त और फिल्ममेकर करण जौहर के साथ बात की। इस दौरान करण ने रानी से जब उनके बचपन के बारे में पूछा, तो एक्ट्रेस ने बताया कि भले ही वह एक फिल्मी परिवार से आती हैं। उनके पिता राम मुखर्जी एक फिल्म निर्माता थे, लेकिन घर का खर्च बस किसी तरह चलता था। रानी ने आगे कहा कि उनके माता-पिता ने कभी नहीं सोचा था कि वह फिल्मों में काम करेंगी। मुझे नहीं लगता कि उन्होंने मेरे लिए कभी कोई सपना भी देखा था। जब हम बड़े हो रहे थे, तब मेरे पिताजी ने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं काम करूंगी। इसे लड़कों की जिम्मेदारी माना जाता था। यह जिम्मेदारी वे मेरे भाई के ज़रिए निभाते थे। लेकिन मेरे मामले में यह बात बिल्कुल साफ थी। वे मुझे बहुत कम उम्र में शादी करवाना चाहते थे। रानी ने याद किया कि माता-पिता की तमाम योजनाओं के बावजूद उन्होंने बॉलीवुड में अपने पिता के मित्र सलीम अख्तर द्वारा निर्मित फिल्म राजा की आएगी बारात से डेब्यू किया। रानी ने कहा कि किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। राजा की आएगी बारात का प्रस्ताव मिलने पर मेरी मां ने मुझसे कहा, सलीम चाचा हमारे पारिवारिक मित्र हैं और उन्होंने तुम्हें एक फिल्म का प्रस्ताव दिया है। तुम इसे क्यों नहीं स्वीकार लेती? तब मुझे यह एहसास नहीं हुआ था कि शायद मेरी मां मेरे घर की आर्थिक स्थिति सुधारने का रास्ता ढूंढ रही थीं। क्योंकि वे जानती थीं कि अगर मैं इस क्षेत्र में अच्छा करूंगी तो हमारे लिए अच्छा होगा। लेकिन उस समय मैंने इस नजरिए से नहीं सोचा था। अब इसका एहसास होता है।

फिल्मी परिवार से आती हैं रानी मुखर्जी

राम मुखर्जी एक प्रतिष्ठित फिल्मी परिवार से आती हैं। उनके पिता राम मुखर्जी पटकथा लेखक, निर्देशक और निर्माता थे।

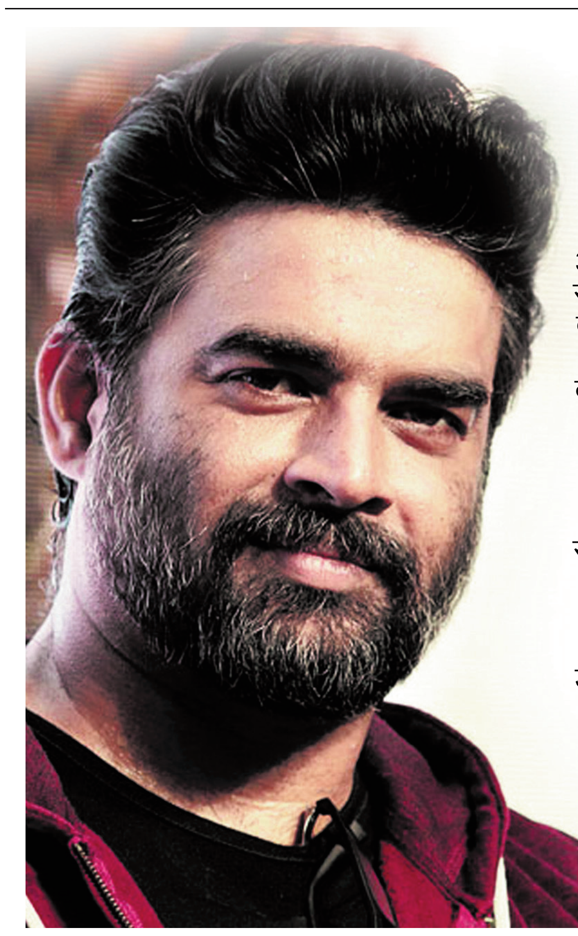

हमारी कहानियां छोटे शहरों तक सीमित रह गई हैं

आदित्य धर के डायरेक्शन में बनी धुरंधर ने बॉक्स ऑफिस पर 43 दिनों में वर्ल्डवाइड 1275.25 करोड़ रुपये की जबरदस्त कमाई की है। इसके साथ ही यह बीते दिनों में सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली हिंदी भी फिल्म बन गई है। इस स्पाई एक्शन फिल्म को लेकर हर किसी की अपनी राय है। कुछ लोग इसके मनोरंजन पहलू की तारीफ करते हुए इसे भारतीय सिनेमा के लिए गेम-चेंजर बता रहे हैं, वहीं कुछ इसके राजनीतिक नजरिए पर अलग सोच रखते हैं।

फिल्म में आर माधवन ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से प्रेरित भूमिका निभाई है। हमारे साथ खास बातचीत में माधवन ने फिल्म, अपने करियर और 55 साल की उम्र में नए तरह के रोल करने पर बात की। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि उन्हें यह अंदाजा पहले से था धुरंधर गेम चेंजर साबित होगी।

माधवन कहते हैं कि उन्हें धुरंधर की सुपर सक्सेस का अंदाजा था, लेकिन यह कभी नहीं सोचा था कि यह इतनी बड़ी बहस का विषय बनेगी। वह कहते हैं, 'जब मैंने कहानी सुनी, तभी समझ गया था कि यह फिल्म गेम-चेंजर साबित होगी। मुझे लगा था कि फिल्म के सामाजिक पहलुओं पर ज्यादा चर्चा होगी कि भारत आज किस दिशा में जा रहा है।'

हॉलीवुड से तुलना करते हुए आर माधवन आगे कहते हैं, 'अमेरिका अपनी फिल्मों के जरिए आपको यह यकीन दिला देता है कि दुनिया में कहीं भी कोई समस्या हो, उसका हल सिर्फ अमेरिकियों के पास है। फिल्मों में हमेशा वही ताकतवर दिखाए जाते हैं, वही सबसे समझदार होते हैं और हर संकट का जवाब उनके पास होता है। यही वजह है कि हॉलीवुड एक मजबूत सॉफ्ट पावर बन पाया।'

धुरंधर दिखाती है कि भारतीय क्या कर सकते हैं

वह आगे कहते हैं, 'चाहे एलियन अटैक हो या कोई वैश्विक संकट, अमेरिकी फिल्मों में उनके लोगों को ताकतवर, बुद्धिमान और वैज्ञानिक रूप से उन्नत दिखाया जाता है। इसी कारण उनकी फिल्मों को दुनियाभर में जबरदस्त दर्शक मिलते हैं। भारत में भी ये सारी खूबियां हैं, लेकिन हमारी कहानियां ज्यादातर छोटे शहरों और सीमित सोच तक सिमट कर रह गई हैं। धुरंधर दिखाती है कि जब हालात बेहद मुश्किल हो जाते हैं, तब भारतीय क्या कर सकते हैं। इसमें सब कुछ असली लगता है।'

देश से ऊपर कुछ नहीं

आर माधवन कहते हैं कि फिल्म की शुरुआत में ही यह बताया गया है कि यह असली घटनाओं से प्रेरित एक काल्पनिक कहानी है। वह कहते हैं, 'फिल्म में जो कुछ भी दिखाया गया है, वह हकीकत से जुड़ा हुआ है। हमारे देश पर हमले हुए हैं, बम धमाके हुए हैं, कंधार में विमान अपहरण हुआ और 26/11 जैसी घटना भी हुई। ऐसे में सवाल उठता है कि हमलावर कौन हैं? इस देश में ऐसे लोग हैं, जो बिना किसी पहचान के हमारी सुरक्षा कर रहे हैं। कहीं न कहीं कोई अपना काम सही तरीके से कर रहा है। अगर एक देश के तौर पर हम उन लोगों को पहचान नहीं देंगे, जो हमारी आजादी की रक्षा कर रहे हैं, चाहे वह प्रशासन हो या न्यायपालिका, तो हम बड़ी तस्वीर को नहीं समझ पाएंगे। हां, हमारी अपनी कमियां और समस्याएं हैं, लेकिन हम एक काम करने वाले लोकतंत्र हैं। मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन देश से ऊपर कुछ नहीं होता और हर बात राजनीति से जुड़ी हो, यह भी जरूरी नहीं है।'

अब क्रिएटिव रूप से ज्यादा बेहतर

रहना है तेरे दिल में से लेकर शैतान और द रेलवे मैन तक, आर. माधवन ने कई अलग-अलग तरह के रोल अदा किए हैं। माधवन का मानना है कि अब 55 साल की उम्र में सोलो फिल्म उनके करियर को परिभाषित नहीं करती है। तो क्या अब वह क्रिएटिव रूप से ज्यादा बेहतर महसूस करते हैं? इसके जवाब में वह कहते हैं, हां, मैं नए-नए रोल इसलिए कर पा रहा हूं, क्योंकि मुझे आज भी लगता है कि मैंने अपनी पूरी क्षमता से काम करना अभी शुरू ही किया है। जिन किरदारों को मैं निभा सकता हूं, उनके सतही पहलुओं को भी अभी मैंने नहीं छुआ है। मेरी जो फिल्में आने वाली हैं, वे दिखाएंगी कि निर्देशकों और कहानीकारों को मुझ पर कितना भरोसा है।'

पद्म पुरस्कार 2026 : विजय अमृतराज को पद्म भूषण, रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर को पद्म श्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर घोषित पद्म पुरस्कार 2026 की सूची में भारतीय खेल जगत की कई बड़ी हस्तियों को सम्मानित किया गया है। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज को पद्म भूषण से नवाज़ा गया है, जबकि भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और पुरुष टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को पद्म श्री पुरस्कार मिला है। इसके अलावा हॉकी, क्रिकेट और कोचिंग से जुड़े अन्य नामों ने भी इस प्रतिष्ठित सूची में जगह बनाई है।

विजय अमृतराज को पद्म भूषण, ऐतिहासिक उपलब्धि

भारतीय टेनिस के पथप्रदर्शक माने जाने वाले विजय अमृतराज इस साल खेल जगत से पद्म भूषण पाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। पद्म भूषण भारत का तीसरा सबसे बड़ा नागरिक सम्मान है, जो किसी भी क्षेत्र में असाधारण योगदान के लिए दिया जाता है। अमृतराज इससे पहले 1974 में अर्जुन पुरस्कार और 1983 में पद्म श्री से सम्मानित हो चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में विंबलडन और यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में दो-दो बार जगह बनाकर भारत को अंतरराष्ट्रीय टेनिस मंच पर पहचान दिलाई।

हरमनप्रीत कौर को पद्म श्री, यादगार रहा 2025

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के लिए साल 2025 ऐतिहासिक साबित हुआ। उनकी अगुवाई में भारत ने पहली बार घरेलू सरजमीं पर महिला वर्ल्ड कप का खिताब जीता। इस उपलब्धि के बाद उन्हें पद्म श्री से सम्मानित किया गया, जो उनके नेतृत्व, निरंतर प्रदर्शन और महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के योगदान को दर्शाता है।

रोहित शर्मा को पद्म श्री, कप्तानी में रचा इतिहास

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भी पद्म श्री पुरस्कार से नवाज़ा गया है। रोहित ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया, लेकिन वनडे क्रिकेट में उनका योगदान अब भी अहम बना हुआ है। उनकी कप्तानी में भारत ने टी20 वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े टूर्नामेंट जीते। बतौर कप्तान और बल्लेबाज़ रोहित ने भारतीय क्रिकेट को नई पहचान दी है।

अन्य खेल हस्तियों को भी मिला सम्मान

पद्म श्री पुरस्कार पाने वालों में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ प्रवीण कुमार और भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता पुनिया का नाम भी शामिल है। इसके अलावा महिला हॉकी को नई दिशा देने वाले कोच बलदेव सिंह, भगवंदास रायकवार और के. पाजनिवेल को भी खेल के क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म श्री से सम्मानित किया गया है। पूर्व कुश्ती कोच व्लादिमेर मेस्तविरीशविली को मरणोपरांत पद्म श्री दिया गया, जो भारतीय कुश्ती के विकास में उनके योगदान की पहचान है।

पद्म पुरस्कार 2026: कुल 131 सम्मान

केंद्र सरकार ने पद्म पुरस्कार 2026 के तहत कुल 131 नागरिक सम्मानों को मंजूरी दी है। इसमें 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री शामिल हैं। इन पुरस्कारों में खेल के साथ-साथ कला, सिनेमा, साहित्य, सार्वजनिक सेवा और अन्य क्षेत्रों की प्रतिष्ठित हस्तियों को भी सम्मानित किया गया है। पद्म पुरस्कार 2026 में खेल जगत से सम्मानित हस्तियों की लिस्ट-

विजय अमृतराज पद्म भूषण
बलदेव सिंह पद्म श्री
भगवंदास रायकर पद्म श्री
हरमनप्रीत कौर भुल्लर पद्म श्री
के. पाजनिवेल पद्म श्री
प्रवीण कुमार पद्म श्री
रोहित शर्मा पद्म श्री
सविता पुनिया - पद्म श्री

ऑस्ट्रेलियाई ओपन: नोवाक जोकोविच वाकओवर मिलने से क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी)। रिकॉर्ड 10 बार के विजेता नोवाक जोकोविच कोर्ट पर उतरे बिना ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं क्योंकि चौथे दौर में उनके प्रतिद्वंदी जैकब मेनसिक ने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव कारण 24 घंटे पहले ही रविवार को अपना नाम वापस ले लिया।

इससे अपना 25वां ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच को वाकओवर मिल गया। आयोजकों ने रविवार देर रात की। यह मैच सोमवार रात को रॉड लेवर एरिना में खेला जाना था। मेनसिक ने कहा, 'पिछले कुछ मैचों के बाद मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा था। समस्या मेरे पेट की बाई तरफ की मांसपेशियों में है। अगर मैं सोमवार को कोर्ट पर उतरता हूं तो यह मेरे स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है।'

शनिवार को 16वीं वरीयता प्राप्त मेनसिक ने एथन क्विन को सीधे सेटों में हराया था। जोकोविच तीसरे दौर में बोटिक वैन डे ज़ैंडशल्प को 6-3, 6-4, 7-6 (4) से हराकर ग्रैंड स्लैम एकल में 400 जीत हासिल करने वाले

पद्म पुरस्कारों में खेल जगत चमका, नौ दिग्गजों को सम्मान

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर पद्म पुरस्कारों की घोषणा कर दी है, जिसमें खेल जगत के कई दिग्गजों को शामिल किया गया है। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए पद्मश्री से नवाजा जाएगा है। वहीं, अंतरराष्टीय टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज को पद्म भूषण सम्मान मिलेगा। इसके अलावा पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पुडुचेरी के कई खिलाड़ियों को भी पद्मश्री सम्मान के लिए चुना गया है।

विजय अमृतराज

भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज को इस वर्ष पद्म भूषण सम्मान से नवाजा गया है। वह इस साल पद्म भूषण पाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। पद्म भूषण भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। अमृतराज को इससे पहले 1983 में पद्मश्री और 1974 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है, जो भारतीय खेलों में उनके दीर्घकालिक योगदान को दर्शाता है।

हरमनप्रीत कौर

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को उनके शानदार नेतृत्व और उपलब्धियों के लिए पद्मश्री सम्मान दिया गया है। साल 2025 उनके करियर के लिए बेहद खास रहा, जब उन्होंने घरेलू सरजमीं पर भारतीय महिला टीम को विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई और देश का नाम रोशन किया।

रोहित शर्मा

पूर्व भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को भी पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। रोहित ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था, लेकिन वनडे क्रिकेट में वह भारत के अहम खिलाड़ी बने रहे। पिछले साल उन्होंने वनडे प्रारूप में 650 रन बनाए और टीम के लिए लगातार योगदान दिया। रोहित के ही नेतृत्व में भारत ने टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के खिताब जीते।

प्रवीण कुमार

प्रवीण कुमार को पेरिस ओलंपिक 2024 में स्वर्ण पदक और 2020 में पैरालंपिक टोक्यो में रजत पदक मिला था। प्रवीण कुमार का कहना है उन्हें आशा थी कि इस बार उनको पदम श्री पुरस्कार मिलेगा। उन्होंने सरकार का धन्यवाद किया है कि वह खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दे रही है। अब उनका अगला टारगेट एशियन पैरालंपिक और वर्ल्ड पैरालंपिक चैंपियनशिप है।

सविता पुनिया

भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता पुनिया को भी पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया है। उन्होंने लंबे समय तक भारतीय महिला हॉकी टीम की रक्षा पंक्ति को मज़बूती दी और अंतरराष्टीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से देश का गौरव बढ़ाया।

व्लादिमेर मेस्तविरिश्विली (मरणोपरांत)

पूर्व कुश्ती कोच व्लादिमेर मेस्तविरिश्विली को खेल जगत में उनके योगदान के लिए मरणोपरांत पद्मश्री सम्मान दिया गया है। उन्होंने कई भारतीय पहलवानों को प्रशिक्षित कर देश के कुश्ती खेल को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने ओलंपिक पदक विजेता योगेश्वर दत्त और बजरंग पूनिया को ट्रेनिंग दी थी।

टीम चयन के बाद मोहसिन नकवी ने अलापा पुराना राग

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने टी20 विश्व कप 2026 के लिए पाकिस्तान की टीम का एलान होने के बाद एक बार फिर पुराना राग अलापा। उन्होंने कहा कि आगामी विश्व कप के लिए टीम की घोषणा का मतलब ये नहीं कि पाकिस्तान ने वैश्विक टूर्नामेंट में हिस्सा लेने का अंतिम फैसला कर लिया है। नकवी ने दोहराया कि पीसीबी अब भी पाकिस्तान सरकार के रुख का इंतजार कर रहा है और उसी के आधार पर यह तय किया जाएगा कि टीम टूर्नामेंट में भाग लेगी या नहीं। यह टी20 विश्व कप भारत और श्रीलंका में आयोजित होना है। शनिवार को अंतरराष्टीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सुरक्षा कारणों से भारत जाने से इनकार करने वाले बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया था और उसकी जगह स्कॉटलैंड को शामिल किया गया। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आईपीएल से मुस्तफिजुर रहमान को बाहर किए जाने के बाद सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया था। टीम चयन के बाद खिलाड़ियों और मुख्य कोच माइक हेसन के साथ हुई बैठक में नकवी ने कहा, हम सरकार की सलाह का इंतजार कर रहे हैं। सरकार जो भी फैसला लेगी, हम उसका पालन करेंगे। अगर सरकार हमें विश्व कप में नहीं जाने को कहेगी, तो हम नहीं जाएंगे। रविवार को पाकिस्तान ने सलमान अली आगा की कप्तानी में 15 सदस्यीय टी20 विश्व कप टीम की घोषणा की। बैठक में नकवी ने खिलाड़ियों को बांग्लादेश के टूर्नामेंट से बाहर होने के मुद्दे पर पीसीबी की नीति से भी अवगत कराया। बाद में जारी बयान में पीसीबी ने कहा कि खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के समर्थन में बोर्ड के सैद्धांतिक रुख का समर्थन किया है। नकवी ने कहा कि बांग्लादेश का भारत में खेलने से इनकार करना एक सिद्धांतों पर आधारित फैसला था। उन्होंने आईसीसी पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा, हम आईसीसी के इस रवैये को सिरे से खारिज करते हैं। क्रिकेट को खेल की भावना और सिद्धांतों के अनुसार चलाया जाना चाहिए। नकवी ने खिलाड़ियों को यह भी याद दिलाया कि घरेलू ऑस्ट्रेलिया सीरीज और आगामी विश्व कप को लेकर प्रशंसकों को उनसे काफी उम्मीदें हैं और उनसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की अपील की।